रजिस्ट्री सं० डी (डी)-73

REGISTERED NO. D(D)-73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 24, 1976/वैशाख 4, 1898

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 24, 1976/VAISAKHA 4, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

मन्त्रिमण्डल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1976

का०आ० 1448—दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इलाहाबाद के एडवोकेट श्री एम० एन० मुल्ला और वाराणसी के एडवोकेट पी० के० चौबे को विपिन बिहारी चतुर्वेदी और श्री मसीह-उद्दीन खां के विरुद्ध केन्द्रीय अन्वेषक यूनिट, एस०पी०ई०, नई दिल्ली के केस आर-सी नम्बर 1/71 से उद्भूत फौजदारी अपील संख्या 1639/75 और 76/75 की इलाहाबाद उच्च न्यायालय (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय हत्याकाण्ड) में राज्य की ओर से पैरवी करने के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/54/75-एवीडी-2]

बी० सी० वनजानी, अवर सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 6th April, 1976

S.O. 1448.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints Shri S. N. Mullah, Advocate, Allahabad and Shri P. K. Chaube, Advocate, Varanasi, as Special Public Prosecutors, to conduct on behalf of the State of criminal appeals bearing Nos. 1639/75 and 76/75 arising out of case RC No. 1/71-Central Investigating Unit, S.P.E, New Delhi against Shri Vipin Behari Chaturvedi and Shri Masi-ud-din Khan in the High Court of Allahabad (Banaras Hindu University Murder Case).

[No. 225/54/75-AVD-II]

B. C. VANJANI, Under Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1976

का०आ० 1449.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, महाराष्ट्र सरकार के परामर्श से श्री एच० नंजुदिया, जिनको छुट्टी स्वीकृत की गई है, के स्थान पर श्री एस० बी० कुलकर्णी, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) को तारीख 19 अप्रैल, 1976 से महाराष्ट्र राज्य के लिये मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप मे अगले आदेशों तक एतद्द्वारा नाम निर्देशित करता है।

[सं० 154/महाराष्ट्र/75]
ए० एन० सैन, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New elhi, the 5th April, 1976

S.O. 1449.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the people Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Maharashtra, hereby nominates Shri S. B. Kulkarni, Secretary to Government of Maharashtra, General Administration Department (Personnel) as Chief Electoral Officer for the state of Mahashtra, with effect from 19 April 1976 and until further orders *vide* Shri H. Nanjundiah granted leave.

[No. 154/MT/75]
A. N. SEN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1976

का० आ० 1450.—यत', निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून 1975 में हुए गुजरात विधान-सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 74-शेर कोट्वा (अ० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री किशनकुमार दयाराम वघेला (इंजीनियर), गोमतीपुर, कुम्भरवाडी के पास, कृष्ण भुवन, म० नं० 1127, अहमदाबाद-21 (गुजरात) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नही है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री किशनकुमार दयाराम वघेला को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० गुज०/वि०स०/74/75/(38)]

ORDER

New Delhi, the 6th April, 1976

S.O. 1450.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kishankumar Dayaram Vaghela (Engineer), Comtipur, Near Humbharbari, Krishna Bhavan, House No 1127, Ahmedabad-21 (Gujarat) a contesting candidate in the general election held in June, 1975 to the Gujarat Legislative Assembly from 74-Shaher Kotda (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kishankumar Dayaram Vaghela (Engineer) to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/74/75 (38)]

आदेश

का० आ० 1451.—यत., निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून 1975 में हुए गुजरात विधान-सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 28-जमजोधपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री घेलूभाई रामभाई मदाम, ग्राम नवागाम घेद-2, जामनगर (गुजरात), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययो का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नही दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नही है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण मे निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री घेलूभाई रामभाई मदाम को ससद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० गुज०/वि० स०/28/75(39)
वी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

ORDER

S.O. 1451.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ghelubhaja Rambhai Madam, Village Navgam Ghed-2, Jamnagar (Gujrat), a contesting candidate in the general election held in June, 1975 to the Gujarat Legislative Assembly from 28-Jamjodhpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or Justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ghelubhai Rambhai Madam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. GJ-LA/28/75(39]
V. NAGASUBRAMANIAM, Secy.

राजस्व और बैंकिंग विभाग

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1976

आयकर

का० आ० 1452.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि अधिसूचना सं० 22 (फा० सं० 10/12/66-आ० क० I) तारीख 31 मार्च, 1967 द्वारा बेले व्यू क्लीनिक, कलकत्ता को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1)(ii) के अधीन दिया गया अनुमोदन विहित प्राधिकारी भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की सिफारिश पर 1 अप्रैल, 1976 से वापस लिया जाता है।

[सं० 1225(फा० सं० 203/143/75-आ०क०अ०II)]

टी० पी० झुनझुनवाला, उपसचिव

(Department of Revenue & Banking)

New Delhi, the 12th February, 1976

INCOME-TAX

S.O. 1452.—It is hereby notified for general information that the approval given under section 35 (1)(ii)of the Income-tax Act, 1961 to the Belle Vue Clinic, Calcutta by notification No. 22(F. No 10/12/66-ITA. I) dated the 31-3-1967 is wthdrawn with effect from 1st April, 1976 on the recommendation of the prescribed authority, the Indian Council of Medical Research, New Delhi.

[No. 1225 (F. No. 203/143/75-ITA.II]

T. P. JHUNJHUNWALA, Dy. Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 6th April, 1976

S.O. 1453.—In the notification No. 15 (46)-B.O. III/75 of 23rd December, 1975 published in the Gazette of India part-II Section 3(ii) dated 17th January, 1976, the survey nos. of the plots "2347 to 2446 and 2449" and the words "Kurnudwad Ltd." appearing in the English version may be read as "2437, 2443 to 2446 and 2449" and "Kurundwad Ltd" respectively.

[No. 15(46)-B. O. III/75]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1976

का० आ० 1454.—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री प्रताप चक्रवर्ती को मल्लभूम ग्रामीण बैंक, बांकुरा का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 9 अप्रैल, 1976 से आरम्भ होकर 30 सितम्बर, 1976 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसमें उक्त श्री प्रताप चक्रवर्ती अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-94/75 ए० सी० (4)]

के० पी० ए० मेनन, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 9th April, 1976

S.O. 1454.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) the Central Government hereby appoints Shri Pratap Chakraborty as the Chairman of the Mallabhum Gramin Bank, Bankura, and specifies the period commencing on the 9th April, 1976 and ending with the 30th September, 1976 as the period for which the said Shri Pratap Chakraborty shall hold office as such Chairman.

[No. F. 4-94/75-AC(IV)]

K. P. A. MENON, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1976

का०आ० 1455.—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री गोलक बिहारी सारंगी को बोलांगीर आंचलिक ग्राम्य बैंक, बोलांगीर का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 10 अप्रैल, 1976 से आरम्भ होकर 30 सितम्बर, 1976 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप मे निर्धारित करती है जिसमें उक्त श्री गोलक बिहारी सारंगी अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[सं० एफ० 4-86/75 ए० सी० (4)]

कु० भवानी, उप-सचिव

New Delhi, the 10th April, 1976

S.O. 1455.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Golak Bihari Sarangi as the Chairman of the Bolangir Anchalik Gramya Bank and specifies the period commencing on the 10th April, 1976 and ending with the 30th September 1976 as the period for which the said Shri Golak Bihari Sarangi shall hold office as such chairman.

[No. F. 4-86/75-AC(IV)]

K. BAVANI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1976

का० आ० 1456.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा निम्न सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उन अधिकारियों को नियुक्त करती है जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के स्तर के समकक्ष अधिकारी होंगे और उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये सम्पदा अधिकारी (एस्टेट आफीसर) होंगे। ये अधिकारी प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन उक्त सारणी के कालम (2) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के संबंध में सम्पदा अधिकारियों (एस्टेट आफीसर) को सौंपे गए कर्त्तव्यों को पूरा करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पद	सरकारी स्थानों की श्रेणियां और अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाये
(1)	(2)
महाप्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक बम्बई।	बम्बई में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये, अथवा अधिगृहीत स्थान।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, अहमदाबाद।	अहमदाबाद मे भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के, अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान।

(1)	(2)
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बंगलौर ।	बंगलौर में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भोपाल ।	भोपाल में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के, अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भुवनेश्वर ।	भुवनेश्वर मे भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, चण्डीगढ़ ।	चण्डीगढ़ में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये, अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, कोचीन ।	कोचीन में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, गोहाटी ।	गोहाटी में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, हैदराबाद ।	हैदराबाद में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, जयपुर ।	जयपुर में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, जम्मू ।	जम्मू मे भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, कानपुर ।	कानपुर में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, पटना ।	पटना में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर मे पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, कलकत्ता ।	कलकत्ता में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मद्रास ।	मद्रास में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-महाप्रबंधक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, नई दिल्ली ।	नई दिल्ली में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।

[सं० 7(9)-बी०ओ० 3/74]

New Delhi, 4th March, 1976

S.O. 1456.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officers equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

The Table

Designation of the officers	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
The General Manager, Industrial Development Bank of India, Bombay.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Bombay.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Ahmedabad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development of Bank of India in Ahmedabad.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Bangalore.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Bangalore.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Bhopal.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India, in Bhopal.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Bhubaneswar.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Bhubaneswar.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Chandigarh.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Chandigarh.

(1)	(2)
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Cochin.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Cochin.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Gauhati.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Gauhati.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Hyderabad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Hyderabad.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Jaipur.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Jaipur.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Jammu.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Jammu.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Kanpur.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Kanpur.
The Deputy Manager, Industrial Development Bank of India, Patna.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Patna.
The Manager, Industrial Development Bank of India, Calcutta.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Calcutta.
The Manager, Industrial Development Bank of India, Madras.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in Madras.
The Deputy General Manager, Industrial Development, Bank of India, New Delhi.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Industrial Development Bank of India in New Delhi.

[No. 7(9)-B.O. III/74]

का० आ० 1457.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा निम्न सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उन अधिकारियों को नियुक्ति करती है जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के स्तर के समकक्ष अधिकारी होंगे और उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये सम्पदा अधिकारी (एस्टेट आफिसर) होंगे । ये अधिकारी प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन उक्त सारणी के कालम (2) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के सम्बन्ध में सम्पदा अधिकारियों (एस्टेट आफिसर) को सौंपे गये कर्तव्यों को पूरा करेंगे ।

सारणी

अधिकारी का पद	सरकारी स्थानों की श्रेणियां और अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
प्रशासनिक अधिकारी, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, बंबई ।	बंबई में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, अहमदाबाद ।	अहमदाबाद में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, बंगलौर ।	बंगलौर में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, कलकत्ता ।	कलकत्ता में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, चंडीगढ़ ।	चंडीगढ़ में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम हैदराबाद ।	हैदराबाद में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, लखनऊ ।	लखनऊ में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, मद्रास ।	मद्रास में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, भुवनेश्वर ।	भुवनेश्वर में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवंविकास निगम, गौहाटी ।	गौहाटी में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।

(1)	(2)
उप-निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, जयपुर ।	जयपुर में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, पटना ।	पटना में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।
उप-निदेशक, कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम, त्रिवेन्द्रम ।	त्रिवेन्द्रम में कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम के अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिये गये अथवा अधिगृहीत स्थान ।

[सं० 7(9)-बी० ओ०-III/74]

मे० भा० उसगांवकर, अवर सचिव,

S.O. 1457.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officers equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the state officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
The Administrative officer, Agricultural Refinance and Development Corporation, Bombay.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Bombay.
The Director, Agricultural Refinance and Development, Corporation, Ahmedabad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Ahmedabad.
The Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Bangalore.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Bangalore.
The Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Bhopal.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Bhopal.
The Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Calcutta.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Calcutta.
The Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Chandigarh.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Chandigarh.
The Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Hyderabad.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Hyderabad.
The Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Lucknow.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Lucknow.
The Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Madras.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Madras.
The Deputy Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Bhubaneswar.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Bhubaneswar.
The Deputy Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Gauhati.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Gauhati.
The Deputy Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Jaipur.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Jaipur.
The Deputy Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Patna.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Patna.
The Deputy Director, Agricultural Refinance and Development Corporation, Trivandrum.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural Refinance & Development Corporation in Trivandrum.

[No. 7(9)-BO-III/74]

M.B. USGAONKAR, Under Secretary

वाणिज्य मन्त्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1976

का. आ. 1458.—भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 151 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, श्री पी. एल. टंडन के स्थान पर, जो छुट्टी पर चले गये हैं, श्री श्याम कृष्ण राय, अवर सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, गृह, लखनऊ को 23 सितम्बर 1975 से उत्तर प्रदेश के शत्रु सम्पत्ति के उप अभिरक्षक के पद पर एतद्द्वारा नियुक्त करती है ।

[फा. सं. 12(24)/73-ई. आई. ई. पी.]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 24th April, 1976

S.O. 1458.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (i) of rule 151 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby appoints Shri Shyam Krishna Rai, Under Secretary, Government of Uttar Pradesh, Home, Lucknow, as Deputy Custodian of Enemy Property for Uttar Pradesh with effect from 23rd September, 1975 vice Shri P. L. Tandon proceeded on leave.

[F. No. 12(24)/73-EI & EP]

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

का० आ० 1459.—भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की सुखाई हुई मछली संबंधी अधिसूचना सं० का० आ० 2137, तारीख 5 जून, 1970 में संशोधन करने के लिए कतिपय प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम 2 द्वारा यथा-अपेक्षित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 2365, ता० 26 जुलाई, 1975 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड-3 उप-खंड (ii), ता० 26 जुलाई, 1975 में प्रकाशित किए गए थे;

और 26 अगस्त, 1975 तक उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप तथा सुझाव मांगे गये थे जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 6 अगस्त, 1975 को उपलब्ध करा दी गई थी,

और उक्त प्रारूप पर जनता से कोई भी आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है।

अब, अत. निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् अपनी यह राय होने पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है, भारत सरकार के भूत-पूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 2137, तारीख 5 जून, 1970 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना मे,—

(1) उपाबन्ध-I में, 'सुखाई मछली की किस्में' शीर्षक के अन्तर्गत क्रम सं० 38 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियो के पश्चात् निम्न-लिखित क्रम स० तथा प्रविष्टियां जोड़ी जायेंगी, अर्थात् :—

'39. एंगुलुवा छोटी (दुबार) (एरियस)' ;

(2) उपा-बन्ध-II में 'सूखी मछली के विनिर्देश' शीर्षक के अन्तर्गत क्रम सं० 38 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्न-लिखित क्रम सं० तथा प्रविष्टियां जोड़ी जायेंगी, अर्थात् :—

क्रम सं०	प्रकार	वैज्ञानिक नाम (जाति)	संक्षेप में संसाधन की पद्धति
1	2	3	4
"39.	एंगुलुवा छोटी (दुबार)	एरियस	लम्बाई में काटी गई, आंतें निकाली तथा मछली फाड़ कर खोली गई या कीलम से खारियन-सिर सहित या सिर रहित सुखाई हुई।

क्वालिटी के मानक

आकार	रूप	गंध	सुखापन	बाह्य पदार्थ	अन्य टिप्पणी
5	6	7	8	9	10
15 से० मी० से अधिक हल्का	सपेद से भूरा	संसाधित मछली की साजा गंध	35% से अनधिक नमी	शून्य	शून्य"

[सं० 6(11)/74-नि० नि० तथा नि० उ०]

के० वी० बालसुब्रह्मणियम, उप-निदेशक

ORDER

S.O 1459.—Whereas for the Development of the export trade of India, certain proposals for amending the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 2137, dated 5th June, 1970, regarding dried fish, were published, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 26th July, 1975 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2365, dated the 26th July, 1975.

And whereas objection and suggestions were invited till the 26th August, 1975, from all persons likely to be affected thereby :

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 6th August, 1975.

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said draft.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 2137, dated the 5th June, 1970, namely:

In the said Notification—

(1) In Annexure-I, under the heading "Varieties of dried fish" after serial No. 38 and the entries relating thereto, the following serial No. and entries shall be added, namely :

"39. Anguluwa Small (Dubar) (Arius);

(2) In Annexure-II, under the heading "Specifications for dried fish", after Serial No. 38 and the entries relating thereto, the following Serial No. and entries shall be added, namely :—

Sl. No.	Variety	Scientific name (Species)	Method of cure in brief
1	2	3	4
"39	Anguluwa Small-(Dubar)	Arius	Cut open longitudinally entrails removed and fish split open, or keelams-salted-dried with or without head.

STANDARDS OF QUALITY

Size	Appearance	Smell	Dryage	Foreign matters	Other Remarks
5	6	7	8	9	10
Above 15 cms	Whitish to dull brown	Fresh flavour of a cured fish.	Moisture not exceeding 35%	Nil.	Nil."

[No. 6(11)74-EI&FP]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Deputy Director.

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1976

का० आ० 1460.—यतः केन्द्रीय सिल्क बोर्ड निगम, 1955 के नियम 4 तथा नियम 5 के उप-नियम (2) के साथ पठित, केन्द्रीय सिल्क बोर्ड अधिनियम 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उपधारा (3) के खंड (ग) के अनुसरण में लोक सभा ने श्री मुहम्मद खुदा बख्श की मृत्यु से रिक्त हुए स्थान पर श्री शंकर नारायण सिंह देव, संसद् सदस्य को केन्द्रीय सिल्क बोर्ड में एक सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए निर्वाचित किया है।

अतः अब उपर्युक्त धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 2509 दिनांक 18 जुलाई, 1974 में एतद्द्वारा निम्नोक्त संशोधन करती है, अर्थात् :—

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक 3 के स्थान पर निम्नोक्त क्रमांक रखा जायेगा :

"3. श्री शंकर नारायण सिंह देव ।"

[फा० सं० 6/24/75-टैक्स(5)]

New Delhi, the 5th April, 1976

S.O. 1460.—Whereas in pursuance of clause (c) of sub-section (3) of section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), read with rule 4, and sub-rule (2) of rule 5, of the Central Silk Board Rules, 1955, the Lok Sabha has elected Shri Shankar Narayan Singh Deo, M.P., to serve as a member of the Central Silk Board in the vacancy caused by the death of shri Muhammed Khuda Bukhsh;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said section 4, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 2509 dated the 18th July, 1974, namely :—

In the said notification, for serial number 3, the following serial number shall be substituted, namely :—

"3. Shri Shankar Narayan Singh Deo."

[F. No. 6/24/75-Tex(V)

(वस्त्र विभाग)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1976

का० आ० 1461.—केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम 1948 (1948 का 61) की धारा 4(3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 482(ई) दिनांक 12 सितम्बर, 1973 के अधीन नियुक्त अथवा मनोनीत किए गए, केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य आगामी आदेश होने तक केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य बने रहेंगे ।

[फा० सं० 6/41/75-टैक्स (5)]

(Department of Textiles)

New Delhi, the 6th April, 1976

S.O. 1461.—In exercise of the powers conferred under section 4 (3) of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby directs that the members of the Central Silk Board appointed or nominated under the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Industrial Development S. O. No. 482(E) dated the 12th September, 1973 shall continue to serve on the Central Silk Board until further orders.

[F. No. 6/41/75-Tex(V)]

का० आ० 1462.—केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उप-धारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एस० मुनिराजू को आगामी आदेश होने तक केन्द्रीय रेशम बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में एतद्द्वारा नियुक्त करती है।

[फा० सं० 6/41/75-टैक्स(5)]

एस० वेणुगोपालन, निदेशक

S.O. 1462.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri S. Muniraju as Chairman of the Central Silk Board until further orders.

[F. No. 6/41/75-Tex(V)]

S. VENUGOPALAN, Director.

(उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, कानपुर)

आदेश

कानपुर, 21 जून, 1975

का०आ० 1463.—सर्वश्री एग्रीकल्चर इण्डस्ट्रीज, गांधी चौक, कानपुर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बियरिंग्स के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :

(1) पी/एस/1764089 दिनांक 2-11-73 मूल्य 36000 रुपये

(2) पी/एस/1764090 दिनांक 2-11-73 मूल्य 18000 रुपये

(3) पी/एस/1764091 दिनांक 2-11-73 मूल्य 18000 रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी आई एंड ई/ए-47/ग एन-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/9834 दिनांक 24-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 13-2-75 का दिन भी दिया गया था ।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "ज्ञात नहीं" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नही हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नही हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुचे हैं कि उक्त सर्वश्री एग्रीकल्चरल इडस्ट्रीज, गाधी चौक कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नही दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान मे रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिएं या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 उपधारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किए जाते है।

[सं० डी सी सी आई एण्ड ई/ए-47/ए-एम-75/एन एफ/एन.बी.एन आर.ए.यू./कानपुर]

(Office of the Dy. Chief Controller of Imports & Exports)

Kanpur, the 21st June, 1975

ORDER

S.O. 1463.—The following licences for the import of Ball Bearings non banned non restricted type were issued to M/s. Agriculture Industries, Gandhi Chowk, Kanpur.

(1) P/S/1764089 dated 2-11-1973 for Rs. 36000.

(2) P/S/1764090 dated 2-11-1973 for Rs. 18000.

(3) P/S 1764091 dated 2-11-1973 for Rs. 18000.

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/A-47/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/9834 dated 24-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently They were also given 13-2-1975 for personal hearing of their matter.

(3) The above said show cause notice has been returned undelivered by the postal authorities with their remarks "Not known".

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Agriculture Industries, Gandhi Chowk, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-47/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1464.—सर्वश्री गुडलक इंडस्ट्रीज, गाव तथा डाकघर रत्तु पुरवा, जुही, कानपुर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बियरिंग्स आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1763745 दिनांक 26-9-73 मूल्य 37500 रुपए

2 पी/एस/1763746 दिनांक 26-9-74 मूल्य 18750 रुपए

3 पी/एस/1763747 दिनांक 26-9-73 मूल्य 18750 रुपए

2 उसके पश्चात एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/जी 16/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/15612 दिनांक 6/10-2-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यो न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हे उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 21-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नही हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नही हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया और इस निर्णय पर हम पहुचे हैं कि उक्त सर्वश्री गुडलक इण्डस्ट्रीज, गांव तथा डाकघर रत्तु पुरुवा, जुही कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नही दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिएं या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 उपधारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किए जाते है।

[सं० डी सी सी.आई. एड ई/जी 16/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर ए यू/कानपुर]

ORDER

S.O. 1464.—The following licences for the import of Ball Bearings etc non banned non restricted type were issued to M/s. Good Luck Industries, Village & P. O. Rattu Purwa, Juhi, Kanpur.

1 P/S 1763745 dated 26-9-1973 for Rs. 37500.

2 P/S/1763746 dated 26-9-1973 for Rs. 18750

3. P/S/1763747 dated 26-9-1973 for Rs. 18750.

(2) Thereafter Show Cause Notice No. DCCI&E/G-16/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN/15612 dated 6/10-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same

were issued inadvertently. They were also given 21-2-1975 for personal hearing of their matter.

(3) The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal authorities with their remarks "LEFT".

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Good Luck Industries Village & P O. Rattu Purwa, Juhi, Kanpur, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a of the Imports (Control) order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&F/G-16/AM-75/ENF/NBNR/AU/REP/KAN]

आदेश

कानपुर, 8 सितम्बर, 1975

का०आ० 1465.—सर्वश्री आदर्श इंजीनियरिंग वर्क्स, 38, तुलसीदास मार्ग, पाटानाला, लखनऊ को गैर निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बियरिंग्स आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1758406 दिनांक 25-7-72 मूल्य 5000 रुपए
2. पी/एस/1758407 दिनांक 25-7-72 मूल्य 5000 रुपये
3. पी/एस/1762287 दिनांक 27-4-73 मूल्य 5000 रुपये
4. पी/एस/1762288 दिनांक 27-4-73 मूल्य 5000 रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/ए०-11/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/5303 दिनांक 15-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 30-1-75 का दिन भी दिखा गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "मिल (दुकान) लम्बी अवधि से बंद हो गई—लौटाया जाता है" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री आदर्श इंजीनियरिंग वर्क्स, पाटनाला, लखनऊ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कार्यवाहियों में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 उपधारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी.सी.सी.आई एण्ड ई./ए-11/ए एम-75/एन्फ/एन.बी.एन आर/ए यू. कानपुर]

ORDER

Kanpur, the 8th September, 1975

S.O. 1465.—Hhe following licences for the import of Ball Bearings etc. non banned non restricted type were issued to M/s. Adarsh Engg. Works. 38 Tulsidas Marg, patanala. Lucknow.

(1) P/S/1758406 dated 25-7-1972 for Rs. 5000.

(2) P/S/178407 dated 25-7-1972 for Rs. 5000.

(3) P/S/1762287 dated 27-4-1973 for Rs. 5000.

(4) P/S/1762288 dated 27-4-1973 for Rs. 5000.

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/A-11 AM75/-ENF/NBNR/AU/KAN/5303 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

(3) The above said show cause notice has been returned undelivered by the postal authorities with their remarks 'Mill (shop) closed since long period-Returned".

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s Adarsh Engg Works, Patanala, Lucknow, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertenly

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satifled that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the power vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said Licences.

[No. DCCI&E/D 2/AM-75 ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1466.—सर्वश्री ए वन इण्डस्ट्रीज, जी०टी०रोड, बुढाना रोड, खतौली, मुजफ्फरनगर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बियरिंग्स आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एम/1759557 दिनांक 1-11-72 मूल्य 9825 रुपये
2. पी/एस/1759558 दिनांक 1-11-72 मूल्य 9825 रुपये
3. पी/एम/1760143 दिनांक 28-12-72 मूल्य 9825 रुपये
4. पी/एस/1760144 दिनांक 28-12-72 मूल्य 9825 रुपये
5. पी/एम/1761781 दिनांक 29-3-73 मूल्य 19237 रुपये
6. पी/एम/1761782 दिनांक 29-3-73 मूल्य 19237 रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/ए-22/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए य/कान/7744/15605 दिनांक 20-1-75 और 6-2-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके

मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-2-75 का दिन भी दिया गया था ।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "ज्ञात नहीं" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापिस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है ।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री एवन इण्डस्ट्रीज, जी. टी रोड, बुढाना रोड, खतौली, मुजफ्फरनगर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नही दिया है क्योकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नही है और यह कि लाइसेंस भूल मे जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं मे जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान मे रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए । इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी सी सी.आई एण्ड ई /ए-22/ए-एम 75/एन बी.एन -आर./ए यू./कानपुर]

ORDER

S.O. 1466.—The following licences for the import of Ball Bearing non-banned and non-restricted type were issued to M/s. A. One Industries, G. T. Road, Budhana Road, Khatauli, Muzaffar Nagar

1. P/S/1759557 dated 1-11-72 for Rs. 9825
2. P/S/1759558 dated 1-11-72 for Rs. 9825
3. P/S/1760143 dated 28-12-72 for Rs. 9825
4. P/S/1760144 dated 28-12-72 for Rs. 9825
5. P/S/1761781 dated 29-3-73 for Rs. 19237
6. P/S/1761782 dated 29-3-73 for Rs. 19237

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/A-22/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/7744/15605 dated 20-1-75 & 6-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-1975 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the postal authorities with their remarks "Not Known".

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. A-One Industries, G.T. Road, Budhana Road, Khatauli, Muzaffar Nagar have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-22/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1467.—सर्वश्री भवानी इंजीनियरिंग वर्क्स, रामलीला मैदान, दिल्ली रोड, मेरठ का गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मो के बॉल बियरिंग्स आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गये थे ।

1 पी/एस/1758086 दिनांक 21-6-72 मूल्य 5000 रुपये
2. पी/एस/1758087 दिनांक 21-6-72 मूल्य 5000 रुपये
3. पी/एस/1760810 दिनांक 16-2-73 मूल्य 5000 रुपये
4. पी/एस/1760811 दिनांक 16-2-73 मूल्य 5000 रुपये
5 पी/एस/1760812 दिनांक 16-2-73 मूल्य 5000 रुपये
6. पी/एस/1760813 दिनांक 16-2-73 मूल्य 5000 रुपये
7 पी/एस/1760814 दिनांक 16-2-73 मूल्य 5000 रुपये
8. पी/एस/1760815 दिनाक 16-2-73 मूल्य 5000 रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एड ई/बी/9/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/7727 दिनाक 20-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यो न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हे उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "फर्म समाप्त हो गई" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है ?

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है ।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री भवानी इंजी० वर्क्स, रामलीला मैदान, दिल्ली रोड, मेरठ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नही दिया है क्योकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कंडिकाओ में जो कुछ कहा गया है कि उस को ध्यान मे रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनाक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते है।

[स०डी सी.सी.आई.एण्ड ई/बी-9/ए.एम-75/एन्फ/एन.बी एन.आर/ए यु./कान]

ORDER

S.O. 1467.—The following licences for the import of Ball Bearing etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Bhawani Engineering Works, Ram Lila Ground, Delhi Road, Meerut.

1. P/S/1758086 dated 21-6-72 for Rs. 5000.
2. P/S/1758087 dated 21-6-72 for Rs. 5000.
3. P/S/1760810 dated 16-2-73 for Rs. 5000.
4. P/S/1760811dated 16-2-73 for Rs. 5000.
5. P/S/1760812 dated 16-2-73 for Rs. 5000.

6. P/S/1760813 dated 16-2-73 for Rs. 5000.

7. P/S/1760814 dated 16-2-73 for Rs. 5000.

8. P/S/1760815 dated 16-2-73 for Rs. 5000.

2. Thereafter a show cause noice No. DCCI&E/B/9/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/7727 dated 20-1-75 was issued to them askng to show cause within fifteen days of the date of recept of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-1975 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the posal authorities wih their remarks firm abolished.

4. The undersigned has carefully considered the matter & has come to the conclusion that the said M/s. Bhawani Engineering Works, Ram Lila Ground, Delhi Road, Meerut have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraph the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 1-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/B-9/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1468.—सर्वश्री दुर्गा इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, 111/448, हर्ष नगर, कानपुर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के रसायनों आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1757967 दिनांक 13-6-72 मूल्य 5000 रुपये

2 पी/एस/1757968 दिनांक 13-6-72 मूल्य 5000 रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/डी 2/ए एस-75/एन्फ/एन बी एस आर/ए यू/कान/7 दिनांक 4-12-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 19-12-74 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री दुर्गा इंडस्ट्रियल, कारपोरेशन, 111/448, हर्ष नगर, कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते है।

[सं० डी.सी.सी.आई एण्ड ई./डी-2/ए.एम 75/एन्फ.एन०बी.एन.आर./ए.यू.कान]

ORDER

S.O. 1468.—The following licences for the import of chemicals etc non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Durga Industrial Corporation, 111/448, Harsh Nagar, Kanpur.

1. P/S/1757967 dated 13-6-1972 for Rs. 5000.

2. P/S/1757968 dated 13-6-1972 for Rs. 5000.

2. Thereafter a show cause Notice No. DCCI&E/D-2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/7 dated 4-12-1974 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 19-12-1974 for hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the postal authorities with their remarks left.

4. The undersigned has carefully considered the matter & has come to the conclusion that the said M/s. Durga Industrial Corporation, 111/448, Harsh Nagar, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licence were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/D-2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1469.—सर्वश्री गंगा इंजीनियरिंग कम्पनी, जस्सीपुर, गाजियाबाद को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बियरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1759494 दिनांक 20-12-72 मूल्य 14818 रुपये

2 पी/एस/1759495 दिनांक 20-12-72 मूल्य 14818 रुपये

3. पी/एस/1759496 दिनांक 20-12-72 मूल्य 14818 रुपये

4. पी/एस/1759497 दिनांक 20-12-72 मूल्य 14818 रुपये

5 पी/एस/1760650 दिनांक 2-2-73 मूल्य 15111 रुपये

6. पी/एस/1760651 दिनांक 2-2-73 मूल्य 15111 रुपये

7. पी/एस/1760652 दिनांक 2-2-73 मूल्य 10210 रुपये

8 पी/एस/1760653 दिनांक 2-2-73 मूल्य 10210 रुपये

2. उस के पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/जी-19/ए एस-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/12641 दिनांक 30-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 14-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "फर्म समाप्त हो गई" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री गंगा इंजीनियरिंग कं०, जस्सीपुरा, गाजियाबाद के कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते है।

[सं० डी.सी.ई.आई एण्ड ई./जी-19/ए/एम-75/एन्फ/एन.बी.एन.आर./ए.यू./कानपुर]

ORDER

S.O. 1469.—The following licences for the Import of Ball Bearings etc. Non banned and non restricted type were issued to M/s. Ganga Engineering Co., Jassipura, Ghaziabad.

1. P/S/1759494 dated 20-12-1972 for Rs. 14818.
2. P/S/1759495 dated 20-12-1972 for Rs. 14818.
3. P/S/1759496 dated 20-12-1972 for Rs. 14818.
4. P/S/1759497 dated 20-12-1972 for Rs. 14818.
5. P/S/1760650 dated 2-2-1973 for Rs. 15111.
6. P/S/170651 dated 2-2-1973 for Rs. 15111.
7. P/S/1760652 dated 2-2-1973 for Rs. 10210.
8. P/S/1760653 dated 2-2-1973 for Rs. 10210.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/G-19/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/12641 dated 30-1-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 14-2-1975 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks firm abolished.

4. The undersigned has carefully considered the matter & has come to the conclusion that the said M/s. Ganga Engineering Co., Jassipura, Ghaziabad, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/G-19/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1470.—सर्वश्री हरिद्वार केमिकल इंडस्ट्रीज, 107, भीमगोड़ा रोड, कालीकुंड हरिद्वार को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के सुगन्धित रसायनों प्राकृतिक सुगन्ध तैलों के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1 पी/एस/1758226 दिनांक 30-6-72 मूल्य 5000 रुपये

2. पी/एस/1758227 दिनांक 30-6-72 मूल्य 5000 रुपये

2 उसके पश्चात एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एण्ड ई/एच-5/ए एम-75/एन्फा/एन बी एन आर /ए यू/कान/17008 दि.क 13-2-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 28-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "पता ठीक नहीं" अभियुक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थिति नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री हरिद्वारा केमिकल इंडस्ट्रीज, 107, भीमगोडा कालीकुंड, हरिद्वार ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी.सी.सी.आई एण्ड ई/एच.-5/ए/एम-75/ए फाएन.बी.एन.आर./ए.यू./कान]

ORDER

S.O. 1470.—The following licences for the Import of Aromatic Chemicals Natural Essential Oil Non banned & non-restricted type were issued to M/s. Haridwar Chemical Industries, 107, Bhimgoda Road, Kalikund, Hardwar.

1. P/S/1758226 dated 30-6-1972 for Rs. 5000.
2. P/S/1758227 dated 30-6-1972 for Rs. 5000.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/H-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/17008 dated 13-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled in the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 28-2-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks without address.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Haridwar Chemical Industries, 107 Bhimgoda Road, Kalikund, Hardwar have avoided a reply to the show cause notice as they have not defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the Powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/H-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1471 -सर्वश्री इंडियन लेदर इंडस्ट्रीज, 117/251, एन ब्लाक, नवीन नगर, काकादेव, कानपुर को गैर निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मो के रसायनो/रजक मध्यस्था के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे —

1 पी/एस/1763874 दिनांक 17-10-73 मूल्य 37500 रुपये

2 पी/एस/1763875 दिनांक 17-10-73 मूल्य 18750 रुपये

3. पी/एस/1763901 दिनांक 17-10-73 मूल्य 18750 रुपये

4 पी/एस/1764071 दिनांक 2-11-73 मूल्य 19750 रुपये

5 पी/एस/1764072 दिनांक 2-11-73 मूल्य 24875 रुपये

6 पी/एस/1764073 दिनांक 2-11-73 मूल्य 24875 रुपये

2 उसके पश्चात एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एच ई/आई-1/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/13 दिनांक 4-12-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनो के भीतर कारण बताए कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यो न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हे उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 19-12-74 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड दिया" अभ्युक्तियो के साथ डाक प्राधिकारियो ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नही हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नही हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुचे है कि उक्त सर्वश्री इंडियन लेदर इंडस्ट्रीज, 117/251-एन-ब्लाक नवीन नगर , काका देव, कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नही दिया है क्योकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे ।

5 पिछली कडिकाओ मे जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान मे रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते है।

[सं० डी० सी० आई एण्ड ई/आई-1/ए० एम-75/एन्फ/एन० बी०एन० आर/एयु/कान]

ORDER

S.O. 1471.—The following licences for the Import of Chemicals/Dyes Intermediates N.B.N.R. were issued to M/s. Indian Leather Industries, 117/251, N-Block, Naveen Nagar, Kaka Dev, Kanpur.

1. P/S/1763874 dated 17-10-1973 for Rs. 37500.

2. P/S/1763875 dated 17-10-73 for Rs. 18750.

3. P/S/1763901 dated 17-10-73 for Rs. 18750.

4. P/S/1764071 dated 2-11-1973 for Rs. 49750.

5. P/S/1764072 dated 2-11-1973 for Rs. 24875.

6. P/S/1764073 dated 2-11-1973 for Rs. 24875

Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/1-1/AM-75-ENF/NBNR/AU/KAN/13 dated 4-12-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 19-12-1974 for personal hearing of their matter.

The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks left.

The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Indian Leather Industries, Kaka Dev, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have not defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered in effective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/1-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1472—सर्वश्री इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल कं०, नौबस्ता, हमीरपुर रोड, कानपुर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मो के रसायनो के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1 पी/एम/2659941 दिनांक 14-9-73 मूल्य 906091 रुपये

2. पी/एम/2659939 दिनांक 14-9-73 मूल्य 26392 रुपये

3 पी/एम/2659887 दिनांक 23-8-73 मूल्य 54659 रुपये

4 पी/एम/2659884 दिनांक 23-8-73 मूल्य 36821 रुपये

5 पी/एम/2659940 दिनांक 14-9-73 मूल्य 53460 रुपये

6 पी/एम/2659874 दिनांक 16-8-73 मूल्य 24873 रुपये

7 पी/एम/2659885 दिनांक 23-8-73 मूल्य 5479 रुपये

8 पी/एम/2660034 दिनांक 24-9-73 मूल्य 125420 रुपये

9 पी/एम/2659898 दिनांक 24-8-73 मूल्य 54129 रुपये

10 पी/एम/2659883 दिनांक 23-8-73 मूल्य 5206 रुपये

11 पी/एम/2659886 दिनांक 23-8-73 मूल्य 52398 रुपये

12 पी/एम/2633679 दिनांक 24-10-73 मूल्य 18531 रुपये

13. पी/एम/2633649 दिनांक 11-10-73 मूल्य 7758 रुपये

14. पी/एम/2659911 दिनांक 31-8-73 मूल्य 28686 रुपये

15. पी/एम/2659893 दिनांक 24-8-73 मूल्य 16926 रुपये

16 पी/एम/2659942 दिनांक 14-9-73 मूल्य 15898 रुपये

17. पी/एम/2633681 दिनांक 24-10-73 मूल्य 16130 रुपये

2. उसके पश्चात एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी० सी० सी० आई एंड ई/ आई- I-21/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/आर ई पी/कान/ 2511 दिनांक 30-12-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 14-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "तालाबन्द लौटाया जाता है" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल कं०, नौबस्ता हमीरपुर रोड कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते है।

[सं० डी सी सी आई एण्ड ई/आई 4—21/ए एम-75/एन्फ/एन बी एनआर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 1472.—The following licences for the import of Chemicals non-banned non-restricted were issued to M/s. The International Industrial Co., Naubasta Hamirpur Road, Kanpur.

1. P/M/2659941 dated 14-9-1973 for Rs. 90691.
2. P/M/2659939 dated 14-9-1973 for Rs. 26392.
3. P/M/2659887 dated 23-8-1973 for Rs. 54659.
4. P/M/2659884 dated 23-8-1973 for Rs. 35821.
5. P/M/2659940 dated 14-9-1973 for Rs. 53460.
6. P/M/2659874 dated 16-8-1973 for Rs. 24873.
7. P/M/2659885 dated 23-8-1973 for Rs. 5479.
8. P/M/2660034 dated 24-9-1973 for Rs. 125420.
9. P/M/2659898 dated 24-8-1973 for Rs 54129.
10. P/M/2659883 dated 23-8-1973 for Rs 5206.
11. P/M/2659886 dated 23-8-1973 for Rs. 52398.
12. P/M/2633679 dated 24-10-1973 for Rs. 18534.
13. P/M/2633649 dated 11-10-1973 for Rs. 7758.
14. P/M/2659911 dated 31-8-1973 for Rs. 28686.
15. P/M/2659893 dated 24-8-1973 for Rs. 16926.
16. P/M/2659942 dated 14-9-1973 for Rs. 15898.
17. P/M/2633681 dated 24-10-1973 for Rs. 16130.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/I-4 to 21/AM-75/Enf/NBNR/REP/KAN/2514 dated 30-12-1974 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 14-1-1975 for personal hearing of their matter.

(3) The above said show cause notice has been returned undelivered by the postal authorities with their remarks "Locked-Returned".

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. The International Industrial Co., Naubasta Hamirpur road, Kanpur.

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above licences.

[No. DCCI&E/I-4 to 21/AM-75/ENF/NBNR/REP/KAN]

का० आ० 1473.—सर्वश्री जवाहर एग्रीकल्चरल इंडस्ट्रीज, गौशाला रोड, गाजियाबाद को गैर-निषेध गैर प्रतिबन्धित किस्मों के बाल बियरिंग्स के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एम/1760593 दिनांक 24-1-73 मूल्य 7130/-रुपये
2. पी/एम/ 1760594 दिनांक 24-1-73 मूल्य 7130/- रुपये
3. पी/एम/1760595 दिनांक 24-1-73 मूल्य 10180/- रुपये
4. पी/एम/1760596 दिनांक 24-1-73 मूल्य 10180/- रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/जे-7/ए एम-75/एन्फ/इन बी एन आर/एयू/कान/17015 दिनांक 13-2-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 28-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "फर्म समाप्त हो गई लौटाया जाता है" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री जवाहर एग्रीकल्चरल इंडस्ट्रीज गौशाला रोड, गाजियाबाद ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किए जाते है।

[सं० डी० सी० सी० आई० एंड ई०/जे० 7/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० एम० आर०/एयू०/कान०]

ORDER

S.O. 1473.—The following licences for the import of Ball Bearings non banned & non restricted were issued to M/s. Jawahar Agricultural industries, Gaushala road, Ghaziabad.

1. P/S/1760593 dated 24-1-73 for Rs. 7430
2. P/S/1760594 dated 24-1-73 for Rs. 7430
3. P/S/1760595 dated 24-1-73 for Rs. 10180.
4. P/S/1760596 dated 24-1-73 for Rs. 10180.

Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/J-7 AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1705 dated 13-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 28-275 for personal hearing of their matter.

The above said cause notice has been returned undelivered by the postal authorities with their remarks firm abolished returned.

The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Jawahar Agricultural Industries, Gaushala Road Ghaziabad have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered in effective. Therefore the undersigned in execise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the imports (Control) order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the adove said licences.

[No. DCCI&E/J-7/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1471—सर्वश्री जोली इंजीनियरिंग वर्क्स, जी० टी० रोड, बोंझा, गाजियाबाद का गैर-निषेध गर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बियरिंग्स आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :--

1 पी/एस/1760779 दिनांक 15-3-73 मूल्य 5000/- रुपये
2 पी/एस/1760780 दिनांक 15-3-73 मूल्य 5000/- रुपये
3 पी/एस/ 1760781 दिनांक 15-3-73 मूल्य 2500/- रुपये
4. पी/एस 1760782 दिनांक 15-3-73 मूल्य 5000/- रुपये
5. पी/एस/ 1760783 दिनांक 15-3-73 मूल्य 2500/- रुपये
6 पी/एस/ 1760784 दिनांक 15-3-73 मूल्य 11250/- रुपये
7. पी/एस/1760785 दिनांक 15-3-73 मूल्य 11250/- रुपये
8. पी/एस/1760786 दिनांक 15-3-73 मूल्य 17200/- रुपये
9 पी/एस/ 1760787 दिनांक 15-3-73 मूल्य 17200/- रुपये
10 पी/एस/1761843 दिनांक 30-3-73 मूल्य 17200/- रुपये
11 पी/एस 1761844 दिनांक 30-3-73 मूल्य 17200/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस स० डी० सी० सी० आई० एंड० ई/जे० 10/ए० एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/11233 दिनांक 27-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 10-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "आवेदक मर गया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री जोली इंजी० वर्क्स, जी० टी० रोड, बोंझा, गाजियाबाद ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान मे रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित, आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/जे० -10/ए० एम०-75/एंफ/एन० बी० एन० आर०/एयू/कान]

ORDER

S.O. 1474.—The following licences for the Import of Ball Bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s Jolee Engineering Works, G. T. Road, Bonjha, Ghaziabad.

1. P/S/1760779 dated 15-3-73 for Rs. 5000
2. P/S/1760780 dated 15-3-73 for Rs. 5000.
3. P/S/1760781 dated 15-3-73 for Rs. 2500.
4. P/S/1760782 dated 15-3-73 for Rs. 5000.
5. P/S/1760783 dated 15-3-73 for Rs. 2500.
6. P/S/170784 dated 15-3-73 for Rs. 11250.
7. P/S/1760785 dated 15-3-73 for Rs. 11250.
8. P/S/1760786 dated 15-3-73 for Rs. 17200.
9. P/S/1760787 dated 15-3-1973 for Rs. 17200.
10. P/S/1761843 dated 30-3-73 for Rs. 17200.
11. P/S/1761844 dated 30-3-73 for Rs. 17200.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/J-10/AM-75/AM--75/ENF/NBNR/AU/KAN/11233 dated 27-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

3 The above said show cause notice has been returned undelivered by the post authorities with their remarks applicant died.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Jolee Engineering Work, G.T. Road, Bonjha, Ghaziabad have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the import (Control) order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/J-10/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1474.—सर्वश्री जय भारत इंडस्ट्रीज, बिजरोल रोड, बड़ौत मेरठ को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बियरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :--

1 पी/एम/1762103 दिनांक 30-3-73 मूल्य 5000 रुपये

2. पी/एस/1762104 दिनांक 30-3-73 मूल्य 2496 रुपये

3. पी/एम/1762105 दिनांक 30-3-73 मूल्य 5000 रुपये

4 पी/एस/1762106 दिनांक 30-3-73 मूल्य 2496 रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/जे-11/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/11234 दिनांक 27-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 12-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "इंकार कर दिया और लौटाया जाता है" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री जय भारत इंडस्ट्रीज, बिजरोल रोड, बड़ौत मेरठ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी० सी० सी० आई एण्ड ई०/जे० 11/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/एयू/कान]

ORDER

S.O. 1475.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Jai Bharat Industries, Bijrol Road, Baraut, Meerut.

1. P/S/1762103 dated 30-3-73 for Rs. 5000.

2. P/S/1762104 dated 30-4-73 for Rs. 2496.

3. P/S/1762105 dated 30-3-73 for Rs. 5000.

4. P/S/1762106 dated 30-3-73 for Rs. 2496.

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/J-11/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/11234 dated 27-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 12-2-75 for personal hearing of their matter.

3 The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal authorities with their remarks "refused and returned".

4 The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Jai Bharat industries Bijrol Road, Baraut, Meerut, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the import (Control) order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/J-11/AM-75/FNF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1476.—सर्वश्री लुधियाना इंडस्ट्रीज, सराय नाजर अली, जी टी रोड, गाजियाबाद को गैर-निषेध गैर प्रतिबन्धित किस्मों के बॉल बियरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :--

1. पी/एस/1760265 दिनांक 5-1-73 मूल्य 7500 रुपये

2. पी/एम/1760266 दिनांक 5-1-73 मूल्य 7500 रुपये

3. पी/एम/1762134 दिनांक 31-3-73 मूल्य 10000 रुपये

4. पी/एम/1762135 दिनांक 31-3-73 मूल्य 10000 रुपये

2. उसके पश्चात एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/एल-1/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/11235 दिनांक 7-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 10-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "लेने से इंकार कर दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री लुधियाना इंडस्ट्रीज, सराय नाजर अली जी० टी० रोड, गाजियाबाद ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए

जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/एम-1/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी०एन० आर० एयू/कान]

ORDER

S.O. 1476.—The following licences for the import of Ball Bearings etc., non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Ludhiana Industries, Sarai Nazar Ali, G. T. Road, Ghaziabad.

1. P/S/1760265 dated 5-1-73 for Rs. 7500/-
2. P/S/1760266 dated 5-1-73 for Rs. 7500/-
3. P/S/1762134 dated 31-3-73 for Rs. 10000/-
4. P/S/1762135 dated 31-3-73 for Rs. 10000/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/L-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/11235 dated 7-1-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks "Refused to Take".

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Ludhiana Industries, Sarai Nazar Ali, G. T. Road, Ghaziabad. have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/L-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1477.—सर्वश्री मयूर केमिकल्स, 111/457, ब्रह्मानगर, कानपुर को गैर-निषेध, गैर-प्रतिबंधित किस्मों के रसायनों के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे:—

1. पी/एस/1764076 दिनांक 2-4-73 मूल्य 36500 रुपये
2. पी/एस/1764077 दिनांक 2-4-73 मूल्य 18250 रुपये
3. पी/एस/1764078 दिनांक 2-4-73 मूल्य 18250 रुपये
4. पी/एस/1764213 दिनांक 15-11-73 मूल्य 37050 रुपये
5. पी/एस/1764214 दिनांक 15-11-73 मूल्य 18500 रुपये
6. पी/एस/1764215 दिनांक 15-11-73 मूल्य 18500 रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/एम-4/ए एम-75/एन्फ/एस बी एन आर/ए यू/कान/3863 दिनांक 3-1-73 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 18-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री मयूर केमिकल्स, 111/457, ब्रह्मानगर कानपुर, ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कण्डिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विचाराधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी० सी० सी० आई एण्ड ई०/एम-4/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 1477.—The following licences for the import of Chemicals Non-Banned & Non-Restricted were issued to M/s. Mayur Chemicals, 111/457, Brahma Nagar, Kanpur.

1. P/S/1764076 dated 2-4-73 for Rs. 36500/-.
2. P/S/1764077 dated 2-4-73 for Rs. 18250/-
3. P/S/1764078 dated 2-4-73 for Rs. 18250/-
4. P/S/1764213 dated 15-11-73 for Rs. 37000/-
5. P/S/1764214 dated 15-11-73 for Rs. 18500/-
6. P/S/1764215 dated 15-11-73 for Rs. 18500/-

Thereafter a Show Cause Notice No DCCI&E/M-4/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN/3863 dated 3-1-73 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks "left".

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Mayur Chemicals, 111/457, Brahma Nagar, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/M-4/AM 75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1478.—सर्वश्री मोहन केमिकल्स, 119/272, दर्शनपुरवा कानपुर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के रसायनों के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1 पी/एस/1762248 दिनांक 19-4-73 मूल्य 23000/- रुपये

2. पी/एस/1762249 दिनांक 19-4-73 मूल्य 11500/- रुपये

3. पी/एस/1762250 दिनांक 19-1-73 मूल्य 11500/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी आई एंड ई/एम-5/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/3864 दिनांक 3-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 18-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री मोहन केमिकल्स, 119/272, दर्शनपुरवा कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी० सी० आई० एण्ड ई०/एम०-5/एम० ए०-75/एन्फ/
एन०बी० एन० आर० एयू/कान]

ORDER

S.O. 1478.—The following licences for the import of Chemicals Non Banned & Non Restricted were issued to M/s. Mohan Chemicals, 119/272, Darshanpurwa, Kanpur.

1. P/S/1762248 dated 19-4-73 for Rs. 23000/-

2. P/S/1762249 dated 19-4-73 fi Rs. 11500.

3. P/S/1762250 dated 19-4-73 foi Rs 11500/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/M-5/AM-75/Enf/NBNR/AU/Kan/3864 dated 3-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Post Authorities with their remarks left.

4 The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Mohan Chemicals, 119/272, Darshanpurwa, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/M-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1479.—सर्वश्री मणीनको क्राफ्ट एन्टरप्राइजिज, 15 बी हमीरपुर रोड, जुही, कानपुर का गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बाल बियरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1 पी/एस/1758960 दिनांक 8-9-72 मूल्य 5000/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी आई एंड ई/एम-8/ए एम-75/एन्फ/एन बी आर/ए यू/कान/11238 दिनांक 27-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 10-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "ज्ञात नहीं" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री मणीनको क्राफ्ट एन्टरप्राइजिज, 15 बी, हमीरपुर रोड, जुही, कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द किए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी० सी० आई एण्ड ई०/एम०-8/ए० एम०-75/एन्फ/एन०
बी० एन० आर०/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 1479.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. Non Banned & Non Restricted type were issued to M/s. Machineco Craft Enterprises, 15, B Hamirpur Road, Juhi, Kanpur.

1. P/S/1758960 dated 8-9-72 for Rs. 5000/-.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/M-8/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN/11238 dated 27-1-75 was issued to

them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Post Authorities with their remarks not known.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Machineco Craft Enterprises, 15-B, Hamirpur Road, Juhi, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/M-8/AM175/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1480.—सर्वश्री नौचन्दी इंजीनियरिंग वर्क्स हापुड़, रोड, मेरठ को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बाल बियरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1758045 दिनांक 6-6-72 मूल्य 5000/- रूपये
2. पी/एस/1758046 दिनांक 6-6-72 मूल्य 5000/- रुपये
3. पी/एस/1759934 दिनांक 5-12-72 मूल्य 5000/- रुपये
4. पी/एस/1759935 दिनांक 5-12-72 मूल्य 5000/- रुपये
5. पी/एस/1759936 दिनांक 5-12-72 मूल्य 5000/- रुपये
6. पी/एस/1759937 दिनांक 5-12-72 मूल्य 5000/- रुपये
7. पी/एस/1760281 दिनांक 5-1-72 मूल्य 17500/- रुपये
8. पी/एस/1760282 दिनांक 5-1-73 मूल्य 17500/- रुपये
9. पी/एस/1760283 दिनांक 5-1-73 मूल्य 19912/- रुपये
10. पी/एस/1760284 दिनांक 5-1-73 मूल्य 19912/- रुपये
11. पी/एस/1761088 दिनांक 2-3-73 मूल्य 24912/- रुपये
12. पी/एस/1761089 दिनांक 2-3-73 मूल्य 24912/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/एन-5/ए एम-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान/7742 दिनांक 20-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-2-75 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी उपस्थित नहीं हुआ है।

अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री नौचन्दी इंजीनियरिंग वर्क्स, हापुड़ रोड़, मेरठ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ हो गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिएं या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई/एन-5/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O.1480.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. Non Banned & Non Restricted type were issued to M/s. Nauchandi Engineering Works, Hapur Road, Meerut.

1. P/S/1758045 dated 6-6-72 for Rs. 5000/-
2. P/S/1758046 dated 6-6-72 for Rs. 5000/-
3. P/S/1759934 dated 5-12-72 for Rs. 5000/-
4. P/S/1759935 dated 5-12-72 for Rs. 5000/-
5. P/S/1759936 dated 5-12-72 for Rs. 5000/-
6. P/S/1759937 dated 5-12-72 for Rs. 5000/-
7. P/S/1760281 dated 5-1-73 for Rs. 17500/-
8. P/S/1760282 dated 5-1-73 for Rs. 17500/-
9. P/S/1760283 dated 5-1-73 for Rs. 19912/-
10. P/S/1760284 dated 5-1-73 for Rs. 19912/-
11. P/S/1761088 dated 2-3-73 for Rs. 24912/-
12. P/S/1761089 dated 2-3-73 for Rs. 24912/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No DCCI&E/N-5/AM-75/Enf/NBNR/AU/Kan/7742 dated 20-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Post Authorities with their remarks left.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s Nauchandi Engineering Works, Hapur Road, Meerut have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/N-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1481 —सर्वश्री ओरियन्टल एन्टरप्राइजिज, 89/195, इकबाल लाइब्रेरी के पास चमनगंज, कानपुर को गैर-निषेध गैर-प्रतिबन्धित किस्मों के रसायनों के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे –

1. पी/एस/1763908 दिनांक 17-10-73 मूल्य 47500/- रुपये
2. पी/एस/1763909 दिनांक 17-10-73 मूल्य 23750/- रुपये
3. पी/एस/1763910 दिनांक 17-10-73 मूल्य 23750/- रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एण्ड ई/ओ-1/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान 1771 दिनांक 20-12-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे । उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-1-75 का दिन भी दिया गया था ।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "बंद" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है ।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है ।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भलीभांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री ओरियन्टल एन्टरप्राइजिज, 89/195, इकबाल लाइब्रेरी के पास, चमनगंज, कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे ।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिएं या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं । इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते है ।

[सं० डी० सी० आई० एण्ड ई०/ओ०-1/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/ए० यू०/कान]

ORDER

S.O. 1481.—The following licences for the import of Chemicals Non Banned and Non Restricted Type were issued to M/s. Oriental Enterprises, 89/195, Near Iqbal Library, Chamanganj, Kanpur.

1. P/S/1763908 dated 17-10-73 for Rs. 47500/-
2. P/S/1763909 dated 17-10-73 for Rs. 23750/-
3. P/S/1763910 dated 17-10-73 for Rs. 23750/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/O-1/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN/1771 dated 20-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks "closed".

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Oriental Enterprises, 89/195, Near Iqbal Library, Chamanganj, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/O-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1482 —सर्वश्री प्रिन्स केमिकल एंड मेटल इंडस्ट्रीज, 87/6, हीरागंज, कानपुर को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित किस्मों के रसायनों के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1763410 दिनांक 20-8-73 मूल्य 37500/- रुपये
2. पी/एस/1763411 दिनांक 20-8-73 मूल्य 18750/- रुपये
3. पी/एस/1763412 दिनांक 20-8-73 मूल्य 18750/- रुपये
4. पी/एस/1763413 दिनांक 20-8-73 मूल्य 43400/- रुपये
5. पी/एस/1763414 दिनांक 20-8-73 मूल्य 21700/- रुपये
6. पी/एस/1763415 दिनांक 20-8-73 मूल्य 21700/- रुपये
7. पी/एस/1563582 दिनांक 7-9-73 मूल्य 17000/- रुपये
8. पी/एस/1563583 दिनांक 7-9-73 मूल्य 18500/- रुपये
9. पी/एस/1563584 दिनांक 7-9-73 मूल्य 18500/- रुपये
10. पी/एस/1563585 दिनांक 7-9-73 मूल्य 11825/- रुपये
11. पी/एस/1563586 दिनांक 7-9-73 मूल्य 20912/- रुपये
12. पी/एस/1563587 दिनांक 7-9-73 मूल्य 20912/- रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एण्ड ई/पी-3/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/1775 दिनांक 20-12-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे । उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-1-75 का दिन भी दिया गया था ।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "छोड़ दिया/पता नहीं" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है ।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री प्रिन्स केमिकल एंड मेटल इंडस्ट्रीज, 87/6, हीरागंज, कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे ।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए । इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किये जाते है ।

[सं०डी०सी०आई० एण्ड ई०/पी०-3/ए०एम-75/एन्फ/एन०बी०एन० आर०/ए य/कान]

ORDER

S.O. 1482.—The following licences for the import of Chemicals Non Banned & Non Restricted type were issued to M/s. Prince Chemical and Metal Industries, 87/6, Hiraganj, Kanpur :

1. P/S/1763410 dt. 20-8-73 for Rs. 37500/-
2. P/S/1763411 dt. 20-8-73 for Rs. 18750/-
3. P/S/1763412 dt. 20-8-73 for Rs. 18750/-
4. P/S/1763413 dt. 20-8-73 for Rs. 43400/-
5. P/S/1763414 dt. 20-8-73 for Rs. 21700/-
6. P/S/1763415 dt. 20-8-73 for Rs 21700/-
7. P/S/1563582 dt. 7-9-73 for Rs. 37000/-
8. P/S/1563583 dt. 7-9-73 for Rs. 18500/-
9. P/S/1563584 dt. 7-9-73 for Rs. 18500/-
10. P/S/1563585 dt. 7-9-73 for Rs. 41825/-
11. P/S/1563586 dt. 7-9-73 for Rs. 20912/-
12. P/S/1563587 dt. 7-9-73 for Rs. 20912/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No DCCI&F/P-3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1775 dated 20-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks Left. No trace.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Prince Chemical & Metal Industries, 87/6, Hiraganj. Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the preceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1483 — मर्वश्री प्रीमियर केमिकल्स इंडस्ट्रीज, 87/6, हीरागंज, कानपुर को गैर-निषिद्ध गैर-प्रतिबंधित किस्मों के रसायनों के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1 पी/एस/1763729 दिनांक 25-9-73 मूल्य 37500/- रुपये
2. पी/एस/1763730 दिनांक 25-9-73 मूल्य 18750/-रुपये
3. पी/एस/1763731 दिनांक 25-9-73 मूल्य 18750/-रुपये
4 पी/एस/1763732 दिनांक 25-9-73 मूल्य 37500/- रुपये
5. पी/एस/1763733 दिनांक 25-9-73 मूल्य 18750/- रुपये
6 पी/एस/1763734 दिनांक 25-9-73 मूल्य 18750/- रुपये
7. पी/एस/1763735 दिनांक 25-9-73 मूल्य 46100/- रुपये
8. पी/एस/1763736 दिनांक 25-9-73 मूल्य 23200/- रुपये
9 पी/एस/1763737 दिनांक 25-9-73 मूल्य 23200/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/पी-5/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/3872 दिनांक 6-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 21-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे हैं कि उक्त मर्वश्री प्रीमियर केमिकल्स इंडस्ट्रीज, 87/6, हीरागंज कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं।

[सं० डी०सी०सी०आई० एंड ई०/पी०-5/ए० एम० 75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/एयू०/कान]

ORDER

S.O. 1483.—The following licences for the import of Chemicals Non Banned & Non Restricted type were issued to M/s. Premier Chemical Industries, 87/6. Hiraganj, Kanpur :—

1. P/S/1763729 dated 25-9-73 for Rs 37500/-
2. P/S/1763730 dated 25-9-73 for Rs. 18750/-
3. P/S/1763731 dated 25-9-73 for Rs. 18750/-
4. P/S/1763732 dated 25-9-73 for Rs. 37500/-
5. P/S/1763733 dated 25-9-73 for Rs. 18750/-
6. P/S/1763734 dated 25-9-73 for Rs. 18750/-
7. P/S/1763735 dated 25-9-73 for Rs. 46400/-
8. P/S/1763736 dated 25-9-73 for Rs. 23200/-
9. P/S/1763737 dated 25-9-73 for Rs 23200/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/3872 dated 6-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 21-175 for personal hearing of their matter.

3 The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks Left.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s Premier Chemical Industries, 87/6, Hiraganj. Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5 Having regard to what has been said in the preceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/P-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1484.—सर्वश्री प्रदीप परफ्युमरी एंड केमिकल वर्क्स 1211/9, महाबीर गंज, अलीगढ को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित किस्मों के "सुगन्धित रसायनों/प्राकृतिक सुगन्ध तैल" के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे —

1. पी/एस/1758519 दिनांक 4-8-72 मूल्य 5000/- रुपये
2. पी/एस/1758520 दिनांक 4-8-72 मूल्य 5000/- रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई /पी-13/ए एम-75/एन्फ/एस बी एन आर/ए यू/कान/19809-ए दिनांक 20-2-75 उनको यह पूछते हुए जारी किए गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे । उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 7-3-75 का दिन भी दिया गया था ।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "बिना पते के ही स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है ।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है ।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री प्रदीप परफ्यूमरी एंड केमिकल वर्क्स 1211/9, महाबीर गंज, अलीगढ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे ।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिएं या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए । इसलिए, यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद्द्वारा रद्द किए जाते हैं ।

[सं० डी० सी० आई० एंड० ई०/पी०-13/ए० एम० 75/-एन्फ०/एन० बी० एन० आ० एय्०/कान]

ORDER

S.O. 1484.—The following licences for the import of Aromatic Chemicals/Natural Essential Oil non-banned & non-restricted type were issued to M/s. Pradeep Perfumery and Chemical Works, 1211/9, Mahabir Ganj, Aligarh :—

1. P/S/1758519 dated 4-8-72 for Rs. 5000/-
2. P/S/1758520 dated 4-8-72 for Rs. 5000/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P-13/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN/19809-A daed 20-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 7-3-75 for personal hearing of their matter

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks Left Without Address.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Pradeep Perfumery & Chemical Works, 1211/9, Mahabir Ganj, Aligarh have avoded a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-13/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1485.—सर्वश्री क्वालिटी एन्टरप्राइजिज, 125/75, एल ब्लाक, गोविन्द नगर, कानपुर को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित किस्मों के रसायन और बॉल बियरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1763760 दिनांक 26-9-73 मूल्य 19350 रुपये
2. पी/एस/1763761 दिनांक 26-9-73 मूल्य 24675 रुपये
3. पी/एस/1763762 दिनांक 26-9-73 मूल्य 24675 रुपये
4. पी/एस/1763763 दिनांक 26-9-73 मूल्य 49250 रुपय
5. पी/एस/1763764 दिनांक 26-9-73 मूल्य 24625 रुपये
6. पी/एस/1763765 दिनांक 26-9-73 मूल्य 24625 रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/क्यू-1/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/3873 दिनांक 6-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 21-1-75 का दिन भी दिया गया था ।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है ।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है ।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त सर्वश्री क्वालिटी एन्टरप्राइजिज, 125/75, एल ब्लाक ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे ।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिएं या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिएं । इसलिए, यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किए जाते है ।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/क्यू०-1/ए० एम०-75/एन्फ०/एन०/बी० एन०आर०/एयू०/कान]

ORDER

S.O. 1485.—The following licences for the import of Ball bearings etc. Non-Banned and Non-Restricted type were issued to M/s. Quality Enterprises, 125/75, 'L' Block, Govind Nagar, Kanpur :—

1 P/S/1763760 dated 26-9-73 for Rs. 49350/-
2. P/S/1763761 dated 26-9-73 for Rs. 24675/-
3. P/S/1763762 dated 26-9-73 for Rs. 24675/-
4. P/S/1763763 dated 26-9-73 for Rs. 49250/-
5 P/S/1763764 dated 26-9-73 for Rs. 24625/-
6. P/S/1763765 dated 26-9-73 for Rs. 24625/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/Q-1/AM-75/Enf/NBNR/AU/Kan/3873 dated 6-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 21-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks Left.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Quality Enterprises, 125/75, 'L' Block, Govind Nagar, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/Q-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1486-सर्वश्री एस० ए० इंजीनियरिंग वर्क्स, रमते राम रोड, अपोजिट सुभाष मार्किट, गाजियाबाद को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित किस्मों के बाल बियरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1759031 दिनांक 15-9-72 मूल्य 5000 रुपये
2 पी/एस/1759032 दिनांक 15-9-72 मूल्य 5000 रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/ए-58/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/19795 दिनांक 17-2-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-3-75 का दिन भी दिया गया था।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "बिना पते स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री एस ए इंजीनियरिंग वर्क्स, रमते राम रोड़ अपोजिट सुभाष मार्किट, गाजियाबाद ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5 पिछली कठिनाइयों में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिएं या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए। इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किए जाते है।

[स०डी०सी०आई०एण्ड०ई/एस०-58/ए०एम 75/एन्फ/एम०बी०एन० आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 1486.—The following licences for the import of Bal Bearings etc. Non-Banned and Non-Restricted type were issued to M/s. S. A. Engineering Works, Ramtey Ram Road Opposite Subhash Market, Ghaziabad.

1. P/S/1759031 dated 15-9-72 for Rs. 5000/-
2. P/S/1759032 dated 15-9-72 for Rs. 5000/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-58/AM-75/Enf/NBNR/AU/Kan/19795 dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks left without address.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. S. A. Engg. Works, Ramtey Ram Road Opp Subhash Market, Ghaziabad have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-58/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1487-सर्वश्री स्टेनको मैकेनिकल वर्क्स (रजि०), मंडी श्याम नगर बनकौर रेलवे स्टेशन के पास, बनकौर, बुलन्दशहर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बॉल बियरिंग के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे:—

1. पी/एस/1759944 दिनांक 5-12-72 मूल्य 18500 रुपये
2. पी/एस/1759945 दिनांक 5-12-72 मूल्य 18500 रुपये
3. पी/एस/1761272 दिनांक 13-3-73 मूल्य 21650 रुपये
4. पी/एस/1761273 दिनांक 13-3-73 मूल्य 21650 रुपये
5. पी/एस/1758234 दिनांक 7-7-72 मूल्य 8437 रुपये
6. पी/एस/1758235 दिनांक 7-7-72 मूल्य 8437 रुपये
7 पी/एस/1758236 दिनांक 7-7-72 मूल्य 15937 रुपये
8 पी/एस/1758237 दिनांक 7-7-72 मूल्य 15937 रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/बी 86 तथा 62/ए एम-75/एन्फ एन बी एन आर/ एयू/कान/ 19797 दिनांक 20-2-75 तथा 17-2-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे । उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 7-3-75 और 4-3-75 का दिन भी दिया गया था ।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "फर्म समाप्त हो गई और लौटाया जाता है" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है ।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त मर्वश्री स्टेनको मैकेनिकल वर्क्स (रजि०) मंडी श्याम नगर, दनकौर रेलवे स्टेशन के पास, दनकौर, बुलन्दशहर, ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे ।

5. पिछली कंडिकाओं मे जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान मे रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए । इसलिए, यथा संशोधित आयात नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किए जाते है ।

[स० डी० सी० आई० एण्ड ई०/एस०-86 एस०-62/ए० एम०-75/ एन्फ/एन० बी० एन० आर/एयू०/कान]

ORDER

S.O. 1487.—The following licences for the import of Ball Bearings Non Banned and Non Restricted type were issued to M/s. Stenco Mechanical Works (Regd.), Mandi Shyam Nagar, Near Dankaur Rly. Station, Dankaur, Bulandshahr :—

1. P/S/1759944 dated 5-12-72 for Rs. 18500/-
2. P/S/1759945 dated 5-12-72 for Rs. 18500/-
3. P/S/1761272 dated 13-3-73 for Rs. 21650/-
4. P/S/1761273 dated 13-3-73 for Rs. 21650/-
5. P/S/1758234 dated 7-7-72 for Rs. 8437/-
6. P/S/1758235 dated 7-7-72 for Rs. 8437/-
7. P/S/1758236 dated 7-7-72 for Rs. 15937/-
8. P/S/1758237 dated 7-7-72 for Rs. 15937/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/B-86 & 62/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/19797/19817 dated 20-2-75 & 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 7-3-75 & for 4-3-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Post Authorities with their remarks Firm abolished & returned.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Stenco Mechanical Works (Regd.), Mandi Shyam Nagar, Dankaur, Bulandshahr have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-86/S-62/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1488:—मर्वश्री उमेश एन्टरप्राइजिज, जजमऊ, कानपुर को गैरनिषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस जारी किए गए थे :—

1. पी/एस/1761884 दिनांक 31-3-73 मूल्य 14625 रुपये
2. पी/एस/1761885 दिनांक 31-3-73 मूल्य 14625 रुपये
3. पी/स/1762377 दिनांक 31-3-73 मूल्य 15000 रुपये
4. पी/एस/1762378 दिनांक 31-3-73 मूल्य 15000 रुपये।

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/यू-1/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/1772 दिनांक 20-12-74 उनको यह पूछते हुय जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिएं कि वे भूल से जारी किए गए थे । उन्हें उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 4-1-75 का दिन भी दिया गया था ।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस 'पता नहीं' अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है ।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिए निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिए निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है ।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर हम पहुंचे है कि उक्त मर्वश्री उमेश एन्टरप्राइजिज, जजमऊ, कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिए नहीं दिया है क्योंकि उनके पास कोई तर्क बचाव के लिए नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे ।

5. पिछली कडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान मे रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाने चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिए जाने चाहिए, इसलिए, यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किए जाते हैं ।

[स० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/यू०-1/ए० एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/एयू० कान]

ORDER

S.O. 1488.—The following licences for the import of Chemicals Non Banned & Non Restricted were issued to M/s. Umesh Enterprises, Jajmau, Kanpur :—

1. P/S/1761884 dated 31-3-73 for Rs. 14625/-.

2. P/S 1761885 dated 31-3-73 for Rs. 14625/-
3. P/S 1762377 dated 31-3-73 for Rs. 15000/-
4. P/S/1762378 dated 31-3-73 for Rs. 15000/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/U-1/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN/1772 dated 20-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks not known. No trace.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Umesh Enterprises, Jajmau, Kanpur, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1953 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/U-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1489.—सर्वश्री यूनि एक्पो, 194/17, दिल्ली रोड, मेरठ को गैर निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मो के रसायनों के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :—

1. पी/एस/1760091 दिनांक 15-12-72 मूल्य 5000 रुपये
2. पी/एस/1760092 दिनांक 15-12-72 मूल्य 5000 रुपये
3. पी/एस/1760093 दिनांक 15-12-72 मूल्य 10000 रुपये
4. पी/एस/1760094 दिनांक 15-12-72 मूल्य 10000 रुपये
5. पी/एस/1760095 दिनांक 15-12-72 मूल्य 10000 रुपये
6. पी/एस/1760096 दिनांक 15-12-72 मूल्य 10000 रुपये
7. पी/एस/1761126 दिनांक 9-3-73 मूल्य 35000 रुपये
8. पी/एस/1761127 दिनांक 9-3-73 मूल्य 17500 रुपये
9. पी/एस/1761128 दिनांक 9-3-73 मूल्य 17500 रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एंड ई/यू-2/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर एयू/कान/1773 दिनांक 20-12-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनो के भीतर कारण बताए कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिये कि वे भूल से जारी किये गये थे। उन्हे उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 4-1-75 का दिन भी दिया गया था।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नही हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है। व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नही हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे है कि उक्त सर्वश्री यूनि एक्सपो, 194/17, दिल्ली रोड, मेरठ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नहीं दिया है क्योकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि उपर्युक्त लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहिये। इसलिये, यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उपधारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किये जाते है।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/यू-2/ए० एम० 75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/एयू०/कान]

ORDER

S.O. 1489.—The following licences for the import of Chemicals Non Banned & Non Restricted were issued to M/s. Uni Export, 194/17, Delhi Road, Meerut :—

1. P/S/1760091 dated 15-12-72 for Rs. 5000/-
2. P/S/1760092 dated 15-12-72 for Rs. 5000/-
3. P/S/1760093 dated 15-12-72 for Rs. 10000/-
4. P/S/1760094 dated 15-12-72 for Rs. 10000/-
5. P/S/1760095 dated 15-12-72 for Rs. 10000/-
6. P/S/1760096 dated 15-12-72 for Rs. 10000/-
7. P/S/1761126 dated 9-3-73 for Rs. 35000/-
8. P/S/1761127 dated 9-3-73 for Rs. 17500/-
9. P/S/1761128 dated 9-3-73 for Rs. 17500/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/U-2/AM-75/Enf/NBNR/AU/Kan/1773 dated 20-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks left.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Uni Expo, 194/17, Delhi Road, Meerut, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1953 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences

[No. DCCI&E/U-2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1490.—सर्वश्री वाल्को केमिकल इंडस्ट्रीज, 85/22 डी, कूपरगंज कानपुर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के रसायनों के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :—

1. पी/एस/1763305 दिनांक 14-8-73 मूल्य 48250 रुपये
2. पी/एस/1763306 दिनांक 14-8-73 मूल्य 24125 रुपये
3. पी/एस/1763307 दिनांक 14-8-73 मूल्य 24125 रुपये
4. पी/एस/1763308 दिनांक 14-8-73 मूल्य 37500 रुपये
5. पी/एस/1763309 दिनांक 14-8-73 मूल्य 18750 रुपये
6. पी/एस/1763310 दिनांक 14-8-73 मूल्य 18750 रुपये
7. पी/एस/1763401 दिनांक 20-8-73 मूल्य 49000 रुपये
8. पी/एस/1763402 दिनांक 20-8-73 मूल्य 24500 रुपये

9 पी/एस/1763403 दिनांक 20-8-73 मूल्य 24500 रुपये

10 पी/एस/1763404 दिनांक 20-8-73 मूल्य 37500 रुपये

11 पी/एस/1763405 दिनांक 20-8-73 मूल्य 18750 रुपये

12 पी/एस/1763406 दिनांक 20-8-73 मूल्य 18750 रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एण्ड ई/वी-1/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान 3863 दिनांक 3-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किये गये थे । उन्हे उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 18-1-75 का दिन भी दिया गया था ।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "ज्ञात नहीं" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है ।

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे है कि उक्त मैसर्स वाल्को केमिकल इंडस्ट्रीज 85/22, कूपरगंज कानपुर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे ।

5 पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहिए । इसलिए, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किये जाते है ।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड/ई०/वी०-1/ए०एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/एयू०/कान]

ORDER

S.O. 1490.—The following licences for the import of Chemicals Non Banned & Non Restricted type were issued to M/s. Valco Chemical Industries, 85/22-D, Cooperganj, Kanpur :—

1. P/S/1763305 dated 14-8-73 for Rs 48250/-
2. P/S/1763306 dated 14-8-73 for Rs. 24125/-
3. P/S/1763307 dated 14-8-73 for Rs. 24125/-
4. P/S/1763308 dated 14-8-73 for Rs 37500/-
5. P/S/1763309 dated 14-8-73 for Rs. 18750/-
6. P/S/1763310 dated 14-8-73 for Rs. 18750/-
7. P/S/1763401 dated 20-8-73 for Rs 49000/-
8. P/S/1763402 dated 20-8-73 for Rs 24500/-
9. P/S/1763403 dated 20-8-73 for Rs. 24500/-
10. P/S/1763404 dated 20-8-73 for Rs 37500/-
11. P/S/1763405 dated 20-8-73 for Rs. 18750/-
12. P/S/1763406 dated 20-8-73 for Rs 18750/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No DCCI&E/V 1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/3863 dated 3-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-1-75 for personal hearing of their matter.

3 The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks not known.

4 The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s Valco Chemical Industries, 85/22-D, Cooperganj, Kanpur have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/V-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1419—मैसर्स ए-वन इंडस्ट्रीज, बुढाना रोड, खतौली, मुजफ्फरनगर को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के बाल बियरिंग के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे —

1 पी/एस/1759559 दिनांक 1-11-72 मूल्य 9000 रुपये

2 पी/एस/1759560 दिनांक 1-11-72 मूल्य 9000 रुपये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी सी सी आई एण्ड ई/ए-15/ए एम-75/एन्फ एन बी एन आर/एयू/कान/5306 दिनांक 15-1-75 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किये गये थे । उन्हे उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 30-1-75 का दिन भी दिया गया था ।

3 उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "स्थान छोड़ दिया" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है ।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे है कि उक्त मैसर्स ए-वन इंडस्ट्रीज, बुढाना रोड, खतौली, मुजफ्फरनगर ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नहीं दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नहीं है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे ।

5. पिछली कंडिकाओं में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहियें या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहियें । इसलिये, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किये जाते है ।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/ए०-15/ए०एम-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/एयू०/कान]

ORDER

S.O. 1491.—The following licences for the import of Ball Bearings non banned non restricted type were issued to M/s. A-One Industries Budhana Road, Khatauli, Muzaffarnagar.

1. P/S/1759559 dated 1-11-72 for Rs 9000
2. P/S/1759560 dated 1-11-72 for Rs 9000 -

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/A-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/5306 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks "Left".

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. A-One Industries, Budhana Road, Khatauli, Muzaffarnagar, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 1492.—सर्वश्री संगम इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, 11, श्याम इंडस्ट्रियल एस्टेट के पीछे लोनी (जि० मेरठ) को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मो के वाडिंग, ग्रिम्पिंग, टविस्टिंग मशीनों के फालतू पुर्जों के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :—

1	पी/एम/2659445	दिनांक	15-3-73	मूल्य	7738 रुपये
2	पी/एम/2659471	दिनांक	21-3-73	मूल्य	1180 रुपये
3.	पी/एम/2659608	दिनांक	31-3-73	मूल्य	22297 रुपये
4.	पी/एम/2659504	दिनांक	23-3-73	मूल्य	7833 रुपये
5.	पी/एम/2659503	दिनांक	23-3-73	मूल्य	24442 रुपये
6.	पी/एम/2659470	दिनांक	21-3-73	मूल्य	3610 रुपये
7.	पी/एम/2659329	दिनांक	6-3-73	मूल्य	32129 रुपये
8.	पी/एम/2659444	दिनांक	15-3-73	मूल्य	14317 रुपये
9.	पी/एम/2659328	दिनांक	6-3-73	मूल्य	11586 रुपये
10.	पी/एम/2659442	दिनांक	15-3-73	मूल्य	9747 रुपये
11.	पी/एम/2659469	दिनांक	21-3-73	मूल्य	40256 रुपये
12.	पी/एम/2659316	दिनांक	2-3-73	मूल्य	46535 रुपये
13.	पी/एम/2659480	दिनांक	22-3-73	मूल्य	452 रुपये
14.	पी/एम/2659412	दिनांक	9-3-73	मूल्य	46246 रुपये
15.	पी/एम/2659441	दिनांक	15-3-73	मूल्य	2646 रुपये
16.	पी/एम/2659443	दिनांक	15-3-73	मूल्य	24286 रुपये
17.	पी/एम/2659446	दिनांक	15-3-73	मूल्य	46909 रुपय
18.	पी/एम/2659411	दिनांक	9-3-73	मूल्य	8794 रुपये
19.	पी/एम/2659530	दिनांक	27-3-73	मूल्य	33622 रुपये
20.	पी/एम/2659548	दिनांक	29-3-73	मूल्य	11778 रुपये
21.	पी/एम/2659557	दिनांक	29-3-73	मूल्य	54891 रुपये
22.	पी/एम/2659467	दिनांक	16-3-73	मूल्य	20123 रुपये
23.	पी/एम/2659330	दिनांक	6-3-73	मूल्य	5975 रुपये
24.	पी/एम/2650667	दिनांक	31-3-73	मूल्य	10160 रुपये
25.	पी/एम/2659315	दिनांक	2-3-73	मूल्य	37971 रुपये
26	पी/एम/2659493	दिनांक	23-3-73	मूल्य	8987 रुपये
27	पी/एम/2659511	दिनांक	24-3-73	मूल्य	36228 रुपये
28.	पी/एम/2659471	दिनांक	14-3-73	मूल्य	15441 रुपये
29.	पी/एम/2659447	दिनांक	15-3-73	मूल्य	23913 रुपये

2 उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस स० डी सी सी आई एड ई/ए 9 34/ए एम-75/एन्फ/एन बी एन आर/आर ई पी/कान दिनांक 27-12-71 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यो न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किये गये थे । उन्हे उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 10-1-75 का दिन भी दिया गया था ।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस "फर्म समाप्त हो गई—लौटाया जाता है" अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियों ने वापस लौटा दिया है

उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस का अब तक कोई उत्तर प्राप्त नही हुआ है और उत्तर के लिये निर्धारित समय व्यतीत हो चुका है । व्यक्तिगत सुनवाई के लिये निश्चित तिथि को भी कोई उपस्थित नही हुआ है ।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुचे है कि उक्त सर्वश्री संगम इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, 11, श्याम इंडस्ट्रियल एस्टेट के पीछे, लोनी (जि० मेरठ) ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नही दिया है क्योकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये नही है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किये गये थे ।

5. पिछली कडिकाओ में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहियें । इसलिये, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किये जाते है ।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/एस०—34/ए०एम०-75/एन्फ/एन० बी० एन० आर०/एयू/कान]

ORDER

S.O. 1492.—The following licences for the import of component parts winding, grimpling and twisting machines non banned non restricted type were issued to M/s. Sangam Industrial Corporation, Behind 11 Sham Industrial Estate, Loni (Distt. Meerut):—

1. P/M/2659445 dt. 15-3-73 for Rs. 7738/-.
2. P/M/2659471 dt. 21-3-73 for Rs. 1180/-
3. P/M/2659608 dt. 31-3-73 for Rs. 22297/-.
4. P/M/2659504 dt. 23-3-73 for Rs. 7833/-.
5. P/M/2659503 dt. 23-3-73 for Rs. 24442/-.
6. P/M/2659470 dt. 21-3-73 for Rs. 3610/-.
7. P/M/2659329 dt. 6-3-73 for Rs. 32129/-.
8. P/M/2659444 dt. 15-3-73 for Rs. 14317/-.
9. P/M/2659328 dt. 6-3-73 for Rs. 11586/-.
10. P/M/2659442 dt. 15-3-73 for Rs. 9747/-.
11. P/M2659469 dt. 21-3-73 for Rs. 40256/-.
12. P/M/2659316 dt. 2-3-73 for Rs. 46535/-.
13. P/M/2659480 dt. 22-3-73 for Rs. 452/-.
14. P/M/2659412 dt. 9-2-73 for Rs. 46246/-.
15. P/M/2659441 dt. 15-3-73 for Rs 2646/-.
16. P/M/2659443 dt. 15-3-73 for Rs. 24286/-.
17. P/M/2659446 dt. 15-3-73 for Rs. 46909/-.
18. P/M/2659411 dt. 9-3-73 for Rs. 8794/-.
19 P/M/2659530 dt. 27-3-73 for Rs. 33622/-.
20. P/M/2659548 dt. 29-3-73 for Rs. 11778/-.
21. P/M/2659557 dt. 29-3-73 for Rs. 54891/-.

22. P/M/2659467 dt. 16-3-73 for Rs. 20123/-.
23. P/M/2659330 dt. 6-3-73 for Rs. 5975/-.
24. P/M/2659667 dt. 31-3-73 for Rs. 10160/-.
25. P/M/2659315 dt. 2-3-73 for Rs. 37971/-.
26. P/M/2659493 dt. 23-3-73 for Rs. 8987/-.
27. P/M/2659541 dt. 28-3-73 for Rs. 36228/-.
28. P/M/2659431 dt. 14-3-73 for Rs. 15441/-.
29. P/M/2659447 dt. 15-3-73 for Rs. 23913/-.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-9 to 34/AM-75/Enf/NBNR/REP/KAN Dt. 27-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks "Firm closed—Returned".

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Sangam Industrial Corporation, Behind 11 Sham Industrial Estate, Loni, (Distt. Meerut) have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S 9-34/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०आ० 1493.—मर्सश्री राज डाइंग और प्रिन्टर्स, गांव एंव डाकखाना, अब्दुल्लापुर, मेरठ को गैर-निषेध गैर प्रतिबंधित किस्मों के रसायनों के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस जारी किये गये थे :—

1. पी/एम/1759702 दिनांक 17-11-72 मूल्य 5000 रुपये के लिये

2. उसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० डी० सी० सी० आई/आर-5/ए एम 75/इन्फ/एन बी० एन० आर/ए य/के० ए एन/1769 दिनांक 20-12-74 उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनो के भीतर कारण बताए कि उनको जारी किये गये उक्त लाइसेंस इस आधार पर रद्द क्यों न कर देने चाहिए कि वे भूल से जारी किये गये थे । उन्हे उनके मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिये 4-1-75 का दिन भी दिया गया था ।

3. उपर्युक्त कारण निर्देशन नोटिस पता नही अभ्युक्तियों के साथ डाक प्राधिकारियो ने वापस लौटा दिया है

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले पर भली-भांति विचार कर लिया है और इस निर्णय पर पहुंचे है कि उक्त मर्सश्री राज डाइंग और प्रिन्टर्स गांव एवं डाकखाना, अब्दुल्लापुर मेरठ ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर इसलिये नही दिया है क्योंकि उन के पास कोई तर्क बचाव के लिये न हो है और यह कि लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे ।

5. पिछली कडिकाओ मे जो कुछ कहा गया है उस का ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विचाराधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर दिये जाने चाहिए । इसलिये, यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त लाइसेंस एतद् द्वारा रद्द किये जाते है ।

[सं० डी० सी० सी० आई० एण्ड ई०/आर० 5/ए० एम० 75, एन्फ/एन० बी० एन० आर०/एयू०/कान]

डी० एस० मोरक्रीमा, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 1493.—The following licences for the import of Chemicals Non Banned & Non Restricted type were issued to M/s. Raj Dyeing and Printers, Village & P.O. Abdullapur, Meerut.

1. P/S/1759702 dated 17-11-72 for Rs. 5000/-.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-5/AM-75/Enf/NBNR/AU/KAN/1769 dated 20-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal Authorities with their remarks Not Known.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Raj Dyeing and Printers, Village and P.O. Abdullapur, Meerut have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

D. S. MORKRIMA, Dy. Chief Controller

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1976

का० **आ० 1494**.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य मे सलाया पत्तन से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन भारतीय तेल निगम लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिये

और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

उक्त भूमि मे हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप-लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय तेल निगम लिमि-टेड, [illegible] "[illegible]"-33 बी, [illegible] सोसाइटी, राजकोट को इस अधिसूचना को तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिश. हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

तालुका:राजकोट जिला:राजकोट गुजरात राज्य

गांव	सर्वेक्षण नं०	क्षेत्र		
		एच०	ए०	वर्गमीटर
गवारिदाद	22	0	29	20
	18	0	17	05
	19	0	24	60
	199 पी	0	12	70
	198/1	0	15	10
	197 पी	0	15	15
	204/1	0	01	10
	511/पी 1	0	12	35
	511/पी 2	0	10	15
	180/1-पी-1	0	34	65
	180/1-पी-2	0	01	40
	181	0	57	25
	183	0	31	65
	185 पी	0	31	00
	193	0	01	20
	170	0	23	25
	168	0	47	70
	166	0	12	35
	167	0	30	55
	164	0	15	90
	163	0	23	50
	157	0	29	50
	241	0	30	25
राजगाध	16	0	16	56
	23	0	19	30
	22	0	19	30
	32 पी 1	0	13	00
	32 पी 2	0	16	80
	32 पी 3	0	15	45

[सं० 12017/6/74-एल० एंड० एल०]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 23rd March, 1976

S.O. 1494. —Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And where as it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian oil Corporation Limited, Salaya-Koyali/ Mathura Pipeline Project, "DOLI" 33-B, Harihar Society, Rojkot.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULL

Taluka : Rajkot District : Rajkot Gujarat State

Village	Survey No.	Extent H. A. Sq. m.
GAVARIDAD	22	0-29-20
	18	0-17-05
	19	0-24-60
	199 P	0-12-70
	198/1	0-15-10
	197 P	0-15-15
	204/1	0-01-10
	511/P 1	0-12-35
	511/P 2	0-10-15
	180/1-P-1	0-34-65
	180/1-P-2	0-01-40
	181	0-57-25
	183	0-31-65
	185 P	0-31-00
	193	0-01-20
	170	0-23-25
	168	0-47-70
	166	0-12-35
	167	0-30-35
	164	0-15-90
	163	0-23-50
	157	0-29-55
	241	0-30-25
RAJGADH	16	0-16-65
	23	0-19-30
	22	0-19-30
	32 P 1	0-13-00
	32 P 2	0-16-80
	32 P 3	0-15-45

[No. 12017/6/74-L&L]

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1976

का०आ० 1495.—यतः पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1920 तारीख 30-5-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप-लाइनें बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, सभी केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार मे विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

आर ओ यू के साथ डी एस एस डी बी से एस डी ए से सोभा सन 1 तक लाइन मिलाते हुये डी एस एस डी बी से एस डी ए तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

('12 मीटर चौड़ी')

राज्य : गुजरात तालुका मेहसाना जिला मेहसाना

गांव	ब्लाक न०	हैक्टेयर	एआर	सैण्टीयर
जगुदन	1118	0	04	50
	1139	0	11	00
	34	0	08	00
	36	0	02	00
	37	0	03	00
	38	0	01	50
	29	0	03	00
	28	0	01	50
	26	0	02	00
	96	0	02	40

[सं० 12016/7/75-एल० एण्ड एल०]

New Delhi, the 8th April, 1976

S.O. 1495.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1920 dated 30-5-75 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines :

And Whereas the Competent Authority has under sub section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And Further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification :

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

For laying pipeline from D.S. SDB to SDA Line connecting with R.O.U. from D.S. SDA to Sobhasan-1 (12 Mtr. Wide).

Village : Jagudan Taluka : Mehsana District : Mehsana

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
JAGUDAN . . .	1118	0	04	50
	1139	0	11	00
	34	0	08	00
	36	0	02	00
	37	0	03	00
	38	0	01	50
	29	0	03	00
	28	0	01	50
	26	0	02	00
	96	0	02	40

[No. 12016/7/75-L&L]

का० आ० 1496.—यत पेट्रोलियम, पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 1919 तारीख 30-5-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अत. सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

कोसम्भा जी जी एस० 7 (गांव कवारदा) से सी टी एफ (गांव पिलोधरा) तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

राज्य गुजरात जिला भरोच तालुका हंसोट

गांव	सर्वेक्षण न०	ब्लाक न०	हैक्टेयर	एआरई	सेण्टीयर
पंदवाई	69	225	0	01	50
	50	11	0	01	00
	56	10	0	03	80
	59	08	0	03	00
	65	212	0	09	50

गांव	सर्वेक्षण नं०	ब्लाक नं०	हैक्टेयर	एआरई	सेन्टीयर
	64	213	0	09	20
	63	217	0	10	50
	68/4	216	0	05	00
	62	219/ए	0	11	20
	68/1				
	61	226	0	03	50
	118/2	134	0	25	90
	118/1				
	119	176	0	09	90
	120	175	0	05	30
	121	174	0	07	40
	123/2	173	0	03	40
	123/1	138/ए	0	11	70
	122				
	125/2	151	0	08	30
	125/1	152	0	04	50
	126	154	0	01	75
	106/1	157	0	09	00
	127/2	159	0	16	20
	127/3	159/ए	0	00	75

[सं० 12016/7/75-एल० एण्ड एल०/आई०]

टी० पी० सुब्राह्मनियन, अवर सचिव

S.O. 1496.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum & Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 1919 dated 30-5-75 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in the exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vast on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

FOR LAYING PIPELINE FROM KOSAMBA GGS-7 (VILLAGE : KUVARDA) TO CTF (VILLAGE : PILODRA).
State : Gujarat District : Broach Taluka : Hansot

Village	Survey No.	Block No.	Hectare	Are	Centiare
PANDVAI	69	225	0	01	50
	50	11	0	01	00
	56	10	0	03	80
	59	08	0	03	00
	65	212	0	09	50
	64	213	0	09	20
	63	217	0	10	50
	68/4	216	0	05	00
	62	219/A	0	11	20
	68/1				
	61	226	0	03	50
	118/1	134	0	25	90
	118/2				
	119	176	0	09	90
	120	175	0	05	30
	121	174	0	07	40
	123/2	173	0	03	40
	123/1	138/A	0	11	70
	122				
	125/2	151	0	08	30
	125/1	152	0	04	50
	126	154	0	01	75
	106/1	157	0	09	00
	127/2	159	0	16	20
	127/3	159/A	0	00	75

[No 12016/7/75-L&L/I]

T.P. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1976

का० आ० 1497.—यत. भारतीय नर्सिंग परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का 48) धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ण) के अनुसरण में राज्य परिषद ने अपनी 16 जनवरी, 1976 की हुई बैठक में श्रीमती लीला दामोदर मेनन को श्रीमती पूर्वी मुखोपाध्याय के स्थान पर, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, भारतीय नर्सिंग परिषद का सदस्य निर्वाचित किया है ।

अब, अत उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 1 दिसंबर, 1958 की अधिसूचना सख्या एफ 27/57/57-चि० II (ख) में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, नामत:

उक्त अधिसूचना मे "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ण) के अधीन निर्वाचित" शीर्षक के अंतर्गत पद संख्या 3 तथा इससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद तथा प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, नामत :

"3 श्रीमती लीला दामोदर मेनन, सदस्या, राज्य सभा, 250, रवीन्द्र नगर, नई दिल्ली" ।

[सख्या वी० 14025/11/75-एम०पी०टी०]

एस० श्रीनिवासन, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 6th April, 1976

S.O. 1497.—Whereas in pursuance of clause (o) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), the Council of States has, at its sitting held on the 16th January 1976, elected Shrimati Leela Damodara Menon to be a member of the Indian Nursing Council vice Shrimati Purabi Mukhopadhyay resigned;

Now, therefore, in pursuance of sub section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. F. 27/57/57-MII (B), dated the 1st December, 1958, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (o) of sub-section (1) of section 3", for item 3 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely :—

"3. Shrimati Leela Damodara Menon, Member of Rajya Sabha, 250, Rabindra Nagar, New Delhi.".

[No. V. 14025/11/75-MPT]

S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1976

का० आ० 1498.—यत: केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालय द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारकरण, संचलन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और यत: खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपर्निर्दिष्ट कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय की उक्त अधिनियम की धारा 12 ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है ;

अत: अब खाद्य निगम के अधिनियम, 1964 (1964 का 37), यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है :—

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन जिस पद पर स्थायी है	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन जिस पद पर थे	भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री पी० कन्नन	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
2.	श्री एम० वी० हनुमन्ता	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
3.	श्री बी० वी० कृष्णप्पा	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
4.	श्री जी० मनीकम	टैली क्लर्क	टैली क्लर्क	-वही-
5.	श्री एल० नित्यानन्दम	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
6.	श्री एम० वी० स्वामीनाथन	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
7.	श्री एम० टी० देवप्रभाव	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
8	श्रीमती बी० कन्नियाम्मल	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
9.	श्री एच० आर० कृष्णामूर्ति	प्रधूमन सहायक	तकनीकी सहायक	-वही-
10	श्री एस० जयराम राव	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
11.	श्री एम० एस० उलागानाथन	गोदी अधीक्षक	गोदी अधीक्षक	-वही-
12	श्री पी० के० परमेश्वरन	कार्यालय अधीक्षक	कार्यालय अधीक्षक	-वही-
13.	श्री पी० के० शंकरा पेम्मन	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
14.	श्री एस० आर० केसवन	वरिष्ठ क्लर्क	वरिष्ठ क्लर्क	-वही-
15.	श्री पी० विल्वानाथन	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
16.	श्री एम० गोविन्दास्वामी नायका	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
17.	श्री कानचन्द कीर्तिमल	डस्टिंग आपरेटर	गोदाम क्लर्क	-वही-
18.	श्री वी० कृष्णास्वामी	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
19.	श्री के० एस० कृष्णामूर्ति	तकनीकी सहायक	तकनीकी अधिकारी	-वही
20.	श्री एस० जे० आर० पी० शास्त्री	गुण निरीक्षक	गुण निरीक्षक	-वही-
21.	श्रीमती लेखा चौधरी	प्रधूमन सहायक	तकनीकी सहायक	-वही-
22.	श्री भवानी प्रसाद घोष	—	प्रधूमन सहायक	-वही-
23.	श्री ज्योतिर्मय चटर्जी	—	-वही-	-वही-
24.	श्री एस० आर० देव राय	प्रधूमन सहायक	तकनीकी सहायक	वही-
25.	श्री एस०के० चटर्जी	-वही-	-वही-	-वही-
26.	श्री एस०के० बैनर्जी	तकनीकी अधिकारी	सहायक निदेशक (तक०)	-वही

1	2	3	4	5
27.	श्री घनश्याम डे	गोदाम अधीक्षक	गोदाम अधीक्षक	1-3-69
28.	श्री एस० एन० मुखर्जी	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदाम अधीक्षक	-वही-
29.	श्री अनिल कुमार मजूमदार	-वही-	-वही-	-वही-
30.	श्री एन०के० कृष्णाकुट्टी	—	कनिष्ठ क्लर्क	-वही-
31.	श्री के० बालाचन्द्रन	—	-वही-	-वही-
32.	श्री जीत लाल	—	गोदाम क्लर्क	30-6-71
33.	श्री एस० एन० जैसवाल	—	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
34.	श्री जी० डी० पाठक	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
35.	श्री एच० एन० पाठक	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
36.	श्री जी० सी० सिंह	—	-वही-	-वही-
37.	श्री आर० बी० सिंह	—	-वही-	-वही-
38.	श्री श्याम देव	—	ड्राइवर	-वही-
39.	श्री उमा शंकर	—	कनिष्ठ क्लर्क	-वही-
40.	श्री पी० नारायणन	—	-वही-	-वही-
41.	श्री बी०डी० कांडपाल	—	सिफ्टर	-वही-
42.	श्रीमती सरला यू० बी० सक्सेना	—	वरिष्ठ क्लर्क	-वही-
43.	श्री जयश्री राम	—	गुण निरीक्षक	-वही-
44.	श्री राजाराम यादव	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
45.	श्री एच० एस० राय	—	-वही-	-वही-
46.	श्री जे० बी० यादव	—	-वही-	-वही-
47.	श्री पी० सी० पांडेय	—	तकनीकी सहायक	-वही-
48.	श्री एस० एन० मिश्र	—	कनिष्ठ क्लर्क	-वही-
49.	श्री लालजी श्रीवास्तव	—	चौकीदार	-वही-
50.	श्री बी० सी० पांडेय	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
51	श्री परसुराम मंडोला	—	मैकेनिक तथा आपरेटर	-वही-
52.	श्री आर०पी० कुमार	—	चपरासी	30-6-71
53.	श्री एस० सी० गुप्ता	विश्लेषक	विश्लेषक	1-3-69
54.	श्री के० सी० बैनर्जी	सहायक निदेशक	सहायक निदेशक	-वही-
55.	श्री आर० एस० दीक्षित	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदाम अधीक्षक	-वही-
56.	श्री पी०एस० बाजपेयी	प्रशुमन सहायक	तकनीकी सहायक	-वही-
57.	श्री ए० एस० बघेला	—	वरिष्ट गोदाम रक्षक	-वही-
58	श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव	तोलने वाला क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
59	श्री जगदीश चन्द्र पांडेय	कनिष्ठ क्लर्क	वरिष्ठ क्लर्क	-वही-
60	श्री राम चन्द्र मिश्र	—	-वही-	-वही-
61.	श्री एस० के० चन्द्रा	वरिष्ठ क्लर्क	-वही-	-वही-
62.	श्री गौरी शंकर श्रीवास्तव	लेखापाल	अधीक्षक	-वही-
63.	श्री सी० एम० भटनागर	—	कनिष्ठ क्लर्क	-वही-
64.	श्री बी० के० पांडेय	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
65.	श्री शंकर दयाल जायसवाल	—	गुण निरीक्षक	-वही-
66.	श्री एस० एम० बरठोके	—	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
67.	श्री बी० एल० कुरील	—	तकनीकी सहायक-3	-वही-
68.	श्री हर प्रसाद	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
69	श्री राम सिंह	-वही-	-वही-	-वही-
70.	श्री राम प्रगट दुबे	—	-वही-	-वही-
71	श्री सईद खान	—	-वही-	-वही-
72.	श्री राम बरन	—	-वही-	-वही-
73.	श्री लाल चन्द तरुला	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
74.	श्री सुन्दर लाल	—	चौकीदार	-वही-
75.	श्री चेतराम	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
76.	श्री विपिन चन्द्र उपाध्याय	—	-वही-	-वही-

1	2	3	4	5
77.	श्री बलराम त्यागी	—	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
78	श्री हंसराज बंजारा	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
79	श्री कुलीप सिंह चड्ढा	—	—	-वही-
80	श्री दिलीप सिंह	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
81.	श्री सतीन्द्र पाल सिंह	—	-वही-	-वही-
82.	श्री महेश चन्द्र	—	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
83.	श्री जगन्नाथ पैत	गोदाम क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
84.	श्री प्रेम मसीह	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
85.	श्री शिशु पाल सिंह शर्मा	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
86.	श्री जय नारायण सिंह	—	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
87.	श्री भुटाई राम	—	चौकीदार	-वही-
88.	श्री भूप सिंह	—	-वही-	-वही-
89.	श्री शिव नाथ	—	स्वीपर	-वही-
90.	श्री दुख राम सिंह	—	चौकीदार	-वही-
91	श्री एस०डी० पांडेय	—	वरिष्ट क्लर्क	-वही-
92	श्री राम फल	—	चौकीदार	-वही-
93	श्री सतीश कुमार शुक्ला	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
94	श्री नरजीत सिंह थापा	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
95.	श्री मोहन	सिफ्टर	सिफ्टर	-वही-
96.	श्री प्रेम कान्त बाजपेयी	-वही-	-वही-	-वही-
97.	श्री राजेन्द्र प्रसाद दुबे	कनिष्ठ क्लर्क	सहायक ग्रेड-1	-वही-
98.	श्री एच०पी० अस्थाना	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
99	श्री चौक बहादुर	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
100.	श्री हर लाल डींग	प्रधूमन सहायक	गुण निरीक्षक	-वही-
101.	श्री एस०एस० लाल गर्ग	-वही-	तकनीकी सहायक	-वही-
102.	श्री दामोदर गुरानी	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
103.	श्री ओम चन्द	-वही-	-वही-	-वही-
104.	श्री इल्यास खान	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
105.	श्री गगा सरन	चपरासी	चपरासी	-वही-
106.	श्री करम वीर सिंह	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
107.	श्री हरबंस सिंह	-वही-	-वही-	-वही-
108	श्री एस०सी० गोयल	गुण निरीक्षक	गुण निरीक्षक	-वही-
109.	श्री जै० प्रकाश	तौलने वाला क्लर्क	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही
110.	श्री एस०डी० अग्रोल	गोदाम क्लर्क	-वही-	वही
111.	श्री जमील उद्दीन खान	डस्टिंग आपरेटर	स्टिफर	-वही
112.	श्री याद राम	—	चौकीदार	-वही-
113.	श्री कुशल सिंह	—	-वही-	-वही-
114	श्री विशम्भर	—	स्वीपर	-वही-
115.	श्री केशवा राम	—	चौकीदार	-वही-
116.	श्री महावीर सिंह	—	-वही-	-वही-
117.	श्री तेज पाल सिंह	—	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
118.	श्री बलवन्त सिंह	—	चौकीदार	-वही-
119.	श्री कृपाल सिंह	—	-वही-	-वही-
120.	श्री करतार सिंह	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
121.	श्री डोडे लाल	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
122	श्री गौरी दत्त	-वही-	-वही-	-वही-
123.	श्री राम किशोर	—	चौकीदार	-वही-
124.	श्री वीर बहादुर	चौकीदार	-वही-	-वही-
125.	श्री राम चरण	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
126.	श्री जवाहर लाल हस्तीर	कनिष्ठ क्लर्क	वरिष्ठ क्लर्क	-वही-
127.	श्री वाचस्पति उप्रियाल	—	तकनीकी सहायक	-वही-

1	2	3	4	5
128.	श्री बाबू लाल	—	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
129.	श्री बी०एस० रावत	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गुण निरीक्षक	-वही-
130	श्री एम०एस० एल० टंडन	गुण पर्यवेक्षक	गुण पर्यवेक्षक	-वही-
131.	श्री देवी सिंह	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपमेटर	-वही-
132.	श्री मुंशी लाल	—	चौकीदार	-वही-
133.	श्री मतोली सिंह	—	-वही-	-वही-
134.	श्री गोपाल	चौकीदार	-वही-	-वही-
135.	श्री हुब लाल	—	-वही-	-वही-
136.	श्री जमुना प्रसाद	—	-वही-	-वही-
137.	श्री नेपाल सिंह	चौकीदार	-वही-	-वही-
138.	श्री विलयिम	-वही-	-वही-	-वही-
139.	श्री ननुवा	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
140.	श्री उल्फत सिंह	-वही-	-वही-	-वही-
141.	श्री बाला सिंह	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
142.	श्री आर०के० गुप्त	गोदाम क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
143.	श्री मोहन लाल	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
144.	श्री पान सिंह	चपरासी	सहायक ग्रेड-3	-वही-
145.	श्री माधो प्रसाद	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
146.	श्री दया कृष्ण खगवाल	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
147.	श्री बी०बी० मालवीय	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
148.	श्री किशन सिंह	-वही-	सहायक ग्रेड-3 (डी)	-वही-
149.	श्री राम चरण सुपुत्र श्री राम लाल	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
150.	श्री भगत सिंह	गुण निरीक्षक	पर्यवेक्षक	-वही-
151.	श्री विश्वानाथ	चौकीदार	पिकर	-वही-
152.	श्री संकटा प्रसाद	-वही-	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
153.	श्री दीनानाथ मिश्र	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
154.	श्री सफी अहमद	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदाम अधीक्षक	-वही-
155.	श्री ए०बी० राय	गोदाम क्लर्क	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
156.	श्री मनीराम	—	चौकीदार	-वही-
157	श्री किशन बहादुर	चौकीदार	-वही-	-वही-
158.	श्री राम अवतार शर्मा	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
159.	श्री आर०बी० श्रीवास्तव	गुण निरीक्षक-1	गुण निरीक्षक-1	-वही-
160	श्री मजीत सिंह	गोदाम क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
161.	श्री आर एम० खारा	तकनीकी सहायक	तकनीकी सहायक	-वही-
162.	श्री कुलदीप सिंह राय	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
163.	श्री दलीपा राम	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
164.	श्री कृपा राम	-वही-	-वही-	-वही-
165.	श्री टिका चन्द खन्ना	गैस्टेटनर आपरेटर	-वही-	-वही-
166.	श्री ब्रह्म देव शाह	चौकीदार	चौकीदार	-वही
167.	श्री शेर बहादुर	-वही-	-वही-	-वही-
168.	श्री गण सिंह सुपुत्र श्री राम सिंह	-वही-	-वही-	-वही
169	श्री राम प्रसाद सुपुत्र श्री घसीटाराम	-वही-	-वही-	-वही-
170.	श्री बिशन सिंह सु० श्री उमराव सिंह	सिफ्टर	सिफ्टर	-वही-
171.	श्री राज कृष्ण सु० श्री गणेश दास	-वही-	-वही-	-वही-
172.	श्री प्यारेलाल सु० श्री० भिखी राम	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
173.	श्री प्यारे लाल सु० श्री सरूप राम	-वही-	-वही-	-वही-
174	श्रीराम बहादुर सु० श्री तेज बहादुर	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
175.	श्री सीताराम सु० श्री धान सिंह	-वही-	-वही-	-वही-
176.	श्री मुरारी लाल सु० श्री मोहन सिंह	-वही-	-वही-	-वही-
177.	श्री जंग बहादुर सु० श्री कुमान सिंह	-वही	-वही-	-वही-
178.	श्री चन्द्र भान सु० श्री लक्ष्मण दास	-वही-	-वही-	-वही-
179	श्री घनश्याम सु० श्री देव राम	-वही-	-वही-	-वही-

1	2	3	4	5
180	श्री कालू राम सु० श्री राम बहादुर	चौकीदार	चौकीदार	1-3-69
181.	श्री सूबे सिंह सु० श्री मंजीत सिंह	-वही-	-वही-	-वही-
182.	श्री बाल कृष्ण गुप्ता	गोदाम क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
183	श्री दुलीचन्द सुपुत्र श्री शीतल प्रसाद	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
184	श्री चरण सिंह सुपुत्र श्री पूरण सिंह	-वही-	-वही-	-वही-
185	श्री हरी सिंह सुपुत्र श्री राम स्वरूप	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
186.	श्री बहादुर सिंह सुपुत्र श्री श्रीपति	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
187	श्री गंगा प्रसाद सुपुत्र श्री राम चरण	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
188.	श्री लक्ष्मण	—	चौकीदार	-वही-
189	श्री राज करन मिश्र	—	-वही-	-वही-
190	श्री मुन्ना लाल	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
191.	श्री बी० एल० अहरवार	—	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
192.	श्री कंचन सिंह	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
193.	श्री किशन चन्द	—	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
194.	श्री शंकर सिंह	—	चौकीदार	-वही-
195	श्री मान सिंह	—	-वही-	-वही-
196	श्री याद राम	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
197	श्री कृष्ण गोपाल	—	-वही-	-वही-
198	श्री गोपाल सिंह	चपरासी	चपरासी	-वही-
199.	श्री मोहम्मद अहमद	—	गोदाम क्लर्क	-वही-
200	श्री राजा राम	स्वीपर	सिफ्टर	-वही-
201.	श्री जे० पी० मिश्र	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	-वही-
202	श्री श्रवण कुमार सिंह यादव	-वही-	-वही-	-वही-
203.	श्री कृष्ण निगम	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
204.	श्री राधेश्याम	डस्टिंग आपरेटर	डस्टिंग आपरेटर	-वही-
205	श्री रमा कान्त	चौकीदार	चौकीदार	-वही-
206	श्री राम आधार मिश्रा	वही	-वही-	-वही-
207.	श्री ईश्वर चन्द	गुण निरीक्षक	गुण निरीक्षक	-वही-
208.	श्री मणि लाल शर्मा	गोदाम क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही-
209	श्री बाल किशन	स्वीपर	स्वीपर	-वही-
210.	श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री रामल दास	गोदाम क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	-वही
211	श्री काली राम	-वही-	गोदाम क्लर्क	-वही-
212.	श्री शिवराज सिंह	—	-वही-	-वही-

[सं० 52/8/73-एफ०सी०-3(खण्ड-5)]

डी० कृष्णमूर्ति, उप सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 23rd March, 1976

S. O. **1498.**—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directors of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under section 13 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India.

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay and Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971, intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (1) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964), the Central Government hereby transfers the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them :—

Sl. No.	Name of the officer/employee	Permanent post held under the Central Government	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the Food Corporation of India
1	2	3	4	5
1.	Shri P. Kannan	Junior Godown Keeper	Junior Godown Keeper	1-3-69
2.	Shri M. V. Hanumantha	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
3.	Shri B.V. Krishnappa.	Junior Godown Keeper	Senior Godown Keeper	1-3-69
4.	Shri G. Manickam	Tally Clerk	Tally Clerk	1-3-69
5.	Shri L. Nithyanandam	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
6.	Shri M.V. Swaminathan	Junior Godown Keeper	Junior Godown Keeper	1-3-69
7.	Shri M.T. Devaprasad	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
8.	Smt. B. Kanniammal	Sweeper	Sweeper	1-3-69
9.	Shri H.R. Krishnamurthy	Fum. Assistant	Technical Asstt.	1-3-69
10.	Shri S. Jayarama Rao	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
11.	Shri M.S. Ulaganathan	Dock Superintendent	Dock Superintendent	1-3-69
12.	Shri P.K. Parameswaran	Office Supdt.	Office Supdt.	1-3-69
13.	Shri P.K. Sankera Perumal	Senior Godown Keeper	Senior Godown Keeper	1-3-69
14.	Shri S.R. Kesavan	Senior Clerk	Senior Clerk	1-3-69
15.	Shri P. Vilwanathan	Watchman	Watchman	1-3-69
16.	Shri M. Govindaswamy Naicker	Watchman	Watchman	1-3-69
17.	Shri Kanchand Kirthimal	Dusting Operator	Godown Clerk	1-3-69
18.	Shri V. Krishnaswamy	Watchman	Watchman	1-3-69
19.	Shri K.S. Krishnamurthy	Technical Asstt.	Technical Officer	1-3-69
20.	Shri S.J.R.P. Shastry	Quality Inspector	Quality Inspector	1-3-69
21.	Smt. Lekha Chowdhury	Fum. Assistant	Technical Asstt.	1-3-69
22.	Shri Bhabani Prasad Ghosh	—	Fum. Assistant	1-3-69
23.	Shri Jyotirmoy Chatterjee	—	Do.	1-3-69
24.	Shri S.R. Deb Roy	Fum. Assistant	Technical Asstt.	1-3-69
25.	Shri S.K. Chatterjee	Do.	Do.	1-3-69
26.	Shri S.K. Banerjee	Technical Officer	Assistant Director (Technical)	1-3-69
27.	Shri Ganashyam Dey	Godown Supdt.	Godown Supdt.	1-3-69
28.	Shri S.N. Mukherjee	Senior Godown Keeper	Godown Supdt.	1-3-69
29.	Shri Anil Kumar Majumdar	Senior Godown Keeper	Do.	1-3-69
30.	Shri N.K. Krishnankutty	—	Junior Clerk	1-3-69
31.	Shri K. Balachandran	—	Junior Clerk	1-3-69
32.	Shri Jeet Lal	—	Godown Clerk	30-6-71
33.	Shri S.N. Jaiswal	—	Senior Godown Keeper	1-3-69
34.	Shri G.D. Pathak	—	Godown Clerk	1-3-69
35.	Shri H.N. Pathak	—	Godown Clerk	1-3-69
36.	Shri G.C. Singh.	—	Godown Clerk	1-3-69
37.	Shri R.B. Singh	—	Do.	1-3-69
38.	Shri Syam Deo	—	Driver	1-3-69
39.	Shri Uma Shankar	—	Junior Clerk	1-3-69
40.	Shri P. Narayanan	—	Junior Clerk	1-3-69
41.	Shri B.D. Kandpal	—	Sifter	1-3-69
42.	Mrs. Sarla U.B. Saxena	—	Senior Clerk	1-3-69
43.	Shri Jaishri Ram	—	Quality Inspector	1-3-69
44.	Shri Rajaram Yadav	—	Godown Clerk	1-3-69
45.	Shri H.S. Rai	—	Godown Clerk	1-3-69
46.	Shri J.B. Yadav	—	Godown Clerk	1-3-69
47.	Shri P.C. Pandey	—	Technical Asstt.	1-3-69
48.	Shri S.N. Mishra	—	Junior Clerk	1-3-69
49.	Shri Laljilal Srivastava	—	Watchman	1-3-69
50.	Shri B.C. Pandey	—	Godown Clerk	1-3-69
51.	Shri Parsuram Rudola	—	Mechanic-cum-Operator	1-3-69
52.	Shri R.P. Kumbhar	—	Peon	30-6-71
53.	Shri S.C. Gupta	Analyser	Analyser	1-3-69

1	2	3	4	5
54.	Shri K.C. Banerjee	Asstt. Director	Asstt. Director	1-3-69
55.	Shri R.S. Dixit	Senior Godown Keeper	Godown Supdt.	1-3-69
56.	Shri P.S. Bajpai	Fum. Assistant	Technical Asstt.	1-3-69
57.	Shri A.S. Dalela	—	Senior Godown Keeper	1-3-69
58.	Shri Ramesh Chandra Srivastava	Weighman Clerk	Junior Godown Keeper	1-3-69
59.	Shri Jagdish Chandra Pandey	Junior Clerk	Senior Clerk	1-3-69
60.	Shri Ram Chandra Misra	—	Do.	1-3-69
61.	Shri S.K. Chandra	Senior Clerk	Do.	1-6-69
62.	Shri Gauri Shanker Srivastava	Accountant	Superintendent	1-3-69
63.	Shri C.M. Bhatnagar	—	Junior Clerk	1-3-69
64.	Shri V.K. Pandey	—	Godown Clerk	1-3-69
65.	Shri Shanker Dayal Jaiswal	—	Quality Inspector	1-3-69
66.	Shri S.S. Barathokey	—	Senior Godown Keeper	1-3-69
67.	Shri B.L. Kureel	—	Technical Asstt. III	1-3-69
68.	Shri Har Prasad	Watchman	Watchman	1-3-69
69.	Shri Ram Singh.	Do.	Do.	1-3-69
70.	Shri Ram Pragat Dubey	—	Do.	1-3-69
71.	Shri Syeed Khan	—	Do.	1-3-69
72.	Shri Ram Baran	—	Do.	1-3-69
73.	Shri Lal Chand Narula	—	Godown Clerk	1-3-69
74.	Shri Sunder Lal	—	Watchman	1-3-69
75.	Shri Chet Ram	—	Godown Clerk	1-3-69
76.	Shri Bipin Chandra Upadhayaya	—	Do.	1-3-69
77.	Shri Bal Ram Tyagi	—	Junior Godown Keeper	1-3-69
78.	Shri Hans Rai Banjara	—	Godown Clerk	1-3-69
79.	Shri Kuldeep Singh Chaddha	—	—	1-3-69
80.	Shri Dalip Singh	—	Godown Clerk	1-3-69
81.	Shri Satindra Pal Singh	—	Do.	1-3-69
82.	Shri Mahesh Chandra	—	Dusting Operator	1-3-69
83.	Shri Jagan Nath Pant.	Godown Clerk	Junior Godown Keeper	1-3-69
84.	Shri Prem Masih	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
85.	Shri Shishu Pal Singh Sharma	Watchman	Watchman	1-3-69
86.	Shri Jai Narayan Singh	—	Dusting Operator	1-3-69
87.	Shri Butai Ram	—	Watchman	1-3-69
88.	Shri Bhoop Singh	—	Do.	1-3-69
89.	Shri Shiv Nath	—	Sweeper	1-3-69
90.	Shri Dukh Ram Singh	—	Watchman	1-3-69
91.	Shri S.D. Pandey	—	Senior Clerk	1-3-69
92.	Shri Ram Phal	—	Watchman	1-3-69
93.	Shri Satish Kumar Shukla	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
94.	Shri Narjeet Singh Thapa	Watchman	Watchman	1-3-69
95.	Shri Mohan	Shifter	Shifter	1-3-69
96.	Shri Prem Kant Bajpai	Do.	Do.	1-3-69
97.	Shri Rajendra Prasad Dubey	Junior Clerk	Asstt. Grade I	1-3-69
98.	Shri H.P. Asthana	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
99.	Shri Chok Bahadur	Watchman	Watchman	1-3-69
100.	Shri Har Lal Dingh	Fum. Assistant	Quality Inspector	1-3-69
101.	Shri S.S. Lal Garg	Fum. Assistant	Technical Assistant	1-3-69
102.	Shri Damodar Gururani	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
103.	Shri Om Chand	Do.	Do.	1-3-69
104.	Flyas Khan	Watchman	Watchman	1-3-69
105.	Shri Ganga Saran	Peon	Peon	1-3-69
106.	Shri Karam Vir Singh	Watchman	Watchman	1-3-69
107.	Shri Harbans Singh	Do.	Do.	1-3-69
108.	Shri L.C Goel	Quality Inspector	Quality Inspector	1-3-69
109.	Shri J. Prakash	Weighman Clerk	Senior Godown Keeper	1-3-69
110.	Shri S D. Abrol	Godown Clerk	Do.	1-3-69
111.	Shri Jamil Uddin Khan	Dusting Operator	Stitcher	1-3-69

1	2	3	4	5
112.	Shri Yad Ram	——	Watchman	1-3-69
113.	Shri Kushal Singh	——	Do.	1-3-69
114.	Shri Bishambhar	——	Sweeper	1-3-69
115.	Shri Keshwa Ram	——	Watchman	1-3-69
116.	Shri Mahabir Singh	——	Do.	1-3-69
117.	Shri Tej Pal Singh	——	Junior Godown Keeper	1-3-69
118.	Shri Balwant Singh	——	Watchman	1-3-69
119.	Shri Kripal Singh	——	Do.	1-3-69
120.	Shri Kartar Singh	Sweeper	Sweeper	1-3-69
121.	Shri Dodo Lal	Watchman	Watchman	1-3-69
122.	Shri Gauri Dutta	Do.	Do.	1-3-69
123.	Shri Ram Kishore	——	Do.	1-3-69
124.	Shri Bir Bahadur	Watchman	Do.	1-3-69
125.	Shri Ram Charan	Sweeper	Sweeper	1-3-69
126.	Shri Jawahar Lal Hastir	Junior Clerk	Senior Clerk	1-3-69
127.	Shri Vachaspati Uniyal	——	Technical Asstt.	1-3-69
128.	Shri Babu Lal	——	Junior Godown Keeper	1-3-69
129.	Shri B.S. Rawat	Senior Godown Keeper	Quality Inspector I	1-3-69
130.	Shri S.S.L. Tandon	Quality Supervisor	Quality Supervisor	1-3-69
131.	Shri Devi Singh	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
132.	Shri Munshi Lal	——	Watchman	1-3-69
133.	Shri Matoli Singh	——	Do.	1-3-69
134.	Shri Gopal	Watchman	Do.	1-3-69
135.	Shri Hub Lal	——	Do.	1-3-69
136.	Shri Jamuna Prasad	——	Do.	1-3-69
137.	Shri Naipal Singh	Watchman	Do.	1-3-69
138.	Shri William	Watchman	Do.	1-3-69
139.	Shri Nanuwa	Sweeper	Sweeper	1-3-69
140.	Shri Ulfat Singh	Do.	Do.	1-3-69
141.	Shri Bala Singh	Watchman	Watchman	1-3-69
142.	Shri R.K. Gupta	Godown Clerk	Junior Godown Keeper	1-3-69
143.	Shri Mohan Lal	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
144.	Shri Pan Singh	Peon	Assistant Grade III	1-3-69
145.	Shri Madho Prasad	Watchman	Watchman	1-3-69
146.	Shri Daya Krishan Khangwal	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
147.	Shri B.K. Malvia	Watchman	Watchman	1-3-69
148.	Shri Krishan Singh	Watchman	Assistant Grade III(D)	1-3-69
149.	Shri Ram Charan S/o Shri Ram Lal	Sweeper	Sweeper	1-3-69
150.	Shri Aman Singh	Quality Inspector	Supervisor	1-3-69
151.	Shri Bishwanth	Watchman	Picker	1-3-69
152.	Shri Sankata Prasad	Do.	Dusting Operator	1-3-69
153.	Shri Dina Nath Misra	Do.	Watchman	1-3-69
154.	Safi Ahmed	Senior Godown Keeper	Godown Supdt.	1-3-69
155.	Shri A.B. Roy	Godown Clerk	Senior Godown Keeper	1-3-69
156.	Shri Mani Ram	——	Watchman	1-3-69
157.	Shri Kishan Bahadur	Watchman	Do.	1-3-69
158.	Shri Ram Avtar Sharma	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
159.	Shri R.B. Srivastava	Quality Inspector I	Quality Inspector I	1-3-69
160.	Shri Manjeet Singh	Godown Clerk	Junior Godown Keeper	1-3-69
161.	Shri R.N. Khara	Technical Asstt.	Technical Asstt.	1-3-69
162.	Shri Kuldip Singh Rai	Senior Godown Keeper	Senior Godown Keeper	1-3-69
163.	Shri Dalipa Ram	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
164.	Shri Kripa Ram	Do.	Do.	1-3-69
165.	Tika Chand Khanna	G/Operator	Do.	1-3-69
166.	Shri Brahm Dev Shah	Watchman	Watchman	1-3-69
167.	Shri Sher Bahadur	Do.	Do.	1-3-69
168.	Shri Gana Singh S/o Shri Ram Singh	Do.	Do.	1-3-69
169.	Ram Prasad S/o Shri Ghasita Ram	Do.	Do.	1-3-69
170.	Bishan Singh S/o Shri Umrao Singh	Sifter	Sifter	1-3-69
171.	Shri Raj Krishan S/o Shri Ganesh Dass	Do.	Do.	1-3-69
172.	Shri Pyara Lal S/o Shri Milkhi Ram	Sweeper	Sweeper	1-3-69

1	2	3	4	5
173.	Shri Pyare Lal S/o Shri Saroop Ram	Sweeper	Sweeper	1-3-69
174.	Shri Ram Bahadur S/o Shri Tej Bahadur	Watchman	Watchman	1-3-69
175.	Shri Sita Ram S/o Shri Dhan Singh	Do.	Do.	1-3-69
176.	Shri Murari Lal S/o Shri Mohan Singh	Do.	Do.	1-3-69
177.	Shri Jung Bahadur S/o Kuman Singh	Do.	Do.	1-3-69
178.	Shri Chandra Bhan S/o Shri Laxman Dass	Do.	Do.	1-3-69
179.	Shri Ghanshyam S/o Shri Dev Ram	Do.	Do.	1-3-69
180.	Shri Kaloo Ram S/o Shri Ram Bahadur	Do.	Do.	1-3-69
181.	Shri Subey Singh S/o Majeet Singh	Watchman	Watchman	1-3-69
182.	Shri Bal Krishan Gupta	Godown Clerk	Junior Godown Keeper	1-3-69
183.	Shri Duli Chand S/o Sheetal Pd.	Do.	Godown Clerk	1-3-69
184.	Shri Charan Singh S/o Puran Singh	Do.	Do.	1-3-69
185.	Shri Hari Singh S/o Ram Saroop	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
186.	Shri Bahadur Singh S/o Sripathi	Watchman	Watchman	1-3-69
187.	Shri Ganga Prasad S/o Ram Charan	Sweeper	Sweeper	1-3-69
188.	Shri Laxman	——	Watchman	1-3-69
189.	Shri Raj Karan Misra	——	Do.	1-3-69
190.	Shri Munna Lal	Sweeper	Sweeper	1-3-69
191.	Shri B.L. Aharwar	——	Junior Godown Keeper	1-3-69
192.	Shri Kanchan Singh	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
193.	Shri Kishan Chand	——	Dusting Operator	1-3-69
194.	Shri Shankar Singh	——	Watchman	1-3-69
195.	Shri Man Singh	——	Do.	1-3-69
196.	Shri Yad Ram	Watchman	Watchman	1-3-69
197.	Shri Krishan Gopal	——	Do.	1-3-69
198.	Shri Gopal Singh	Peon	Peon	1-3-69
199.	Shri Mohd. Ahmed	——	Godown Clerk	1-3-69
200.	Shri Raja Ram	Sweeper	Sifter	1-3-69
201.	Shri J.P. Mishra	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
202.	Shri Sarwan Kumar Singh Yadav	Do.	Do.	1-3-69
203.	Shri Krishan Nigam	Watchman	Watchman	1-3-69
204.	Shri Radhey Sham	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
205.	Shri Rama Kant	Watchman	Watchman	1-3-69
206.	Shri Ram Adhar Misra	Do.	Do.	1-3-69
207.	Shri Ishwar Chand	Quality Inspector	Quality Inspector	1-3-69
208.	Shri Mani Lal Sharma	Godown Clerk	Junior Godown Keeper	1-3-69
209.	Shri Bal Kishan	Sweeper	Sweeper	1-3-69
210.	Shri Om Prakash S/o Ramal Dass	Godown Clerk	Junior Godown Keeper	1-3-69
211.	Shri Kali Ram	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
212.	Shri Shiv Raj Singh	——	Do.	1-3-69

[No. 52/8/73-FC-III (Vol. V)]

D. KRISHNAMURTHI, Dy. Secy.

(ग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, 1 अप्रेल, 1976

का० आ० 1499.—केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और अंकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा जूट श्रेणीकरण और अंकन नियम 1971 को अधिक्रान्त करके, निम्नलिखित नियम बनाना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अपेक्षित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध कराई जाती है, 45 दिन की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना : (i) इन नियमों का नाम जूट श्रेणीकरण और अंकन नियम 1976 है।

2. ये निम्नलिखित को लागू होंगे : (1) कच्चा जूट, जिसमें से जड़ें सही काटी गई हैं और जिसे वाणिज्यिक रूप में सफेद जूट (कोरकोरस कैपसूलरिस) कहा जाता है।

(2) कच्चा जूट, जिसमें से जड़ें नहीं काटी गई हैं और जिसे वाणिज्यिक रूप में तोसा जूट और देशी जूट (कोरकोरस कैपसुलेरिस एल) कहा जाता है ।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(i) मध्य जड़ (बकछाल) से नरसल के बीच के भाग का कड़ा छाल वाला हिस्सा अभिप्रेत है जिसे नरम करने के लिए अतिरिक्त उपचार की अपेक्षा होती है,

(ii) रंग से रेशे का गुण धर्म अभिप्रेत है जो उसके रूप को लालिमा, पीलेपन, धूसरपन और तरसमान के रूप में सुभिन्न करता है ।

स्पष्टीकरण : (क) सफेद जूट के लिए रंग की परिभाषा जो नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में दी गई है, वह रंग होगी जो उस के स्तम्भ (2) तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, अर्थात् :—

सारणी

बहुत अच्छा . . .	हल्के क्रीम से सफेद
अच्छा . . .	क्रीम गुलाबी से भूरापन लिए सफेद
सामान्यतः अच्छा . .	भूरे से लालिमायुक्त सफेद साथ ही कुछ हल्का धूसर
सामान्य औसत . .	भूरे से हल्का धूसर
औसत . . .	धूसर से गहरा धूसर

(ख) तोसा जूट के लिए रंग की परिभाषा, जो नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में दी गई है, वह रंग होगी जो उसके स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, अर्थात् :—

सारणी

(1)	(2)
बहुत अच्छा . . .	सुनहरे से लालिमायुक्त सफेद
अच्छा . . .	लालिमायुक्त से भूरापन लिए सफेद
सामान्यतः अच्छा . .	लालिमायुक्त से भूरा, साथ ही कुछ हल्का धूसर
सामान्य औसत . .	हल्के धूसर से ताम्र रंग का
औसत . . .	धूसर से गहरा धूसर

(ग) देशी जूट के लिए रंग की परिभाषा, जो नीचे दी सारणी के स्तम्भ (1) में दी गई है, वह रंग होगी जो उसके स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, अर्थात् :—

सारणी

1	2
बहुत अच्छा . . .	लालिमायुक्त
अच्छा . . .	लालिमायुक्त में भूरापन लिए हुए, साथ ही कुछ हल्का धूसर
सामान्यतः अच्छा . .	भूरा, हल्का धूसर, साथ ही कुछ धूसर
सामान्य औसत . .	हल्का धूसर
औसत . . .	धूसर से गहरा धूसर

(iii) "क्षारीय रेशा" से असावधानी में गलाये जाने के कारण, ऊपरी छोरों पर खुदरा और कड़ा (किन्तु छाल वाला नहीं) रह जाने वाला रेशा अभिप्रेत है;

(iv) 'मलीन रेशा' से ऐसा रेशा अभिप्रेत है जो कमजोर और देखने में मलीन है, जो प्राय नम अवस्था में भण्डार किए जाने से ऐसे हो जाते हैं;

(v) "मघन" से रेशे के वायु अपकाशों सहित उसके प्रति एकक आयतन की संहति अभिप्रेत है;

(vi) "प्रभावी तरसल लम्बाई" से जड़े और सिरा निकाल दिए जाने के पश्चात तरसल की लम्बाई अभिप्रेत है;

(vii) "उलझी हुई छड़ें" से टूटी हुई छड़े जो रेशा समूह से जुड़ी हो और आसानी से निकाली न जा सकें, अभिप्रेत हैं;

(viii) "सूक्ष्मता" से व्यास (चौड़ाई) का माप और या रेशा तंतु की प्रति एकक लम्बाई का भार अभिप्रेत है;

(ix) "गोंदी रेशे" से न धुले हुए पैक्टिनस द्रव्य से एक साथ चिपका रेशा अभिप्रेत है;

(x) "हुका" से बहुत कड़ा छाल वाला रेशा, जो नरसल के निचले छोर से आकर लगभग उसके सिरे तक गया हो, अभिप्रेत है,

(xi) "गाठ" से तन्तु गुच्छ काय पर कठोर छालदार बिन्दु जो कि खोली जाने पर रेशे की निरन्तरता को समाप्त करते हैं, अभिप्रेत हैं;

(xii) "पत्ती" से गहरा धूसर पत्तेदार या कागज जैसा पदार्थ (पौधे खुले आवरण के अवशेष) जो तन्तु गुच्छ में दिखाई दें, अभिप्रेत है;

(xiii) "खुले पत्ते" से वे पत्ते अभिप्रेत हैं जो रेशे पर शल्य पड़े हो और हिलाकर असासानी से हटाये जा सकें;

(xiv) "खुली छड़ें" से टूटी हुई छड़े, जो कि हिलाई जाने से आसानी पूर्वक अलग की जा सकें, अभिप्रेत है;

(xv) "चमक" से सामान्य प्रकाश में रखने पर रेशे से परावर्तित होने वाला प्रकाश अभिप्रेत है । जूट में अधिक चमक साधारणतया एक अच्छी क्वालिटी के रेशे का लक्षण है,

(xvi) "मुख्य दोष" से मध्य जड़, मलीन तथा अति गला रेशा, धावक, गांठें, मोसीय रेशे और उलझी हुई छड़ें अभिप्रेत हैं;

(xvii) "लघुदोष" से कमजोर क्षारीय छोर, गोंदी रेशा, खुले पत्ते, खुले छड़े और चिटियां अभिप्रेत हैं;

(xviii) "मोसीय रेशा" से ऐसी वनस्पति अभिप्रेत है जो कि कभी कभी बाढ़ के समय जूट के पौधों से संलग्न हो जाती है, गलाने और धोने के पश्चात भी जूट के रेशे पर इनके कुछ भाग शेष रह जाते हैं । यह हाथ से अलग किया जा सकता है;

(xix) "प्राकृतिक धूल" से वह धूल जो कि उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान रेशे के साथ लग जाय, अभिप्रेत है;

(xx) "अति गला रेशा" से ऐसा रेशा, जो कि अधिक गलने के कारण विघटन में अपनी शक्ति और चमक खो चुका है, अभिप्रेत है;

(xxi) "पार्सल" से ऐसा परेषण अभिप्रेत है जिसमें निश्चित संख्या में गांठें, बंडल या ढेर हो;

(xxii) "नरमल" से जूट के किसी एक जूट पौधे की रेशा प्रणाली अभिप्रेत है;

(xxiii) "नरमल" की लम्बाई से नरमल की सम्पूर्ण लम्बाई, जिसमें जड और सिरा सम्मिलित हैं, अभिप्रेत है;

(xxiv) "जड" से नरमल के निचले छोर पर कड़ा छाल वाला भाग जिसे नरम करने के लिए अतिरिक्त उपचार की अपेक्षा होती और जिसे सामान्यतया "कटिंग" कहा जाता है, अभिप्रेत है,

(xxv) "धूनर" से निचले छोर से मध्य भाग तक लगभग लगातार फैला कड़ा छाल वाला रेशा अभिप्रेत है,

(xxvi) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है,

(xxvii) "चित्तिया" से काय में मुलायक छालदार बिन्दु अभिप्रेत है जहां रेशा, बिना विछिन्न किए, कुछ जोर लगाकर पृथक किया जा सके, यद्यपि वे कमजोर स्थल के रूप में रहे;

(xxviii) "डठल" से जूट पौधों के काष्ठीय भाग के अवशेष, जिस पर रेशे का छादन बनता है, अभिप्रेत है

(xxix) "शक्ति" से रेशे की बाह्य खिंचाव से पड़ने वाले तनाव या टूटने का प्रतिरोध करने की सामर्थ्य अभिप्रेत है

(xxx) "कमजोर क्षापी रेशा" से ऐसा रेशा अभिप्रेत है जो 30 सैं० मी० से अधिक लम्बा हो और जिसका ऊपरी सिरा अत्यधिक कमजोर हो चुका हो ।

3. श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट व्यापार --वर्णनों के जूट के लक्षण और क्वालिटी उपदर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान 1 और 2 के स्तम्भ में बताये गये है ।

4 क्वालिटी की परिभाषाएं श्रेणी अभिधानों द्वारा वर्णित की ग क्वालिटी की परिभाषाएं अनुसूची 1 और 2 के स्तम्भ (2) से (7) तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

5 श्रेणी अभिधान चिह्न जूट की प्रत्येक गांठ पर लगाया जाने वाला श्रेणी अभिधान चिह्न ऐसे लेबल के रूप में होगा जिस पर अनुसूची 3 में दी गई श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट करने वाली डिजाइन होगी ।

6 अंकन की पद्धति जूट की प्रत्येक गांठ पर श्रेणी अभिधान चिह्न भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से मजबूती से लगाया जाएगा । श्रेणी अभिधान चिह्न के अतिरिक्त, लेबल, पर निम्नलिखित विशिष्टियां स्पष्ट रूप से अंकित की जाएंगी, अर्थात् --

(क) क्रम संख्या

(ख) जूट का वर्णन

(ग) फसल वर्ष

(घ) बेलने की तारीख और

(ङ) पैकिंग का स्थान ।

7 पैकिंग की पद्धति जूट को भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रूढ़िगत भार की गांठों में पैक किया जाएगा ।

†सफेद, तोसा और देशी बिना कटे भारतीय जूट के श्रेणीकरण के लिए भारतीय मानक विनिर्देश--आई० एस० . 271 (डी० ओ० सी० टी० डी० सी० (1597) का द्वितीय पुनरीक्षण--से लिया गया।

अनुसूची 1

(नियम 3 और 4 देखिए)

सफेद जूट की प्रत्येक श्रेणी के लिए अपेक्षाएं

श्रेणी अभिधान	शक्ति	दोष	अधिकतम जड मात्रा (भार द्वारा प्रतिशत)	रंग	सूक्ष्मता	सवलता	कुल स्कोर
1	2	3	4	5	6	7	8
सफेद-1	बहुत अच्छी (26)	मुख्य दोषों और लघु दोषों से मुक्त (22)	10 (33)	बहुत अच्छा (12)	अति सूक्ष्म (5)	गुरु-काय (2)	100
सफेद-2	अच्छी (22)	मुख्य दोषों और लघु दोषों से मुक्त (22)	15 (28)	अच्छा (9)	सूक्ष्म (2)	गुरु-काय (2)	85
सफेद-3	सामान्यत अच्छी (18)	कुछ खुले पत्तों और कुछ चित्तियों को छोड़कर मुख्य दोषों और लघु दोषों से मुक्त (18)	20 (24)	सामान्यत अच्छा	अच्छी तरह रेशा पृथक्कृत (1)	मध्य काय	69
सफेद-4	सामान्य औसत (14)	मुख्य दोषों से मुक्त और सारत चित्तियों और खुली छड़ों से मुक्त (14)	26 (20)	सामान्य औसत (4)	अच्छी तरह पृथक्कृत रेशे (1)	मध्य काय (1)	54
सफेद-5	औसत (10)	मुख्य दोषों से मुक्त (10)	36 (16)	औसत (3)	--	--	39

1	2	3	4	5	6	7	8
सफेद- 6	औसत (10)	मध्य जड़ और मलीन/ग्रंथि गले रेशे से मुक्त और पर्याप्त रूप से उलझी हुई छड़ों से मुक्त (4)	46 (12)	--	--	--	26
सफेद- 7	कमजोर-मिश्रित (3)	--	57 (9)	--	--	--	12
				--	--	--	0
सफेद-8	उलझा हुआ या अन्य किसी प्रकार का जूट जो उपरोक्त श्रेणियों में से किसी भी श्रेणी के लिए उपयुक्त नहीं है किन्तु जिसका वाणिज्यिक मूल्य है						

टिप्पणी 1--श्रेणीकरण की गुणांकन कार्ड पद्धति अनुध्यान है । प्रत्येक क्वालिटी लक्षण का सापेक्ष गुरुत्व स्तम्भ (2) से (7) में कोष्ठक में दर्शित की गई है ।

टिप्पणी 2--नरसल की लम्बाई कम से कम 150 से० मी० होनी चाहिए, अथवा सफेद 8 को छोड़ कर, प्रभावी नरसल लम्बाई 100 से० मी० से कम नहीं होनी चाहिए ।

टिप्पणी 3--जूट सूखा और भण्डारकरण योग्य होना चाहिए ।

टिप्पणी 4--जूट, ढूंका, कीचड़ और अन्य बाह्य पदार्थों से मुक्त होना चाहिए ।

टिप्पणी 5--श्रेणी सफेद 5 से सफेद 8 तक में प्राकृतिक धूल, आनुपातिक कटौती के साथ, अनुज्ञात की जा सकती है ।

टिप्पणी 6--जड़ अंश में कड़े छाल वाले कापी सिरे सम्मिलित होंगे ।

टिप्पणी 7--(क) शक्ति मूल्यों की तुलना के लिए अनुमानतः बराबर आकार के रेशे के गुच्छे को अलग अलग बराबर दूरी पर रखा जाएगा और बिना झटके के लम्बाई में तोड़ा जाएगा । रेशे की अच्छी चमक भी रेशे की अच्छी शक्ति दर्शाती है ।

(ख) भार प्रतिशत के रूप में जड़ अंश का निर्णय लम्बाई के साथ छाल की मात्रा देखकर किया जाएगा ।

(ग) रेशे की सघनता या गुरु-कायता का निर्धारण अनेक रेशा नरसलों को एक साथ पकड़ में लेकर उन्हें ऊपर नीचे करके उनकी गुरुता के आधार पर किया जाएगा ।

टिप्पणी 8--जूट का जो पार्सल किसी श्रेणी विशेष के लिए पूरे अंक नहीं पाएगा, उसे तब भी क्रेता और विक्रेता के बीच निर्धारित की जाने वाली उपयुक्त कटौती के साथ उसी श्रेणी के लिए विचारगत किया जाएगा परन्तु यह तब जब कि उसका स्कोर उसके और उससे ठीक निचली श्रेणी के अधिकतम स्कोरों के बीच के अन्तर का 50 प्रतिशत या अधिक न हो । जब स्कोर अन्तर के 50 या अधिक प्रतिशत से कम है तो क्रेता को उसे अस्वीकार करने या उपयुक्त कटौती के साथ तय करने का विकल्प प्राप्त होगा ।

टिप्पणी 9--अनुसूची 1 के स्कोरों को सफेद जूट के लिए कटौती निर्धारित करने के लिए मार्ग दर्शक के रूप में लिया जाएगा ।

अनुसूची 2

(नियम 3 और 4 देखिए)

तोसा और देशी जूट की प्रत्येक श्रेणी के लिए अपेक्षाएं

श्रेणी अभिधान	शक्ति	दोष	अधिकतम जड़ मात्रा (भार द्वारा (प्रतिशत)	रंग	सूक्ष्मता	सघनता	कुल स्कोर
1	2	3	4	5	6	7	8
तो० दे०- 1	बहुत अच्छी (26)	मुख्य दोषों या लघु दोषों से मुक्त (22)	5 (33)	बहुत अच्छा (12)	अति सूक्ष्म (5)	गुरुकाय (2)	100
तो० दे०- 2	अच्छी (22)	मुख्य दोषों या लघु दोषों से मुक्त (22)	10 (28)	अच्छा (9)	सूक्ष्म (2)	गुरुकाय (2)	85
तो० दे०- 3	सामान्यतः अच्छी (18)	कुछ खुले पत्तों और कुछ चित्तियों को छोड़कर मुख्य दोषों या लघु दोषों से मुक्त (18)	15 (24)	सामान्यतः अच्छा (7)	अच्छी तरह पृथककृत रेशे (1)	मध्यकाय (1)	69
तो० दे०- 4	सामान्य औसत (14)	मुख्य दोषों से मुक्त, और सारतः चित्तियों और खुली छड़ों से मुक्त (14)	20 (20)	सामान्य औसत (4)	अच्छी तरह पृथककृत रेशे (1)	मध्य काय (1)	54
							39
तो० दे०- 5	औसत	मुख्य दोषों से मुक्त (10)	26 (16)	औसत (3)	--	--	26

1	2	3	4	5	6	7	8
तो० दे०-6	औसत (10)	मध्य जड़ और मलीन/अति गले रेशे से मुक्त और पर्याप्त रूप से उलझी हुई छड़ों से मुक्त (4)	35 (12)	--	--	--	-- 13
तो० दे०-7	कम और मिश्रित (4)	--	42 (9)	--	--	--	0
तो० दे०-8	उलझा हुआ या अन्य किसी प्रकार का जूट जो उपरोक्त श्रेणियों में से किसी भी श्रेणी के लिए उपयुक्त नहीं है किन्तु जिसका वाणिज्यिक मूल्य है।						

टिप्पणी 1--श्रेणीकरण की गुणांकन कार्ड पद्धति अनुध्यान है। प्रत्येक क्वालिटी लक्षण की सापेक्ष गुरुता स्तम्भ (2) से (7) में कोष्ठक में दर्शाई गई है।

टिप्पणी 2--नरसल की लम्बाई कम से कम 150 से० मी० की होनी चाहिए अथवा तोसा देशी 8 को छोड़कर प्रभावी लम्बाई 100 से० मी० से कम नहीं होनी चाहिए।

टिप्पणी 3--जूट सूखा भंडारकरण योग्य होना चाहिए।

टिप्पणी 4--जूट, हंका, कीचड़ और अन्य बाह्य पदार्थों से मुक्त होना चाहिए।

टिप्पणी 5--श्रेणी तोसा देशी 5 से तोसा देशी 8 तक में प्राकृतिक धूल आनुपातिक कटौती के साथ अनुमुक्त की जा सकती है।

टिप्पणी 6--जड़ अंश में कड़े छाल वाले कापी सिरे सम्मिलित होंगे।

टिप्पणी 7--(क) शक्ति मूल्यों की तुलना के लिए अनुभानत. बराबर आकार के रेशे के गुच्छे को अलग-अलग बराबर दूरी पर रखा जाएगा और बिना झटके के लम्बाई में तोड़ा जाएगा। रेशे की अच्छी चमक भी रेशे की अच्छी शक्ति दर्शाती है।

(ख) भार प्रतिशत के रूप में जड़ अंश का निर्णय लम्बाई के साथ छाल की मात्रा देखकर किया जाएगा।

(ग) रेशे की सघनता या गुरु-कायता का निर्धारण, अनेक रेशा नरसलों को एक साथ पकड़ में लेकर उन्हें ऊपर नीचे करके उनकी गुरुता के आधार पर किया जाएगा।

टिप्पणी 8--जूट का जो पार्सल किसी श्रेणी विशेष के लिए पूरे अंक नहीं पाएगा उसे तब भी क्रेता और विक्रेता के बीच निर्धारित की जाने वाली उपर्युक्त कटौती के साथ उसी श्रेणी के लिए विचारगत किया जाएगा परन्तु यह तब जब कि उसका स्कोर उसके और उससे ठीक निचली श्रेणी के अधिकतम स्कोरों के बीच के अन्तर का 50 या अधिक प्रतिशत से कम न हो तब स्कोर अन्तर के 50 (या अधिक) प्रतिशत से कम है तो क्रेता को उसे अस्वीकार करने या उपयुक्त कटौती के साथ तय करने का विकल्प प्राप्त होगा।

टिप्पणी 9--अनुसूची 2 के स्कोरों को तोसा और देशी जूट के लिए कटौती निर्धारित करने के लिए मार्ग दर्शक के रूप में लिया जाएगा।

[सं० 13-11/75-ए०एम०]

आर० एल० बखशी, अवर सचिव

(Department of Rural Developmen

New Delhi, the 1st April, 1976

S. O. 1499.—The following draft rules which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and in supersession of the Jute Grading and Marking Rules, 1971, are published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of fortyfive days from the date on which the copies of the official gazette in which this notification is published,are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified, will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and application:—(1)These rules may be called the Jute Grading and Marking Rules, 1976.*

(2) They shall apply to—

(i) raw jute from which roots have not been cut, known commercially as White jute (Corchorus capsularis) ;

(ii) raw jute from which roots have not been cut, known commercially as Tossa and Daisee jute (Corchorus ciltorius).

2. Definitions:—In these rules, unless the context otherwise requires,

(i) "centre-root (Bukchhal)" means the hard barky region into the middle part of the reed which requires additional softening treatment;

(ii) "colour" means the property of a fibre which distinguishes its appearance as redness, yellowness, greyness and the like.

EXPLANATION: (a) Terminology of colour for white jute as given in column (1) of the table below shall be the colour as specified in the corresponding entry in column (2) thereof, namely:—

TABLE

(1)	(2)
Very good . .	Light creamy to white.
Good . .	Creamy pink to brownish white.
Fairly good .	Brownish to reddish white with some light grey.
Fair average .	Brownish to light grey.
Average . .	Grey to dark grey.

(b) Terminology of colour for Tossa jute as given in column (1) of the Table below shall be the colour as specified in the corresponding entry in column (2) thereof, namely:—

TABLE

(1)	(2)
Very good . .	Golden to reddish white.
Good . .	Reddish to brownish white.

(1)	(2)
Fairly good.	Reddish to brownish with some light grey.
Fair average	Light grey to copper colour.
Average	Grey to dark grey.

(c) Terminology of colour for Daisee jute as given in column (1) of the Table below shall be the colour as specified in the corresponding entry in column (2) thereof, namely:—

TABLE

(1)	(2)
Very good	Reddish.
Good	Reddish to brownish with some light grey.
Fairly good	Brownish/light grey with some grey.
Fair average	Light grey.
Average	Grey to dark grey.

(iii) "croppy fibre" means the fibre with top ends rough and hard (but not barky) caused by careless retting;

(iv) "dazed fibre" means the fibre which is weak in strength and dull in appearance, due usually to being stored in moist condition;

(v) "density" means mass per unit volume of the fibre including its air-spaces;

(vi) "effective reed length" means the length of the reed after the root and crop and have been removed;

(vii) "entangled sticks" means broken sticks which are linked with fibre-mass and are not easily removable;

(viii) "fineness" means a measure of diameter (width) and/or weight per unit length of the fibre filament;

(ix) "gummy fibres" means the fibre held together by undissolved pectinous matter;

(x) "hunka" means the very hard barky fibre running continuously from the lower end to almost the tip of the reed;

(xi) "knots" means stiff barky spots in the body of the strand, which break the continuity of fibre, when opened;

(xii) "leaf" means dark grey leafy or paper-like substance (remnants of loosened skin of the plant) appearing on the strand;

(xiii) "loose leaves" means the leaves that lie loosely on the fibre and are easily removable;

(xiv) "loose sticks" means broken stocks which are easily removable by shaking;

(xv) "lustre" means display of light reflected from fibre exposed to normal light. Higher lustre in jute is generally a characteristic of a better quality fibre;

(xvi) "major defects" means centre-root, dazed and over-retted fibre, runners, knots, mossy fibres and entangled sticks;

(xvii) "minor defects" means weak croppy and, gummy fibre, loose leaf, loose sticks and specks;

(xviii) "mossy fibre" means a type of vegetation, which sometimes gets attached to the jute plant during flood condition; portions of it may remain on the jute fibre even after retting and washing. It can be separated by hand;

(xix) "Natural dust" means the dust which might get associated with the fibre during the process of its production;

(xx) "over-retted fibre" means the fibre which has lost its strength and brightness on decomposition due to long retting;

(xxi) "parcel" means a consignment containing a certain number of bales, bundles or drums;

(xxii) "reed length" means the fibre system from one individual jute plant;

(xxiii) "reed length" means the entire length of the reed including the root and tip;

(xxiv) "root" means the hard barky region at the lower end of the reed which requires additional softening treatment and is normally known as "Cuttings";

(xxv) "runners" means the hard barky fibre running from the lower end to the middle region, more or less continuously;

(xxvi) "schedule" means a schedule appended to these rules;

(xxvii) "specks" means soft barky spots in the body where fibres can be separated with some effort without breaking their continuity, though they may remain as weak spots;

(xxviii) "sticks" means remnants of woody part of jute plants over which fibre sheath is formed;

(xxix) "strength" means the ability of the fibre to resist, strain or rupture induced by external forces;

(xxx) "weak croppy fibre" means fibre over a length of about 30 cms., the top and of which has become unusually weak.

3. Grade designations:—The grade designations to indicate the characteristics and quality of jute of specified trade-descriptions are set out in column (1) of Schedules I and II.

4. Definitions of quality: The definitions of quality indicated by the grade-designations are specified in column (2) to (7) of Schedules I and II.

5. Grade designation mark:— The grade designation mark to be applied to each bale of jute shall consist of a label bearing the design set out in Schedule III specifying the grade designation.

6. Method of marking:—The grade designation mark shall be securely attached to each bale of jute in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India. In addition to the grade designation mark, the following particulars shall be clearly marked on the label, namely:—

(a) Serial number.

(b) Description of the jute,

(c) Year of harvest,

(d) Date of pressing,

(e) Place of packing.

7. Method of packing:—Jute shall be packed in bales of customary weight approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

*Adopted from Indian Standards Specification for Grading of white, Tossa and Daisee un-cut Indian Jute—Second Revision of IS : 271 [Doc : TDC (1597).]

SCHEDULE I

(*See* rule 3 and 4)

Requirements for each grade of white jute

Grade Designation	Strength	Defects	Maximum Root content (Per cent by weight)	Colour	Fineness	Density	Total Score
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
W1	Very good (26)	Free from major and minor defects (22)	10 (33)	Very good (12)	Very fine (5)	Heavy bodies (2)	100
W2	Good (22)	Free from major and minor defects (22)	15 (28)	Good (9)	Fine (2)	Heavy bodied (2)	85
W3	Fairly good (18)	Free from major and minor defects except some loose leaf and a few specks 18	20 (24)	Fairly good (7)	Fibres well separated (1)	Medium bodied (1)	69
W4	Fair average (14)	Free from major defects and substantially free from specks and loose sticks (14)	26 (20)	Fair average (4)	Fibres well separated (1)	Medium bodied(1)	54
W5	Average (10)	Free from major defects (10)	36 (16)	Average (3)	..	..	39
W6	Average (10)	Free from centre roots and dazed/over retted fibre and reasonably free from entangled sticks (4)	46 (12)	..	..	..	26
W7	Weak mixed (3)	—	57 (9)	..	..	..	..
W8	Entangled or any other jute not suitable for any of the above grades but of commercial value. 8						

NOTE 1: A score card system of grading is envisaged. Relative weightage to each of the quality characteristics is indicated in parenthesis is columns (2) to (7)

NOTE 2: The minimum reed Length should be 150 cm. or the effective reed-length should not be less than 100 cms, except for W8.

NOTE 3: Jute shall be in dry and storable condition.

NOTE 4: Jute shall be free from Hunka, Mud and other foreign materials.

NOTE 5: Natural dust may be allowed in grades W5 to W8 with proportionate discount.

NOTE 6: Root content shall include hard barley croppy ends.

NOBE 7: (a) For compairing strength values a tuft of fibre of approximately equal size, shall be held equal distance apart and broken longitudinally without jerk; good lustre of fibre is also an indicator of good fibre strength.

(b) Root content in terms of weight percentage shall be judged by observing the extent of barks along the length,

(c) Density or the heavy bodiedness of fibre shall be assessed by the heaviness of a number of fibre reeds held within a grip and raised up and down.

NOBE 8: A parcel of jute which would not score full marks for a particular grade shall still be considered for that grade with suitable discount to be settled between the buyer and the seller, provided its store is not less, by 50 (or more) per cent of the difference between the maxiumum scores for that and the next lower grade. When the score is less by 50 (or more) per cent of the difference the buyor shall have option to reject or settle witk suitable discount.

NOTE 9: Scores on Schedule I shall be taken as guidance for determining the discount, for white jute.

SCHEDULE II

(See rules 3 and 4)

Requirements for each grade of Tossa and Daisee jute

Grade Designation	Strength	Defects	Maximum Root conetent (per cent by weight)	Colour	Fineness	Density	Total score
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
TD1. . . .	Very good (26)	Free from major or minor defects (22)	5 (33)	Very good (12)	Very fine (5)	Heavy bodied (2)	100
TD2 . . .	Good (22)	Free from major or minor defects (22)	10 (28)	Good (9)	Fine (2)	Heavy bodied (2)	85
TD3 . . .	Fairly good (18)	Free from major or minor defects except some loose leaf and a few specks (18)	15 (24)	Fairly Good (7)	Fibre well separated. (1)	Medium bodied (1)	69
TD4 . . .	Faily average (14)	Free from major defects and substantially free specks and and loose sticks (14)	20 (20)	Faily average (4)	Fibre well. separate- (1)	Medium bodied (1)	54
TD5 . . .	Average (10)	Free from major defects	26 (16)	Average (3)	..	..	39
TD6 . . .	Average (10)	Free from centre root and dazed/over retted fibre and reasonably free from entangled sticks.	35 (12)	..	..	..	26
TD7 . . .	Weak mixed (4)	—	42 (9)	..	..	.	13
TD8	Entangled or any other jute not suitable for any of the above grades but of commercial value.						

NOTE 1: A score card system of grading is envisaged. Relative weightage to each of the quality characteristics in indicated in parenthesis is colmuns (2) to (7).

NOTE 2: The minimum reed-length should be 150 cm or the effective reed-length should not be less than 100 cm. except for TD8

NOTE 3: Jute shall be in dry and strorable condition.

NOTE 4: Jute shall be free from Hunka, Mud and other foreign materials.

NOTE 5: Natural dust may be allowed in grades TD5 to TD8 with proportionate discount.

NOTE 6: Root content shall include hard barky croppy ends.

NOTE 7: (a) For comparing strength values a tuft of fibre, of approximately equal size, shall be held equal distance apart and broken longitudinally without merk; good lusturs of fibre is also an indicator of good fibre strength;

(b) Root content in terms of weight percentage shall be judged by observing the extent of barks along the length;

(c) Density or the havey bodiedness of fibre shall be assessed by the heaviness of a number of fibre reeds held within grip and raised up and down.

NOTE 8: A parcel of jute which would not score full marks for a particular grade shall still be considered for that grade with suitable discount to be settled between the buyer and the seller, provided its score is not less, by 50 (or more) per cent of the difference between the maximum scores for that and the next lower grade, when the score is less by 50 (or more) per cent of the difference the buyer shall have option to reject or settle with suitable discount.

NOTE 9: Scores on Schedule II may be taken as guidance for determining the discounts for Tossa and Daisee jute.

SCHEDULE III
(See rule 5)

[No. 13—11/75. AM]

R. N. BAKSHI, Under Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1976

का० आ० 1500.—अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एयर मार्शल एच०सी० दीवान (सेवा-निवृत) को 1 अप्रैल, 1976 से भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[सं० ए०वी०-24012/4/75-ए०ए०]

सी० एल० ढींगरा, उप-सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th April, 1976

S.O. 1500.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971) the Central Government hereby appoints Air Marshal H.C. Dewan, (retired), as Chairman of the International Airports Authority of India with effect from 1st April, 1976.

[No. AV-24012/4/75-AA]

C. L. DHINGRA Dy. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1976

का० आ० 1501.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने बेतिया टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-5-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-32/75-पी०एच०बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
(P&T Board)

New Delhi, the 8th April, 1976

S.O. 1501.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs hereby specifies the 1-5-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Bettiah Telephone Exchange, Bihar Circle.

[No. 5-32/75-PHB]

का० आ० 1502.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार, नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने बसीरहट टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-5-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-14/76-पी०एच०बी०]

S.O. 1502.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-5-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Basirhat Telephone Exchange, West Bengal Circle.

[No. 5-14/76-PHB]

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1976

का० आ० 1503.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने पनरुटी टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-5-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-10/76 पी०एच० बी०]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक

New Delhi, the 14th April, 1976

S.O. 1503.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-5-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Panruti Telephone Exchange, Tamil Nadu Circle.

[No. 5-10/76-PHB]

P.C. Gupta, Asstt. Director Gen.

रेल मंत्रालय

(रेल बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1976

का० आ० 1504.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 47 की उपधारा (1) के खंड (ब) और (छ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) की अधिसूचना सं० टी० सी० 111/3036/ तारीख 28 अगस्त, 1958 के साथ प्रकाशित रेल (भाण्डागारण और घाटभाड़ा) नियम, 1958 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात :—

1. (1) इन नियमों का नाम रेल (भाण्डागारण और घाटभाड़ा) तृतीय संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये 15 मई, 1976 को प्रवृत्त होंगे।

2. रेल (भाण्डागारण और घाटभाड़ा) नियम, 1958 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"3. पशु, कुक्कुट और पक्षियों पर घाटभाड़ा :

पशुओं, कुक्कुट और पक्षियों पर, किसी स्टेशन पर उनके प्राप्त किए जाने के समय से पांच घंटों के अवसान पर, निम्नलिखित दरों पर घाटभाड़ा प्रभारित किया जाएगा, अर्थात् :—

(1) पशु —प्रति घंटा या इसके किसी भाग के लिए पन्द्रह पैसे प्रति पशु

टिप्पण :—मूल पशुओं के साथ निशुल्क ले जाए जाने वाले स्तन्यपायनों या बछड़ों पर भी घाटभाड़ा प्रभार उद्ग्रहणीय है।

(2) टोकरियों, क्रेटों या पिंजरों में कुक्कुट या पक्षी प्रति पच्चीस क्यूबिक डैसी मीटर या उसके भाग के लिए प्रति घंटे या इसके भाग के लिए दस पैसे।

(3) टोकरियों, क्रेटों या पिंजरों में से भिन्न कुक्कुट या पक्षी प्रति घंटे या उसके भाग के लिए दस पैसे प्रति।

ये प्रभार, पशुओं, कुक्कुट और पक्षियों के पोषण में हुए खर्चों के अतिरिक्त होंगे।

किसी भी परिस्थिति में, जीवित पशुओं को उनके गंतव्यस्थान पर पहुंचने के समय से चौबीस घंटों के भीतर रेलवे परिसरों से हटा दिया जाएगा, ऐसा करने में असफल रहने पर, उनका व्ययन, भारतीय रेल अधिनियम, 1890 की धारा 56 की उपधारा (2) में अन्तर्विष्ट उपबन्धों के अनुसार कर दिया जाएगा।"

3. उक्त नियमों के नियम 6 में, सारणी में, (क) मद (2) के सामने, स्तम्भ (2) में, प्रविष्टि (झ) के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

(ञ) एक दल द्वारा उतराई के लिए एक ही समय पर रखे गये, चार पहिये वाले 30 बी०जी०टैंक वैगनों या 20 एम०जी० बोगी टैंक वैगनों (40 यूनिट) से कम के एक समूह की दशा में, उतराई के लिए सही स्थिति में वैगनों के रखे जाने के समय से पांच काम के घंटे ;

(ट) एक दल द्वारा उतराई के लिए एक ही समय पर रखे गये चार पहिए वाले 30 से 45 के मध्य बी०जी० टैंक वैगनों या बीस या अधिक एम०जी०बोगी टैंक वैगनों (40 यूनिट या अधिक) के एक समूह की दशा में, उतराई के लिए सही स्थिति में वैगनों के रखे जाने के समय से आठ काम के घन्टे ;

(ठ) एक दल द्वारा उतराई के लिए एक ही समय पर रखे गए चार पहिए वाले 45 बी०जी० टैंकों से अधिक के एक समूह की दशा में, उतराई के लिए सही स्थिति में वैगनों के रखे जाने के समय से दस काम के घंटे ;

(ड) बिटुमैन टैंक वैगनों की दशा में, उतराई के लिए सही स्थिति में वैगनों के रखे जाने के समय से, मार्च से नवम्बर के नौ ग्रीष्म मासों के दौरान आठ काम के घंटे और दिसम्बर, जनवरी और फरवरी के तीन सर्दी के मासों में बारह काम के घंटे;"

(ख) प्रविष्टि (ञ) को प्रविष्टि (ड) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा,

(ग) स्तम्भ 4 में, (स्तम्भ 2 के अन्तर्गत) प्रविष्टि (ञ) से (ठ) के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"उतराई के लिए रखे गए टैंक वैगनों के सम्पूर्ण समूह को, उन दशाओं में जहां पांच घंटे से अधिक निशुल्क समय अनुज्ञात किया जाता है एक समूह समझा जाएगा अर्थात चार पहिए वाले बी०जी०टैंकों के तीस या अधिक के समूह और 20 या अधिक एम०जी०बोगी टैंकों में से यदि एक भी वैगन विहित निशुल्क समय के पश्चात उतराई के लिए निरुद्ध किया जाता है तो उस समूह के सभी टैंक वैगनों पर विलम्ब-शुल्क उद्ग्रहीत किया जाएगा।"

(घ) स्तम्भ (1) के अंतर्गत मद (iv) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

"(iv) उन वैगनों पर जो कोलियरी और धावन पार्श्व में लदान के लिए या कोयले की उतराई के लिए प्रतीक्षा कर रहें हैं।"

4. उक्त नियमों के नियम 7 के उपनियम (क) के नीचे संलग्न सारणी में, दो बार आने वाले "20 पै०", "25 पै०", और "30 पै०" अंकों और अक्षरों के स्थान पर क्रमशः "25 पै०", "30 पै०" और "35 पै०" अंक और अक्षर रखे जाएंगे।

5. उक्त नियमों के नियम 14 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् —

"इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, धाट भाड़ा निम्नलिखित रूप में संगणित किया जाएगा :—

(i) परेषण के वास्तविक भार पर, यदि परेषण का भार ज्ञात हो;

(ii) परेषण के प्रभार्य भार पर (क) यदि परेषण का भार ज्ञात न हो, और

(ख) यदि परेषण माल, टैरिफ से संबंधित साधारण नियम के नियम 164 के उपनियम (1) के अंतर्गत आता हो।"

[सं०टी०सी०I/201/71/9]

ए० एस० गुप्ता, सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 22nd March, 1976

S.O. 1504.—In exercise of the powers conferred by clauses (f) and (g) of sub-section (1) of section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways (Warehousing and Wharfage) Rules, 1958, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) No. TCIII/3036/58/Notification, dated the 28th August, 1958, namely :—

(1) These rules may be called the Railways (Warehousing and Wharfage) Third Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the 15th day of May, 1976.

2. For rule 3 of the Railways (Warehousing and Wharfage) Rules, 1958 (hereinafter referred to as the said rules), the following rule shall be substituted, namely :—

"3. Warfage on animals, poultry and birds.—Wharfage shall be charged on animals, poultry and birds, after the expiration of five hours from the time at which they are received at a station at the following rates namely :—

(i) Animals.—Fifteen paise per animal per hour or part of an hour.

Note.—Wharfage charge is also leviable on sucklings or calves carried free with their parent animals

(ii) Poultry or birds in baskets, crates or cages.—Ten paise per twenty five cubic decimeters or part thereof per hour or part of an hour.

(iii) Poultry or birds otherwise than in baskets, crates or cages.—Ten paise per head per hour or part of an hour.

These charges shall be in addition to any expenses entailed in feeding the animals, poultry and birds.

Under any circumstance, live animals shall be removed from the railway premises within twenty-four hours from the time of their arrival at destination, failing which they may be disposed of in accordance with the provisions contained in sub-section (2) of section 56 of the Indian Railways Act, 1890."

3. In rule 6 of the said rules, in the table, (a) against item (ii), in column 2, after entry (i), the following entries shall be inserted namely :—

"(j) in the case of a group of less than 30 B.G. Pol tank wagons in terms of four wheelers, or less than 20 M.G. Bogie Tank Wagons (40 units), placed at a time for unloading by one party, five working hours from the time at which the wagons are placed in position for unloading;

(k) in the case of a group of between 30 and 45 B.G. Pol tank wagons, in terms of four wheelers or 20 or more M.G. Bogie tank wagons (40 Units or more), placed at a time for unloading by one party, eight working hours from the time at which wagons are placed in position for unloading;

(l) in the case of a group of over 45 B.G. Pol tank wagons in terms of four wheelers, placed at a time for unloading by one party, ten working hours from the time at which the wagons are placed in position for unloading;

(m) in the case of bitumen tank wagons eight working hours during the nine summer months from March to November, and twelve working hours during the three winter months of December, January and February, from the time at which the wagons are placed in position for unloading;"

(b) entry (j) shall be renumbered as entry (n),

(c) in column 4, the following entry shall be inserted against entries (j) to (l) (under column 2), namely :—

"The entire group of tank wagons placed for unloading shall be treated as one unit for the purpose of levy of demurrage in cases where more than five hours free time is allowed i.e. even if one wagon out of a group of 30 or more B.G. tank wagons, in terms of 4 wheelers, and 20 or more M.G. bogie tank wagons (40 units) is detained for unloading beyond the prescribed free time, demurrage shall be levied on all the tank wagons in the group."

(d) for item (iv) under column (1), the following shall be substituted, namely :—

"(iv) On wagons waiting to be loaded with coal or wagons waiting to be unloaded at colliery and washery sidings."

4. In the table appended below sub-rule (a) of rule 7 of the said rules, for the figures and letters, "20p", "25p", and "30p", occurring twice, the figures "25", "30" and "35" respectively shall be substituted.

5. For rule 14 of the said rule, the following rule shall be substituted namely :—

"save as otherwise provided in these rules, the wharfage shall be calculated as under :—

(i) on the actual weight of the consignment, if the weight of the consignment is known;

(ii) on the chargeable weight of consignment, if the weight of the consignment is not known, and

(b) if the consignment is covered by sub-rule (1) of rule 164 of the General Rule relating to Goods Tariff."

[No. TCI/201/79/9]

A. L. GUPTA, Secy.

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1976

का० आ० 1505.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में बुरहार और अमलई कोलियरीज, डाकघर धनपुरी, जिला शहडोल (मध्य प्रदेश) के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स रेवा कोल इंडिया लिमिटेड, 4, बैंक शैल स्ट्रीट, कलकत्ता और कोल माइन्स अथारिटि लिमिटेड, सोहागपुर क्षेत्र, डाकघर धनपुरी, जिला शहडोल, बुरहार सं० 1 और 2 और एमलई कोलियरी धनपुरी, शहडोल, मध्य प्रदेश के भूतपूर्व और वर्तमान स्वामियों द्वारा अपने श्रमिकों को 1-1-1973 से 30-4-1973 तक की अवधि के लिये 20% की दर से बोनस का भुगतान जैसा कि श्रमिकों द्वारा मांग की गई है, न करना न्यायोचित है ? यदि नहीं तो उपर्युक्त कोलियरीयों के श्रमिक बोनस की किस प्रमात्रा के हकदार हैं?

[सं० एस० 22012/14/75-डी०III(बी०]

एच० एच० एस० अय्यर, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 31st January, 1976

S.O. 1505.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Burhar and Amlai Collieries, Post Office Dhanpuri, District Shahdol (Madhya Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether Messrs Rewa Coal Fields Limited, 4, Bankshall Street, Calcutta and the Coal Mines Authority Limited, Sohagpur Area, Post Office Dhanpuri, District Shahdol, the erstwhile and present owners of Burhar No. 1 and 2 and Amlai Colliery Dhanpuri, Shahdol, Madhya Pradesh are justified in not making payment of bonus to their workmen for the period 1-1-1973 to 30-4-1973 at 20 per cent as demanded by the workmen? If not, to what quantum of bonus are the workmen of the above said collieries entitled?

[No. L-22012/14/75-IIIB]

S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

आदेश

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1976

का० आ० 1506.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की महेशपुर कोलियरी, डाकघर खरकड़ी (जिला धनबाद) के प्रबन्धतन्त्र से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, और औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय संख्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की महेशपुर कोलियरी डाकघर खरकड़ी, जिला बर्दवान के प्रबन्धतन्त्र को सर्वश्री (1) राम प्रसाद मोन्डल (2) स्वपन मोन्डल (3) नारद मोन्डल (4) टेकनाल राजवार (5) विनोद मोन्डल (6) संभु मोन्डल (7) रूपलाल मोन्डल (8) राम उदेश महतो (9) सत्यदेव शाव और (10) धर्मभार्थ गोप-सभी हाजरी मजदूर, को 17 मार्च, 1975 से काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[संख्या एल० 20012/111/75-डी०-III ए०]

ORDER

New Delhi, the 3rd February, 1976

S.O. 1506.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Maheshpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kharkharee (District Dhanbad) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 2 Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Maheshpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kharkharee, District Dhanbad is justified in stopping from work to S/Shri (1) Ram Prasad Mondal, (2) Swapan Mondal, (3) Narad Mondal, (4) Teklal Rajwar (5) Binod Mondal, (6) Sambhu Mondal, (7) Ruplal Mondal, (8) Ram Udesh Mahato, (9) Satyadeo Shaw and (10) Dharam Nath Gope—All General Hazree Mazdoors with effect from 17th March, 1975? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

[No. L-20012/111/75-D.IIIA]

आदेश

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1976

का० आ० 1507.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स भारत कोकिंग कोल लि० की वैस्ट मुदीडिह कोलियरी, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय संख्या 2, को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स भारत कोकिंग कोल लि० की वैस्ट मुदीडिह कोलियरी, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबन्धतन्त्र की श्री मिहिर कुमार चक्रवर्ती, लेखा सहायक को 16 जनवरी, 1974 से रोजगार देने से इन्कार करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[संख्या एल० 20012/73/75-डी० III ए०]

ORDER

New Delhi, the 4th February, 1976

S.O. 1507.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of West Mudidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 2 constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of West Mudidih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited P.O. Sijua, Distt. Dhanbad is justified in refusing employment to Shri Mihir Kumar Chakravarty, Accounts Assistant with effect from the 16th January, 1974? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-20012/73/75-D. IIIA]

आदेश

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी, 1976

का० आ० 1508.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स बी० सी० सी० लिमिटेड के भौवरा नार्थ एंड भौवरा साउथ, डाकघर भौवरा (धनबाद) के प्रबन्धतन्त्र से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय संख्या 3, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या बी० सी० सी० लि० के प्रबन्धतन्त्र की, भौवरा (नार्थ) कोलियरी और भौवरा (साउथ) कोलियरी डाकघर भौवरा, जिला धनबाद से संबंधित भूमिगत मुन्शियों को, कोयला खनन उद्योग सम्बन्धी केन्द्रीय वेतन बोर्ड द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार लिपिक ग्रेड II में न रखने की कार्रवाई न्यायोचित है यदि नहीं तो ये कर्मकार किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार हैं?

[सं० एल० 20012/90/75-डी० III/ए०]

आर० पी० नरुला, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 23rd February, 1976

S.O. 1508.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bhowra North and Bhowra South of M/s. B.C.C. Ltd., P.O. Bhowra (Dhanbad) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 3, Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of B.C.C. Ltd., in relation to Bhowra (North) Colliery and Bhowra (South) Colliery, P.O. Bhowra, District Dhanbad is justified in not placing the Underground Munshis in Clerical Grade-II as recommended by the Central Wage Board for Coal Mining Industry? If not, to what relief are there workmen entitled and from which date"?

[No. L-20012/90/75/D. IIIA]

New Delhi, the 14th April, 1976

S.O. 1509.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal cum-Labour Court No. 3, Dhanbad in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Chanch Colliery of M/s. Bengal Coal Co. P. O. Chirkunda, Distt. Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd April 1976.

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 14 of 1970

PARTIES :

Employers in relation to the management of Chanch Colliery of M/s. Bengal Coal Co. Ltd., P. O. Chirkunda, Dist. Dhanbad.

AND

Their workman

APPEARANCES :

For Employers—Sri S. S. Mukherjee, Advocate on behalf of B. C. C. Ltd.

For Workman—Workman personally.

Industry : Coal. State : West Bengal.

Dated, Dhanbad, the 31st March, 1976.

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. 2/181/69-LRII dated 31-1-70 projecting the following question for the determination by this Tribunal :

"Whether the management of Chanch Colliery of M/s. Bengal Coal Co. Ltd., P. O. Chirkunda, Dist. Dhanbad, was justifid in terminating the services of Sri Raj Mohan Ahir, Pump Khalasi, with effect from the 3rd September, 1968? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. It is not disputed that Sri Raj Mohan Ahir, who has now turned into an ascetic, was an employee of Chanch Colliery since 1960. He was working as a Pump Khalasi at the time when his service was terminated with effect from 30-8-68 by Order dated 10-10-68 passed after the conclusion of a domestic enquiry on a charge of absence without permission for more than 10 days from 30-8-68 to 16-9-68. He had been sent to Police custody on 3-9-68 along with a watchman of the colliery and a letter written by the Welfare Officer to the Police Officer of the Panchet Police Outpost. After that Sri Rajmohan Ahir came to the colliery for the first time on 17-9-68 and wanted to join back his duty saying that he could not come all these days because he had been arrested by Panchet Police in a dacoity case and had been released on bail only on the previous day. The management did not allow him to join the duty. He was chargesheeted for the said absence from 30-8-68 which was a misconduct vide Clause 27(16) of the Certified Standing Orders. On the conclusion of the enquiry and after the perusal of the report of the enquiry officer the management terminated his service as said above Sri Raj Mohan Ahir did not attend his duties at the colliery from 30-8-68 onwards. It is again not disputed that he was ultimately discharged by the Police. After that he made another attempt for his reinstatement, but the management refused to do so.

3. The case of the workman is that he was falsely implicated in the dacoity case by the Welfare Officer because of his annoyance with him. The background of this annoyance was that Raj Mohan Ahir was staying in one of the out houses of the quarter of the Welfare Officer and in return of that facility he was rendering some personal service to him. Later on Raj Mohan shifted from that quarter and stopped working at the residence of the Welfare Officer. This annoyed him and it is alleged that it was on account of this annoyance that the Welfare Officer got him falsely implicated in the said dacoity case. Ultimately no evidence could be collected against him and he was discharged. It is alleged that the domestic enquiry was perfunctory. Principles of natural justice were not observed. The Enquiry Officer was biased. The Manager and the higher authorities did not take into consideration the extenuating circumstances while awarding the punishment which was not proportionate to the guilt. The management was actuated by malice. Raj Mohan Ahir has therefore prayed for his reinstatement with back wages and continuity of service.

4. The management raised preliminary objection about the vires of the provisions of Section 2-A which introduces discrimination against the fundamental right of equality before law propounded in Article 14 of the Constitution of India. It further alleged that the industrial dispute was not at first raised by the workman before the management and therefore the reference was bad and the Tribunal acquired no jurisdiction. The allegations of bias and malice or false implication of the delinquent in criminal case at the instance of the management have been denied. The case of the management is that Sri Raj Mohan Ahir was absenting himself from work without permission since 30-8-68 and was not available in the colliery when a letter of the Police Officer was received requiring his presence at the Police Outpost, Panchet. Accordingly when on 3-9-68 Sri Raj Mohan Ahir was seen in the colliery premises he was sent to the Police Outpost along with the watchman of watch and ward section of the colliery to whom a letter was given by the Welfare Officer addressed to the Officer Incharge, Panchet Police Outpot expressing compliance of the requisition. After that the management did not hear anything about the workman who appeared on 17-9-68 with an application that he had been released from custody a day before and wanted to join his duties. As the continuous absence amounted a misconduct in terms of Clause 27(16) of the Standing Orders a chargesheet was given and proper domestic enquiry was held in which principles of natural justice were followed and proper opportunity to defend was given. As the employee failed to explain his absence from 30-8-68 his services were terminated.

5. On the question of the constitutionality of the provisions of Section 2-A of Industrial Disputes Act it will be sufficient to rely on K.C.P. Macheria Ltd. Vs. Government of Andhra Pradesh, 1975 Lab. I.C. 50 (A. P.) and Dunlop India Ltd., New Delhi Vs. B. D. Gupta, and others 1975 Lab. I.C. 702 Delhi. Section 2-A has been held to be intravires of Article 19(1)(c) and Article 14 of the Constitution of India. Calcutta High Court also reversed it's own contrary opinion and came round to the same view in a subsequent decision in a State of West Bengal Vs. Jute Goods Buffer Stock Association 1973 Lab. I.C. 1243 Calcutta.

6. There is evidence that the workman had represented against the termination of his service and had made an attempt to get back his service when he was discharged by the Police. From the termination itself it is obvious that a dispute had arisen between the management and the workman. The management appeared before the A.L.C. and did not raise the question that the dispute had not been first raised by the employee before the management. Thus it is obvious that the management has not been taken by surprise and the industrial dispute existed before it was referred to A.L.C., or to the Government. This technical objection that the dispute was not at first formally raised before the management has therefore no force.

7. A perusal of the chargesheet and the reply read with the application dated 17-9-68 given by the delinquent would make it clear that the delinquent was admittedly absenting himself without permission since 30-8-68. Admittedly he was arrested on 3-9-68. The delinquent made no attempt to explain as to how and why he remained absent from duty from 30-8-68 to 3-9-68. Even before the management he had taken the plea that he could not come to his duty because he had been arrested. But that plea could not cover the period between 30th August to 3rd September '68 because in that period he was not under arrest. This unexplained period of absence without permission continued for more than 10 days did certainly amount to a misconduct.

8. Sri Raj Mohan Ahir could have sent an application for leave from the jail but he did not do so. Even when he was released on bail he did not move any application for leave and as discussed above he did neither seek leave for the period between 30th August to 3rd September nor he explained the cause of his absence from duty on these days. The Enquiry Officer therefore rightly held him guilty of the misconduct.

9. In Indian Iron & Steel Co. Limited Vs. their workmen 1958—I.L.L. J. 260 S.C. Hon'ble Sri S. K. Das J. observed at page 268 that—

> "It is true that the arrested men were not in a position to come to their work because they had been arrested by the Police. This may be unfortunate for them but it would be unjust to held that in such circumstances the company must always give leave when application for leave is made.
>
> . . . . . Whether in such circumstances leave could be granted or not must be left to the discretion of the employer.

In this way being under Police custody gives no irresistible right to the employee to get leave and the management is under no obligation to grant the leave in all circumstances. The Supreme Court has already observed above that the granting of leave in such circumstances must be left to the discretion of the employer which clearly means that the Tribunal has no jurisdiction to re-open the issue and go into the causes of not granting the leave. Moreover in the present case only a part of the absence was due to the said arrest and there was no explanation for the rest of the period. That unexplained absence must have weighted heavily with the employer in deciding the question.

10. It is true that in the aforesaid case several persons had resorted to questionable activities in connection with labour dispute which paralised the work of the company. But in the case of Burn and Co. Vs. their employees 1957—I L.L.J. 226 S.C. only one person namely Asimananda Banerjee been arrested under West Bengal Security Act and was detained in jail for two months. The company terminated his services on the ground of his continued absence for this period. The Labour Appellate Tribunal ordered his reinstatement but that order was set aside by the Supreme Court as manifestly erroneous.

11. Hon'ble Sri S. K. Das J. in the aforesaid case of Indian Iron and Steel Co. Limited did lay down a caution that the case would be different if the arrest was manipulated by the management itself. In the present case the workman has tried to raise some such sort of allegation by alleging that the welfare Officer had become annoyed with him and he got him falsely implicated. His hand in the arrest is suspected firstly because of the annoyance and secondly because of the letter with which he had forwarded the workman to the Police Outpost. Thirdly circumstance of his discharge by the Police has been pressed into service for raising the conclusion of false implication at the instance of the Welfare Officer. In my opinion all these facts and circumstances are not sufficient to prove such false implication at the instance of Welfare Officer. The workman examined himself to prove that he had stopped working at the residence of the Welfare Officer and on that account that officer was annoyed with him. One may be annoyed on account of the disturbance in the settled facility of a servant but that does not necessarily mean that the officer should stoop so low as to get the workman falsely implicated in a crime of dacoity. It has been stated in the written statement that a requisition had already been received from the Police and it was in compliance of that requisition that the Welfare Officer sent the workman to the Police Outpost writing a letter of compliance at the same time. Thus mere writing of the letter cannot give rise to an inference that it was letter requesting the Police Officer to falsely implicate the workman in a dacoity case. In fact even if the officer wanted such thing to be done he could not have sent a letter in writing. Moreover the fact that a requisition had come and Sri Raj Mohan Ahir was absenting since 30-8-68 i.e. for the last 3 to 4 days before the receipt of the requisition, goes to show that Sri Raj Mohan had come to know on 30-8-1968 that he was wanted by the Police and therefore he must have been avoiding to attend the colliery for the discharge of his normal duties. It is obvious that he wanted to avoid his arrest by such absence. The letter was written on 3rd September and if the requisition for arrest had been issued much before that date how could the hand of the Welfare Officer be suspected in such a case. Mere suspecion is no evidence and it is thus clear that the workman has not been able to establish that he was falsely implicated by the employer himself. Thus for the reasons stated above I find no scope for interference in the termination of the services of Sri Raj Mohan Ahir and that order of the management cannot be said to be unjustified. The enquiry was proper and proper opportunity was given to the employee to defend himself as has been proved by Sri T. P. Banerjee MW-1. It is therefore held that the management was not unjustified in terminating the services of Sri Raj Mohan Ahir, Pump Khalasi with effect from 30-8-68 (and not from 3-9-68 as mentioned in the schedule of reference.)

12. Section 1 of the Industrial Disputes Act has now empowered this Tribunal to enterfere with the quantum of punishment by substituting it with a lesser penalty even if the finding of guilt is upheld. In the case of Burn and Company cited above the Industrial Tribunal had ordered workmen's reemployment. Similar order can be passed in this case as well without granting him continuity of the past service. But the colliery stands nationalised and as recently pronounced by the Patna High Court the Government Company stands fully protected by virtue of Section 9 of the Nationalisation Act for the acts of the past owner. Thus it is not possible to direct the Government Company to reemploy the workman. Under the circumstances there appears to be no alternative but to uphold the punishment as well.

13. The reference is answered accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer.

Award is submitted to the Central Government in the Ministry of Labour as required by Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. N. JOHRI, Presiding Officer.

[F. No. 2/181/69-LR-II/D-III-A/Part]
R. P. NARULA, Under Secy.

New Delhi, the 8th April, 1976

S.O. 1510.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Calcutta Port Commissioners, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th April, 1976.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

PRESENT :

Justice E. K. Moidu, Presiding Officer.

Reference No. 19 of 1974

PARTIES :

Employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners, Calcutta,

AND

Their Workmen

APPEARANCE :

On behalf of the Employers—Shri S. M. Banerjee, Labour Adviser, with Shri S. P. Naha, Dy. Labour Adviser and Industrial Relation Officer.

On behalf of Workmen—Sri Sunil Das Gupta, Dy. General Secretary with Sri Syam Chakravorti, Assistant General Secretary of Cal. Port Sharmik Union.

Sri K. K. Roy Ganguly—for Calcutta Port & Shore Mazdoor Union.

Sri Sri Prasanta Dutta, General Secretary of Calcutta Port & Dock Workers Union.

Sri N. Das Gupta, Deputy General Secretary of Nation Union of Waterfront Workers.

Industry : Port & Dock

State : West Bengal

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-32011/11/74-P&D/CMT dated 14th November, 1974, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioner and their workmen for adiudication to this Tribunal. The reference reads as :

> "Having regard to the existing system of booking of 'A' category Cargo Handling Shore workers in the different sections at Docks and Jetties namely Cargo Docks, Tea Warehouse, Kantapukur, Coal Dock and Calcutta Jetties and the disparities in incentive earnings of the said workers from section to section, whether a suitable method should be evolved effecting change in the existing system of booking as and when deemed necessary in order to ensure equal or equitable opportunities of incentive earnings to the individual cargo handling workers attached to the different sections of Docks and Jetties as far as practicable—consistent with the work requirements of the Port and without in any way affecting normal or pressing cargo handling work at any of the aforesaid five sections, and if so, what should be the method ?"

2. Calcutta Port and Dock Workers' Union, Calcutta Port Shramik Union, National Union of Waterfront Workers and Calcutta Port and Shore Mazdoor Union are the four unions which sponsored the claims of 'A' category cargo Handling Shore workers in the different sections in the Docks and Jetties of the Calcutta Port. They work normally in cargo docks, Coal Docks, Kantapukar, Tea Ware House and Calcutta Jetty. Their system of work, mostly operational and the wages they earn are governed by the revised incentive piece-rate scheme, 1964, which the Calcutta Port authorities brought into force. The Unions suggested different methods of cargo handling scheme for raising the earning of the workmen. But the suggestions of any of the unions are not acceptable among themselves and unless they give definite suggestion acceptable to all the Unions representing the workmen, it would be difficult to put the suggestions to the Calcutta Port Trust for acceptance. The main consideration that weighed with all the unions is for evolving a scheme to raise the earning of the workmen without affecting the earning of any oher gang of men working in other docks or jetties. The Port of Calcutta in paragraph 19 of their written statement also agreed that, "...a uniform pattern for booking 'A' category cargo handling workers in general be evolved for equitable distribution of piece-rate earnings without in any way affecting normal or pressing cargo handling work at any of the five cargo handling sections, viz., Cargo docks, Tea Ware House, Kantapukar, Coal Docks and Calcutta Jetty".

3. The four unions referred to above have now jointly evolved a solution acceptable to all the unions of the workmen as contained in paragraph 30 of the written statement of Calcutta Port Shramik Union dated 14-4-1975. It reads :

> ".....the Calcutta Port Trust should be directed by the Honorable Tribunal to augment the earnings of the 'A' category workers of Calcutta Jetty without adversely affecting the 'A' category workers of other sections in any way."

4. The reference in question expects the parties to evolve a change in the existing system of booking so as to increase the earning capacity of the workmen concerned without disturbing the workmen of other sections. But the main theme of the Reference is to increase the earning capacity of the workmen. The unions now do not want a change in the system of booking, but they want an increase in the earnings for the 'A' category workmen of the Calcutta Jetty. It is with that end in view they suggested for diversion of more cargo ships to the Calcutta jetty in which case they expect those workmen will have more work load so that their earning will also be increased in due course.

5. The Port Trust did not object to the proposal put forward by the Unions in principle. On behalf of all the four Unions Sri Sunil Das Gupta, Deputy General Secretary of the Calcutta Port Shramik Union was examined. He had sworn to the case that by diversion of more cargo ships to the Calcutta jetty the earnings of 'A' category workmen in that jetty would be enhanced. There was no evidence on the side of the Calcutta Port Trust.

6. However, even WW-1 had to admit that there would be some operational and technical difficulties to divert more ships to the Calcutta Jetty; and those difficulties should be taken into account whenever ships are diverted to the Calcutta Port jetty. But subject to those difficulties it would be still feasible for the Calcutta Port Trust to direct more and more ships to Calcutta Jetty for loading and unlading cargo ships to Calcutta Jetty in future. There no other total cargo to be handled by the workmen of the Docks and Jetties and if ships are to be allotted on that basis, the earning of the workmen in different Docks and Jetties would also be more or less uniform in due course. With this end in view the Calcutta Port Trust will divert more and more cargo ships to Calcutta Jett in future. There is no other question arises in the reference for consideration.

7. In the result, the Reference is answered in favour of the workmen of four unions making an award in their favour directing the Calcutta Port Trust to divert more and more cargo ships to the Calcutta Jetty with a view to augment the earnings of the 'A' category workers of that jetty without affecting the 'A' category workers of other sections in any way whatsoever subject to the technical and operational difficulties to be observed in the allotment of ships to various docks and jetties.

E. K Moidu, Presiding Officer.

Dated, Calcutta,
The 31st March, 1976.

[No. L. 32011 (11)/74-P&D/CMT/D-IVA]

S.O. 1511.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes he following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of 22 Stevedores represented by Master Stevedores Association, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th April, 1976.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 25 of 1975

PARTIES :

Employers in relation to the management of 22 Stevedores represented by Master Stevedors' Association Calcutta,

AND

Their workmen represented by Calcutta Dock Workers Union & Registered and Unregistered Dock Workers Union, Calcutta.

APPEARANCE :

On behalf of Employers—Shri N. K. Raha, Advocate.

On behalf of Workmen—Shri W. A. Azad—for Calcutta Dock Workers Union, & Shri H. L. Roy, Advocate, for Registered and Unregistered Dock Workers Union.

State : West Bengal Industry : Port & Dock

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-32014/1/74-P&D/CMT/DIV(A), dated 2nd April, 1975, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of 22 Stevedores represented by Master Stevedores' Association and their workmen under Section 10 of the Industrial Disputes Act, to this tribunal for adjudication. The reference reads :

"Whether the demand of the workmen relating to payment of (i) Gratuity (ii) sick leave (iii) casual leave (iv) privilege leave (v) children education allowance (iv) weekly off (vii)) holidays with pay and (viii) attendance allowance for the period of services rendered under different stevedores prior to their registration under the Calcutta Dock Labour Board i.e. 1-10-1971 is justified; If so, to what relief they are entitled to and from what date ? Whether the demand of the workmen relating to payment of cleaning charges at the rate of Rs. 30 (Rupees thirty) only per month with retrospective effect from 1-10-1971 is justified ? If so, to what relief they are entitled and from what date ?"

2. The workmen concerned in this reference got themselves registered as workmen under the Calcutta Dock Labour Board with effect from 1-10-1971 after the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970 came into force. Their claim is in respect of the period prior to 1-10-1971, when they were the employees of the Stevedores, the Shipping agent. Items 2 to 8 of the claim in the first part of the reference could not be allowed as the workmen did not avail of the benefits which accrued to them from time to time during the period of their service upto 1-10-1971. When they ceased to be the workmen of the Stevedores after the Scheme of 1970 came into force, they had no subsisting claim for compensation against their employer under Section 25F of the C.V.A. Hydross & Sons, Cochin v. Joseph Sanjon and others, 1967(1) L.L.J., 509, The Supreme Court held in Hariprasad Shivasnanhar Vs. Divelkar, 1957 A.I.R., 121 as follows :

> .....the retrenchment as defined in Section 2(oo) and as used in Section 25F has no wider meaning than the ordinary, accepted connotation of the word; it means the discharge of surplus labour or staff by the employer for any reasons whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, and it has no application while the services of all workmen have been terminated by the employer on a real and bonafide closure of business; or where services of all workmen have been terminated by the employer on the business or undertaking being taken over by another employer,.....on our interpretation, in no case is there any retrenchment, unless there is discharge of surplus labour or staff in a continuing or running industry.".

3. In the instant case there was no evidence to hold that these workmen were retrenched workmen on 1-10-1971. There was no case that there was any surplus labour on account of which their services had been terminated. The workmen could not, therefore, recover any retrenchment benefits from their past employers on the basis of the claims set out in the Reference. Those benefits were attached to their work and they should have enjoyed those benefits during the period of their service. It is not open to them to recover the money value of those benefits in lieu of casual leave, privilege leave, etc., which they would have enjoyed during the period of their service under the previous employers. The workmen's claim under items 2 to 8 in the first part of the reference could not be substantiated.

4. But the claim for gratuity is based upon a different consideration. However, they could not recover any amount by way of gratuity for the time being. Their claim for recovery of gratuity will however be guaranteed.

5. The Payment of Gratuity Act, 1972 (Act 39 of 1972) came into force with effect from 22-8-1972. Section 4 of that Act provides that gratuity shall be payable to an employees on the termination of his employment after he has rendered continuous service for not less than 5 years—(a) on his superannuation, or (b) on his retirement or resignation or (c) on his death or disablement due to accident or disease. Sub-section (2) of Sec. 4 provides that for every completed year of service or part thereof in excess of 6 months, the employer shall pay gratuity, to an employee at the rate of 15 days' wages based on the rate of wages last drawn by the employee concerned.

6. Provided that in the case of piece rated employees, daily wages shall be computed on the average of the total wages received by him for a period of 3 months immediately preceding the termination of the employment, and for this purpose the wages paid for any overtime shall not be taken into account.

7 The rest of the conditions and restrictions are set out in sub-sections 3 and 4 and Section 5. Section 51(2) of the Scheme, 1970 provides that the Board shall frame and operate rules for payment of gratuity of registered workmen. On a consideration of the scope and object of the Scheme, 1970, it is clear that the workmen would be entitled to get continuity of service beginning from the period they joined the services of their erstwhile employers to enable the Board in fixing the workmen's gratuity at the time of retrenchment or on attaining the age of superannuation as the case may be. It is seen that for registering the names of the workmen with Dock Labour Board the length of service in each category of workmen had to be taken into account as one of the conditions of employment with the Board. In that regard the Scheme provides that the erstwhile employers shall surrender the history sheet, of their past service to the Board. Promotion from one category to another is also dependent upon their past service in each category. So the stevedores in this case should furnish the total length of service of each workmen to the Board The Board in formulating the scheme for payment of gratuity at the time of retirement of workmen has to take into account the total length of service, both under the Board as well as under the erstwhile employers, for fixing the amount of gratuity under the Act.

8. It is not in evidence that the Board has formulated any gratuity scheme. They are bound to do it as expeditiously as possible if they had not already framed the scheme. In doing so they should collect the proportionate gratuity amount from the erstwhile employers on the basis of the Act in respect of the period of service the workmen rendered. The date of retirement or superannuation or other ground of termination of service of the workmen shall be counted as if they are the employees of the Board. The erstwhile management should only contribute the proportionate amount of gratuity to the Board for the period the workmen served under them. Their liability could not therefore be disputed I find accordingly that the stevedores represented by the Master Stevedores Association as well as all those Stevedores represented by any other Association as party to this dispute shall contribute the proportionate amount of gratuity for the period the workmen worked under them to the Calcutta Dock Labour Board and in other respect the claims made in the first part of the reference is rejected as unsustainable.

9. The next claim covered by the second part of the reference is for payment of cleaning charges to the tune of Rs. 30 per mensem to each workman. The claim is for the period beginning from 1-10-1971. The claim is directed against the Calcutta Dock Labour Board, since it is admitted that the workmen got registered under the Board with effect from 1-10-1971. The Calcutta Dock Labour Board was not originally a party to the reference. However the summon of this reference was sent to them They appeared and contended that they are not necessary parties to the Reference The reference is also vague as regards the claim. It is not stated in the Reference as to the category of workmen who are entitled to cleaning charges The stevedores deny their liability to pay any cleaning charges. Without a clear description of the category of workmen who are entitled to the cleaning charges it is difficult to fix the liability of the employer for payment of the cleaning charges If the employees are permitted to name the category of persons, they might include all such persons as they deem think fit. Such a claim will cause prejudice to the employers in this reference. So the reference should have contained the category of workmen who are entitled to recover cleaning charges It is nobody's case that all the workmen under the Dock Labour Board are entitled to cleaning charges. So, in the absence of a clear description of the category workmen who are entitled to cleaning charges to have mentioned in the reference it is difficult to answer the reference. Accordingly, the second part of the reference claiming cleaning charges is rejected.

10 In the result, an Award is passed in favour of the workmen upholding their claim for gratuity to be paid under the Payment of Gratuity Act, 1972 in the light of the observations made in the body of the Award; in other respect the reference is rejected

Dated Calcutta,
The 31st March, 1976

E. K MOIDU, Presiding Officer

[No. L-32014(1)/74-P&D/CMT/D.IV(A)]

NAND LAL, Section Officer (Spl.).

New Delhi, the 14th April, 1976

S.O. 1512.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of United Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd April, 1976.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL: DELHI

C.G.I.D. No. 6 of 1975

BETWEEN

The Principal Agent, United Bank of India, 12/4, Asaf Ali Road, New Delhi.

AND

Its workman Sri Mohan Ram C/o Shri Jahangir Ahmed, 5 Prithvi Raj Road, Kashmir Emporium, New Delhi.

PRESENT :

Shri Ambrish Kumar—for the management.

Shri R. K. Man—for the workman.

AWARD

The Central Govt. on being satisfied that an industrial dispute existed between the aforesaid parties has referred the same for adjudication to the Tribunal by its Order No. 1. 12012/83/74/IRIII with the following terms of reference:—

"Whether the action of the management of the United Bank of India, Asaf Ali Road, New Delhi in terminating the services of Shri Mohan Ram with effect from the 2nd July 1974 is justified? If not, to what relief is he entitled?

2 The case of the workman was that he had been in the employ of the management since 12-2-73 as driver on a monthly salary of Rs. 240 On 2-7-74, his services were terminated by the management illegally, unjustifiably, arbitrarily and without sufficient ground and without giving a charge-sheet. The workman, then, served a demand notice to which the management did not give any reply. It was, therefore, prayed that an award be passed reinstating the workman with full back wages and continuity of service.

3. The management raised a preliminary objection that there was no relationship of employer and employee between the management and the workman; therefore, the reference was bad in law. On merits it was stated that the workman drove the Car No DLV 5532, in the capacity of a personal driver, of the agent of the bank which had no relation with the work of the bank. It was, therefore, prayed that the workmen was not entitled to any relief.

4. The workman filed a rejoinder and reiterated his claim.

5. On these pleadings the following two issues were framed :—

ISSUES:

1. Whether there is no relationship of employer and employee between the parties

2 As in the term of reference.

6 In oral evidence the management examined Shri P. K. Chakravati—MW1. In rebuttal the workman Shri Mohan Ram examined himself as WW1.

7. Arguments were then, heard.

ISSUE NO .1

8. The main question for determination under this issue is whether the workman herein was an employee of the United Bank of India or personnel driver of Shri Daljit Sing or an ex-principal agent of the bank.

9. The management has produced Shri P. K. Chakravati MW1 and the letter Ex. M/1 in support of its contention that Shri Mohan Ram, the workman concerned was a personal driver of Shri Daljit Singh.

10. Against this the workman's contention if that he is an employee of the bank and not a personal servant of Shri Daljit Singh.

11. Considering the evidence on either side, I find that the evidence produced by the management itself shows that Shri Mohan Ram was an employee of the bank. There was no evidence to prove that he was employed by Shri Daljit Singh as his personal driver. The management's letter Ex. M/1, for whatever worth it may be showed only that the management permitted Shri Daljit Singh to employ his own driver who would be treated as has personal employee. This did not by itself, mean that Shri Mohan Ram was employed by Shri Daljit Singh as his personal driver. There was no evidence produced to say that Shri Mohan Ram was employed by Shri Daljit as his personal driver. In fact, Shri Daljit Singh would have been the best witness to testify to that fact. He was not available, as he had died in the meantime. Shri Chakravarti MW 1, no doubt said so but he, also, said that Shri Mohan Ram drove the Car No. DLV 5532 upto June 1974 even after the death of Shri Daljit Singh who died on 18-7-73. He further said that Shri Mohan Ram drove another Car No. DHC 419 belonging to the bank. It is not the case of the bank that Shri Desai, who took over as agent after the death of Shri Daljit Singh, also, appointed the workman his personal driver. Thus, there being no evidence that Shri Mohan Ram had been appointed a personal driver by Shri Daljit Singh and there being evidence that he continued to drive two cars belonging to the bank after Shri Daljit Singh, it has to be held that Shri Mohan Ram was the bank's employee. Then, there are the pay vouchers Ex. M/5. Ex. M/6, Ex M/7 and Ex M/10, which have been produced by the bank itself, which show that the workman, herein, has been described in then as "banks' car driver". Saving Bank deposit pass book Ex. W/2, also, describes Shri Mohan Ram as staff by the management. The overall effect of all this evidence is, thus that Shri Mohan Ram is an employee of the bank and not a personal driver or employee of Shri Daljit Singh

12. Above all, the services of the workman were terminated on 2-7-74, that is, nearly one year after the death of Shri Daljit Singh. The new agent Shri Desai took over on 5 or 6-7-73 itself. In the meantime from 6-7-73 to 20-7-74, it is not the case of the Bank that Shri Mohan Ram was Mr. Desai's personal driver. The only inference of this, would be that from 18-7-73 to 2-7-74, at least, Shri Mohan Ram was an employee of the management bank, having Car Nos. DLV 5532 and DHC 419 to drive.

13. It is, therefore, held that the relationship of employer and employee was there between the workman and the management. The issue is, accordingly, decided in favour of the workman.

ISSUE NO. 2

14. The burden of proof of this issue was on the management. No evidence was, however, given to support the termination of the services of the workman, the termination, itself, not having been disputed at all, rather, it having been admitted to have been done. No notice to terminate was given and no reason was pleaded. It has to be, therefore, held that the termination of the services of Shri Mohan Ram was not legal and not justified. The issue is, accordingly, decided against the management.

15. The total result is that the termination of the services of the workman not having been legal and justified, he was entitled to be reinstated. The management is directed to reinstate him forthwith and pay him his full back wages and treat him continuous in service ever since 2-7-74. An award is made accordingly.

(Five pages)

20th March, 1976

[No. L-12012/83/74/LR. III]

D. D. GUPTA, Presiding Officer.

S.O. 1513.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government industrial Tribunal Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the Oriental Fire and General Insurance Company and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd April 1976.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL: DELHI

C.G.I.D. No. 5 of 1976

BETWEEN

The Oriental Fire and General Insurance Company.

AND

Their workmen

PRESENT :

Shri Rajmani for the management.

None for the workmen/Union.

AWARD

The Central Govt. on being satisfied that an industrial dispute existed between the aforesaid parties has referred the same for adjudication to this Tribunal by its Order No. L. 17011/2/75/DII/A dated the 17th January, 1976 with the following terms of reference:—

"Whether the management of Oriental Fire and General Insurance Company is justified in withdrawing the functional allowance and in recovering the ex-gratia payment already paid to their workman? If not, to what relief are the said workmen entitled?

2. The case was called a number of times, but none appeared on behalf of the workmen/union in spite of sufficient service and also not filed the statement of claim. Thereupon a notice was issued to show cause why a no dispute award be not passed in this case. The workmen/union again did not put in appearance. It appeared that the workmen were no more interested in this reference. In view of this, I have no alternative but to pass a no dispute award which is passed accordingly.

29th March, 1976

D. D. GUPTA, Presiding Officer.

[No. L-17011/2/75-D-II(A)]

NAND LAL, Section Officer (Spl.)

New Delhi, the 19th April, 1976

S.O. 1514.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, Chandigrah and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th April, 1976.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL DELHI.

C.G.I.D. No. 19 of 1975

BETWEEN

The Regional Manager, Punjab National Bank, Regional Manager's Officer, Sector-178, Chandigarh.

AND

Its workmen as represented by the All India PNB Employees Association, 898, Nai Sarak, Chandni Chowk, Delhi-6. Case of Sh. Kashmir Singh, Ex-peon-cum-Guard, P.O. Pabra-Distt. Hissar.

PRESENT :

Shri V Salvaraj—for the management.

Shri C. L. Bhardwaj—for the workman.

AWARD

The Central Govt on being satisfied that an industrial dispute existed between the aforesaid parties has referred the same for adjudication to this Tribunal by his Order No. L. 12012/16/75-DII/A dated the 15th May, 1975 with the following terms of reference :—

"Whether the action of the management of the Punjab National Bank, Chandigarh in terminating the services of Shri Kashmir Singh, Peon-cum-Guard with effect from the 7th November, 1974, is legal and justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?

2. The case of the applicant was that he was appointed against a permanent sanctioned vacancy of Peon/Guard at Pabra Office of the management with effect from 13-5-74. He continued to work upto 7-11-74 without any break. On 7-11-74 however, his services were terminated by Mr. Suneja, Officer Incharge, by his letter No. 745, abruptly and without any cogent reasons. It was pleaded that the action of the management in abruptly terminating his services was a clear violation of the provisions contained in Paras 516 and 522 of the Sastry Award. It was, therefore, illegal and unjustified and the applicant was entitled to be reinstated with full back wages.

3. The management admitted that the applicant was employed as a Peon-cum-Guard on temporary basis with effect from 13-5-74 and that he worked upto 7-11-74. The termination of his service was, also, admitted. But it was stated that the applicant had not been able to recognise the books of the bank and his behaviour with the customers was not satisfactory. His shortcomings were, even, pointed out to him orally but he did not improve in his work and conduct. His services were, therefore, terminated. It was prayed that the workman was not entitled to any relief.

4. The workman filed a rejoinder and reiterated his claim.

5. On these pleadings the following two issues were framed :—

ISSUES :

1. As in the terms of reference.
2. Relief.

6. In oral evidence the management examined Shri M. C. Suneja MW1. In rebuttal came Shri Tarachand WW1 and Shri Satya Prakash WW2.

ISSUE NO. 1

7. The case of the management is disclosed in the written statement for showing the legality and the justification for terminating the service as of the workman was that he was not able to recognise the books of the bank and that his behaviour with the customers was not satisfactory. The bank produced Shri M. C. Suneja MW1 in support of this case. He said that he terminated the services of the workman because he did not find him fit for the job Whenever he asked for any books or papers, the workman showed his helplessness and the witness had to pick up these books and papers himself. The workman was not able to give even vouchers and could not read the caption on the books. He further said that whenever he arrived at the office he found the workman squatting on the floor. He did not clean the office properly nor kept it in good shape. He did not clean the furniture and could not stitch vouchers in serial order, as he did not know that the vouchers belonged to one class or the other. The witness did not say anything regarding the behaviour of the workman with the customers which was said to the unsatisfactory. In rebuttal the workman produced Shri Tarachand WW1 and said that the workman's behaviour with the customers was good as it was good with him. The workman, also, produced Shri Satya Prakash Suneja WW2, a former Officer-Incharge of the branch in which the workman was employed. He said he did not receive any complaint from public or banks, sweeper or shop-keepers of the area against the workman. He, too, did not make any complaint against him. He found the work and conduct of the workman satisfactory. On consideration of this evidence, I am of the opinion that the management failed to show that the behaviour of the workman with the customers was not satisfactory. Rather, it appeared that the workman behaved satisfactory with the customers.

8. The second ground on which the bank justified the termination of the services of the workman was that he could not recognise the books of the bank. The bank, however, failed to show that recognising books of the bank was a part of the duties of the workman who was evidently a peon and a Guard. It was, also, no term of condition of his services that the workman would be called upon to recognise or read for any purpose, the books of the bank. Had it been so, the workman may not have been appointed at all, for it was a matter to be seen at the time of his appointment whether he could recognise or read the books of the bank or not. The workman was admittedly approved by the District Manager of the Bank, Chandigarh and was found suitable for the job on which he was appointed. Moreover, this was not a reason for terminating the services of the workman, in that, he was simply told that his services were no longer required by the bank. I am, therefore, of the opinion that the bank failed to make out a case for justification of the termination of the services of the workman on the ground that he was not able to recognise the books of the bank.

For the rest of the evidence of Shri Suneja MW1 that whenever he arrived at the office he found the workman squatting on the floor or that he did not clean the office properly and did not keep it in good shape and that he did not clean the furniture, there was neither pleadings in the reply nor did it form a part of the termination order as a reason for terminating the services of the workman. All this evidence was, therefore, at variance with the pleading and the termination order and it could not be looked into.

10. It is, therefore, held that there was no justification for the termination of the services of the workman.

11. The termination was illegal, too, as no notice was given to the workman before terminating his services. It was all of a sudden and abruptly that the services were terminated.

12. The issue is, accordingly, decided against the management.

ISSUE NO. 2

13. Since the result of the decision on issue No. 1 is that the management failed to justify its action in terminating the services of the workman herein and the termination was, also found to be illegal, the workman is found entitled to be re instated with full back wages and continuity of service.

14. Accordingly, the management is, hereby, directed to re-instate the workman herein forthwith, pay him his full back wages and treat him continuous in service. An award is made accordingly.

6th March, 1976 D. D. GUPTA, Presiding Officer

[No. L 12012/16/75/D-II (A)]

S.O. 1515.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dsiputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank Jhandewalan, New Delhi and their workman which was received by the Central Government on the 7th April, 1976.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, DELHI

C.G.I.D. No. 51 of 1975

BETWEEN

Punjab National Bank, Regional Management's Office, Jhandewalan, Extn. New Delhi.

AND

Its workman as represented by the Punjab National Bank Workers Organisation, 898, Nai Sarak, Chandni Chowk, Delhi-6.

PRESENT:

Shri M. K. Jain—for the management.

Shri C. L. Bhardwaj—for the workman.

AWARD

The Central Government on being satisfied that an industrial dispute existed between the aforesaid parties has referred the same for adjudication to this Tribunal by its Order No. L. 12012/51/DII/A dated the 4th August, 1975 with the following terms of reference :—

"Whether the management of the Punjab National Bank, Delhi Region, is justified in not altering the date of birth of Shri Mahadeo Prasad Shukhla, Head Peon and inforcing his premature retirement from service ? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. The case of the workman was that he joined the service of the Bank as a Peon at B/o Chandni Chowk, Delhi with effect from 2-3-44. He was, then, confirmed. In the end of 1974, he was informed that his date of birth recorded in the books of the Bank was 20-3-1915 and he would retire on 20-3-1975. He objected to his date of birth being 20-3-15, as the manager of the Bank had completed all formalities in writing it in the records of the bank, himself in English without explaining them to him in Hindi. He, then, produced a certificate of the Sarpanch of his village according to which his date of birth recorded in the Gram Panchayat's records was 15-12-1916 and made representations to the Bank asking it to allow him to continue as he had not reached the age of superannuation. It was prayed that an award be passed re-instating him with effect from 20-3-75 with full back wages and all other benefits.

3. The respondent admitted that the workman joined the service of the bank as a Peon with effect from 2-3-44 and was confirmed; but it was denied that Shri Mahadev Prasad was illegally forced to retire on 20-3-75 and he was asked to sign the service record without explaining to him its contents in Hindi. It was stated that on 29-9-61 the employee completed the formality of executing an agreement of service including identity form, as per the rules of the bank in which the date of birth had been mentioned as 20th March, 1915, which had been recorded on the basis of his own declaration given soon after his appointment and in 1961. It was denied that the workman's retirement was illegal and against the provisions of various Banks awards. It was, therefore, prayed that the workman was not entitled to any relief.

4. The workman filed a rejoinder and reiterated his claim

5. On these pleadings the following issue was framed :—

ISSUE :

1. As in the terms of reference

6. In oral evidence the workman Shri Mahadeo Prasad examined himself as WW1. No evidence was adduced in rebuttal.

7. Arguments were, then, heard. My decision is as follows :—

ISSUE : (Term of Reference)

8. The first question for determination is whether the management herein, justifiably refused to alter the date of birth of the workman, recorded in its record.

9. The workman contended that the date of birth recorded in the bank's records, was not as stated by him. The manager, himself, recorded it as 20-3-15 in English and did not read it out and explain it in Hindi. He therefore, applied for altering it to 15-12-16 on the basis of (i) a horoscope, (ii) a certificate of the Sarpanch of his village and (iii) the acceptance of it as 15-12-16 by the L.I.C.

10. The case of the bank is that the workman himself give out his date of birth as 20-3-1915 which was recorded accordingly in the identity form Ex. M/2 when the agreement of service Ex. M/1 was executed, the history sheet Ex. M/6 and the staff confidential report Ex. M/7. He was, therefore, bound by it.

11. Against this, the contention of the workman was that he never told the bank that his date of birth was 20-3-1915. What he told was that his date of birth was "6th Poh 1973 in Vikrami Sambat" (see Ex. M/4) and that a mistake had been committed in converting it into the Gregarian date.

12. Be that as it may, this is not the question for determination whether the date entered in the bank's service record pertaining to the workman was as per the workman's declaration or had been recorded by the manager by wrong conversion of the Vikrami Tothi into the Gregarian date nor even whether 20-3-15 was the correct date or 15-12-16 was the correct date of birth of the workman. The real question was whether the management rightly and justifiably refused to alter it when the workman wanted to have 20-3-1915 changed to 15-12-16, that is to say, whether the management shoud have accepted the contention and the evidence produced by the workman and it acted unjustifiably in refusing it.

13. The first basis on which the alteration was sought was the horoscope. The workman merely produced a horoscope. There was no evidence adduced to prove it. The person who prepared the horoscope was not produced to testify that he had special means of knowledge of the birth of the workman. It was, also, not said that the person who prepared the horoscope had died and there was some statement which proved the horoscope under Section 32 of the Evidence Act. The mere production of the horoscope was, therefore, of no avail to the workman to prove that his date of birth was the one entered in it. Even, here, in this Tribunal nobody was produced to prove the contents of the horoscope. Therefore, there can be no hesitation in holding that the management rightly refused to accept the mere horoscope without anyone proving its contents, for admitting the date of the workman to be 15-12-1916 and altering 20-3-15 to it.

14. The second basis for saying that the date of birth of the workman was 15-12-16, was the certificates Ex. W/2 and Ex. W/3 of the Pradhan of the Gram Panchyat of the workman's village. I think this certificate also suffers from the same infirmity as the horoscope. Nobody was produced to testify that he himself saw the record on the basis of which the certificate was given. A certified copy of the record was, also, not produced to show the authenticity or the correctness of the certificate. This mere certificate was, therefore, not enough.

15. The last basis was the acceptance by the L.I.C. that the date of birth of the workman was 15-12-16. It was, however, on the basis of the horoscope itself that the L.I.C. admitted the date of birth of the workman. It may be that for the purposes of the L.I.C. a mere horoscope is good enough for admitting the date of birth of an insured person but it is not enough for proving it, judicially. Moreover, as has been already observed above the mere production of a horoscope, which can be prepared at any time with whatever dated as one may like to mention in it, is not enough to believe that the dates mentioned therein are the true dates.

16. The result is that there was nothing unjustifiably in the refusal of the management to alter the date of birth

of the workman recorded in its records and enforcing his retirement on 20-3-75 on his attaining the age of superannuation which was 60 years. Hence the workman is not entitled to any relief. An award is made accordingly.

22nd March, 1976. D. D. GUPTA, Presiding Officer

[No. L. 12012/51/75-DII(A)]

S.O. 1516.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, Sector 17B Chandigarh and their workmen, which was received by the Central Government on 7th April, 1976.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, DELHI

C.G.I.D No. 64 of 1975

BETWEEN

Punjab National Bank B/o Sonepat through the regional Manager Punjab National Bank, Sector 17B, Chandigarh.

AND

Its workmen as represented by the All India Punjab National Bank Employees Association, 898, Nai Sarak, Chandni Chowk, Delhi-6, case of Shri Rajinder Parshad, B/o Sonepat.

PRESENT :

Shri V. Salvraj—for the management.

Shri C. L. Bhardwaj—for the workman.

AWARD

The Central Govt. on being satisfied that an industrial dispute existed between the aforesaid parties has referred the same for adjudication to this Tribunal by its Order No. 12012/131/75/DII/A dated the 27th October, 1975 with the following terms of reference:—

"Whether the action of the management of the Punjab National Bank, Chandigarh Region, is justified in not appointing Shri Rajinder Parshad in the permanent sanctioned vacancy of peon at 'Kathura ? if not, to what relief is the said workman entitled?

2 When the case came up today for hearing before me, a memorandum of settlement was jointly filed by Shri V. Salvraj on behalf of the management and by Shri C. L. Bhardwaj on behalf of the workman. Both the abovenamed representatives of the parties verify and admit the terms of settlement and seeks an award in terms thereof. I, therefore, pass an award in terms of Settlement Annexure 'A' which shall form a part of the award.

22nd March, 1976. D. D. GUPTA, Presiding Officer

SETTLEMENT

Memorandum of settlement arrived at between the management of the Punjab National Bank represented by its regional manager's office Chandigarh and its workmen represented by the All India Punjab National Bank Employees Association, 896, Nai Sarak Chandni Chowk, Delhi, in the matter of reference No. CG : ID : No. 64 of 1975 pending before the industrial Tribunal of Delhi over non absorption of Shri Rajinder Parshad temporary peon at BO Sonepat in the permanent vacancy of peon at Kathura

The parties agree that :—

1. Shri Rajinder Parshad will be absorbed permanently as Peon in the first permanent sanctioned vacancy in any of the branches in Sonepat District.

2. Regarding giving chances in temporary/stop-gap arrnagements, Shri Rajinder Prasad will enjoy the Status-Quo.

3. The parties set their hands to the aforesaid settlement of the dispute on this 22nd day of March, 1976.

ON BEHALF OF	ON BEHALF OF WORKMEN:
Punjab National Bank	C. L. BHARDWAJ,
V. SALVRAJ	General Secretary,
Asstt. Personnel Officer,	All India Punjab National
Regional Manager's Office,	Bank Employees Association,
Chandigarh-17.	Delhi.

[No. L. 12012/131/75-DII (A)]

G. C. SAKSENA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1976

का० आ० 1517.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित कर्मचारी राज्य बीमा निगम का गठन, इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से, निम्नलिखित सदस्यों से होगा, अर्थात

अध्यक्ष

1. श्री के० वी० रघुनाथ रेड्डी
श्रम मंत्री, भारत सरकार।

उपाध्यक्ष

2. श्री ए० के० एम० इशाक, उपमंत्री
स्वास्थ्य और परिवार नियोजन,
भारत सरकार।

सदस्य

(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खंड (ग) के अधीन नामनिर्दिष्ट)

3. श्री बालगोविन्द वर्मा,
श्रम मंत्रालय में उप मंत्री
भारत सरकार।

4. सचिव, भारत सरकार,
श्रम मंत्रालय।

5. श्री डी० एस० मिसि,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
श्रम मंत्रालय।

6. डा० पी० पी० गोयल,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक,
भारत सरकार।

7. श्री ए० के० सेन,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार।
वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग।
(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खंड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)

8. श्री एम० आर० पाई,
सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार,
स्वास्थ्य, आवास और नगरीय प्रशासन विभाग,
हैदराबाद।

9. श्री टी० एस० गिल,
सचिव, असम सरकार,
श्रम विभाग, शिलांग।

10. श्री आई० सी० कुमार,
सचिव, बिहार सरकार,
श्रम और रोजगार विभाग, पटना।

11. श्री एस० एच० जामद,
सचिव, गुजरात सरकार,
पंचायत और स्वास्थ्य विभाग,
गांधीनगर,

12. श्री पी० पी० कैपरिहन,
आयुक्त और सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम और रोजगार, विभाग, चण्डीगढ़।

13. श्री पी० के० मादू,
सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, श्रम और रोजगार विभाग,
शिमला।

14. श्री आगा सैयद अल्ताफ,
श्रम आयुक्त,
जम्मू और कश्मीर सरकार,
श्रीनगर।

15. श्री टी० जे० रामाकृष्णन,
सचिव, कर्नाटक सरकार,
समाज कल्याण और श्रम विभाग,
बंगलौर।

16. श्री यू० महाबाला राव,
सचिव, केरल सरकार,
श्रम विभाग, त्रिवेन्द्रम।

17. डा० के० वाई श्रीखंडे,
निदेशक, स्वास्थ्य सेवा,
मध्य प्रदेश, भोपाल,

18. श्री एम० एस० पलनितकर,
सचिव, महाराष्ट्र सरकार, शहरी विकास
और लोक स्वास्थ्य विभाग, बम्बई।

19. श्री जे० सी० नामपूई,
सचिव, मेघालय सरकार,
श्रम विभाग, शिलांग।

20. श्री के० एस० पुरी,
सचिव, नागालैंड सरकार,
गृह विभाग, कोहिमा।

21. श्री सोवन कानूनगो,
सचिव, उड़ीसा सरकार,
श्रम, रोजगार और आवास विभाग,
भुवनेश्वर।

22. श्री जी० बालाकृष्णन,
सचिव, पंजाब सरकार,
स्वास्थ्य और परिवार नियोजन विभाग,
चण्डीगढ़।

23. श्री एन० के० जोशी,
श्रम आयुक्त और पदेन अपर सचिव,
राजस्थान सरकार,
श्रम विभाग, जयपुर।

24. श्री ए० पद्मनाभन,
सचिव, तमिलनाडु सरकार,
श्रम और रोजगार विभाग,
मद्रास।

25. श्री एच० मुकर्जी,
सचिव, त्रिपुरा सरकार,
श्रम विभाग, अगरतला।

26 श्री गिरिजा प्रसाद पांडे,
आयुक्त एवं सचिव,
उत्तर प्रदेश सरकार,
श्रम विभाग, लखनऊ।

27. श्री आर० एन० सेनगुप्ता,
सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार,
श्रम विभाग, कलकत्ता।

(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 1 के खंड (ङ) के अधीन संघ राज्य क्षेत्रों की बाबत नामनिर्दिष्ट)

28. श्री के० डी० गुप्त,
श्रम आयुक्त और पदेन सचिव (श्रम),
दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

(इस प्रयोजन के लिये केन्द्रीय सरकार से मान्यता प्राप्त नियोजकों के संगठनों के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खंड (च) के अधीन नामनिर्दिष्ट)

29. श्री आर० एन० जोशी,
प्रबन्ध निदेशक,
लक्ष्मी विष्णु टैक्सटाइल मिल्स लि०,
199, चर्चगेट रिक्लेमेशन,
बम्बई-400020

30. श्री सी० आर० पाल,
कार्यकारी निदेशक (प्रशासन),
कलकत्ता इलैक्ट्रिक सप्लाई कार्पोरेशन लि०, विक्टोरिया
हाउस, चौरंगी स्क्वेयर,
कलकत्ता-700001.

31. श्री मदनमोहन मंगलदास,
मंगलबाग, एलिस ब्रिज,
अहमदाबाद-6

32. श्री पी० जेन्तसल राव,
सेक्रेटरी जनरल,
आल इंडिया आर्गेनाइजेशन आफ एम्प्लाईज,
फेडरेशन हाउस,
नई दिल्ली-1

33. श्री एन० एस० राव,
पेस्ट कन्ट्रोल (इंडिया) लि०,
यूसुफ बिल्डिंग,
महात्मा गांधी रोड,
बम्बई।

(इस प्रयोजन के लिये केन्द्रीय सरकार के मान्यता प्राप्त कर्मचारियों के संगठनों के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खंड (छ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)

34. श्री जी० वी० चिटनिस,
महा सचिव,
महाराष्ट्र स्टेट कमेटी आफ आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस,
डालवी बिल्डिंग, परेल,
ट्राम नाका, बम्बई 12 (डी० डी०)

35. मिस ई० डी० सौजा,
कोषाध्यक्ष,
राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ, जी० डी० अम्बेदकर मार्ग, [परेल,
बम्बई-12

36. श्री पी० के० शर्मा,
महासचिव,
इंडियन नेशनल शुगर मिल्स वर्कर्ज फेडरेशन
19-लाजवंत राय मार्ग,
लखनऊ।

37. श्री पी० बी० शंकरानारायणन, एम० एल० ए०,
महासचिव,
इंटक, केरल शाखा, चालापुरम,
कालीकट-2

38. श्री प्रणी घोष,
प्रधान,
जूट वर्कर्स फेडरेशन,
113, 2, हाजरा रोड,
कलकत्ता-26

(इस प्रयोजन के लिये केन्द्रीय सरकार से मान्यता प्राप्त चिकित्सा व्यवसायियों के संगठनों के परामर्श से केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा-4 के खंड (ज) के अधीन नामनिर्दिष्ट)।

39. डा० जे० मजुमदार,
पी० 5, न्यू० सी० आई० टी० रोड,
कलकत्ता-14

40. वैद्य श्री श्रीकृष्ण मुल्तानी,
सचिव,
अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस,
66-बाबर रोड, बंगाली मार्केट,
नई दिल्ली-1
संसद द्वारा धारा 4 के खंड (झ) के अधीन निर्वाचित)

41. श्री एन० सी० बुरागोहेन,
संसद सदस्य (राज्य सभा),
66, नार्थ ऐवेन्यू,
नई दिल्ली 1
(स्थाई पता राजबारी वार्ड नं० 2, जोरहाट टाउन, असम)

42. श्री एस० एम० बैनर्जी,
संसद सदस्य (लोक सभा),
113, नार्थ ऐवेन्यू,
नई दिल्ली।

43. डा० कैलाश,
संसद सदस्य (लोक सभा),
9, महादेवरोड,
नई दिल्ली-1

(धारा 4 के खंड (ज) के अधीन पदेन सदस्य)

44. महानिदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
नई दिल्ली।

[सख्या य० 16012/1/75-एस० आई०]

New Delhi, the 14th April, 1976

S.O. 1517.—In pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby directs that the Employees' State Insurance Corporation established under sub-section (1) of section 3 of the said Act shall, with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette, consist of the following members, namely :—

CHAIRMAN

1. Shri K. V. Raghunatha Reddy,
Minister for Labour,
Government of India.

VICE-CHAIRMAN

2. Shri A.K.M. Ishaque.
Deputy Minister for Health and Family Planning,
Government of India.

MEMBERS

(Nominated by the Central Government under clause (c) of Section 4)

3. Shri Balgovind Verma,
Deputy Minister in the Ministry of Labour,
Government of India.

4. Secretary to the Government of India
Ministry of Labour

5. Shri D. S. Nim.
Joint Secretary to the Government of India,
Ministry of Labour.

6. Dr. P. P. Goel,
Director General of Health Services,
Government of India

7. Shri A. K. Sen,
Joint Secretary to the Government of India,
Ministry of Finance, Department of Expenditure.

(Nominated by the State Governments under clause (d) of Section 4)

8. Shri M. R. Pai,
Secretary to the Government of Andhra Pradesh,
Health, Housing and Municipal Administration Department,
Hyderabad.

9. Shri T. S. Gill,
Secretary to the Government of Assam,
Labour Department, Shillong.

10. Shri I. C. Kumar,
Secretary to the Government of Bihar,
Labour and Employment Department,
Patna.

11. Shri S. H. Jagad,
Secretary to the Government of Gujarat,
Panchayat and Health Department,
Gandhinagar.

12. Shri P. P. Caprihan,
Commissioner and Secretary to the Government of Haryana,
Labour and Employment Department,
Chandigarh.

13. Shri P. K. Mattoo,
Secretary to the Government of Himachal Pradesh,
Labour and Employment Department,
Simla.

14. Shri Aga Syed Altaf,
Labour Commissioner,
Government of Jammu and Kashmir,
Srinagar.

15. Shri T. I. Ramakrishnan,
Secretary to the Government of Karnataka,
Social Welfare and Labour Department,
Bangalore.

16. Shri U. Mahabala Rao,
Secretary to the Government of Kerala,
Labour Department, Trivandrum.

17. Dr. K. Y. Shrikhande,
Director, Health Services,
Modhya Pradesh, Bhopal

18. Shri M. S. Palnitkar,
Secretary to the Government of Maharashtra,
Urban Development & Public Health Department,
Bombay.

19. Shri J. C. Nampui,
Secretary to the Government of Meghalaya,
Labour Department, Shillong.

20. Shri K. S. Puri,
Secretary to the Government of Nagaland,
Home Department, Kohima.

21. Shri Sovan Kanungo,
Secretary to the Government of Orissa,
Labour, Employment and Housing Department,
Bhubaneshwar.

22. Shri G. Balakrishnan,
Secretary to the Government of Punjab,
Health and Family Planning Department,
Chandigarh.

23. Shri N. K. Joshi,
Labour Commissioner and Ex-officio Additional
Secretary to the Government of Rajasthan,
Labour Department, Jaipur.

24. Shri A. Padmanaban,
Secretary to the Government of Tamil Nadu,
Department of Labour and Employment,
Madras.

25. Shri H. Mukherjee,
Secretary to the Government of Tripura,
Labour Department, Agartala.

26. Shri Girija Prasad Pandey,
Commissioner-cum-Secretary to the Government of
Uttar Pradesh, Labour Department,
Lucknow.

27. Shri R. N. Sen Gupta,
Secretary to the Government of West Bengal,
Labour Department,
Calcutta.

(Nominated by the Central Government under clause (e) of section 4 to represent Union Territories)

28. Shri K. D. Gupta,
Labour Commissioner and Ex-Officio Secretary
(Labour),
Delhi Administration, Delhi.

(Nominated by the Central Government under clause (f) of section 4 in consultation with organisations of employers recognised by the Central Government for the purpose).

29. Shri R. N. Joshi,
Managing Director,
Laxmi Vishnu Textile Mills Limited,
199, Churchgate Reclamation,
Bombay-400020.

30. Shri C. R. Paul,
Executive Director (Administration),
Calcutta Electric Supply Corporation Limited,
Victoria House, Chowringee Square,
Calcutta-700001.

31. Shri Madanmohan Mangaldas,
Mangal Bag,
Ellis Bridge, Ahmedabad-6.

32. Shri P. Chentsal Rao,
Secretary-General,
All-India Organisation of Employers,
Federation House,
New Delhi-1.

33. Shri N. S. Rao,
Pest Control (India) Limited;
Yusuf Building, Mahatma Gandhi Road,
Bombay-1.

(Nominated by the Central Government under clause (g) of section 4 in consultation with organisations of employees recognised by the Central Government for the purpose)

34 Shri G. V Chitnis,
General Secretary,
Maharashtra State Committee of All India Trade
Union Congress,
Dalvi Building, Parel, Tram Naka,
Bombay-12(DD).

35. Miss E. D' Souza,
Treasurer,
Rashtriya Mill Mazdoor Sangh,
G. D. Ambedkar Marg, Parel,
Bombay-12

36. Shri P. K. Sharma,
General Secretary,
Indian National Sugar Mills Workers Federation,
19, Lajpatrai Marg, Lucknow.

37. Shri P. V. Sankaranarayanan, M.L.A.,
General Secretary, I.N.T.U.C. Kerala Branch.
Chalapuran Calicut-2.

38. Shri Phani Ghosh,
President, Jute Workers Federation,
113/2, Hazra Road, Calcutta-26.

(Nominated by the Central Government under clause (h) of section 4 in consultation with organisations of medical practitioners recognised by the Central Government for the purpose)

39. Dr. J. Majumdar,
P-5, New C.I.T. Road,
Calcutta-14.

40. Vaidya Shri Shree Krishan Multani,
Secretary,
All India Ayurvedic Congress,
66-Babar Road,
Bengali Market,
New Delhi.

(Elected by Parliament under clause (i) of section 4)

41. Shri N. C. Buragohain, M.P.
(Member of Rajya Sabha),
66, North Avenue,
New Delhi.

Permanent Address : Rajbari Ward No. 2, Jorhat Town, Assam).

(Permanent Address : Rajbari Ward No 2, Jorhat Town, Assam).

42. Shri S. M. Banerjee, M.P. (Member of Lok Sabha),
113, North Avenue,
New Delhi.

43. Dr. Kailas, M.P (Member of Lok Sabha), 9 Mahadev Road, New Delhi.

(Ex-officio member under clause (j) of section 4)

44. The Director General,
Employees' State Insurance Corporation,
New Delhi.

[F. No. U-16012/1/75-HI]

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1976

का. आ. 1518.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 2 मई, 1976 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय, जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) के उपबंध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

"त्रिचुर जिले में मुकुन्दापुरम तालुक में काल्लुर और त्रिचुर तालुक में चेवूर और वल्लाचिरा के राजस्व ग्रामों के भीतर का क्षेत्र ।"

[सं. एस.-38013/2/76/एच. आई]

एस. एस. सहस्रनामन, उप सचिव,

New Delhi the 17th April, 1976

S.O. 1518.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3 of section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 2nd May, 1976 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) on the said Act shall come into force in the following area in the State of Kerala, namely :—

"The areas within the revenue villages of Chevoor and Vallachira in Trichur Taluk and Kallur in Mukundapuram Taluk in Trichur District".

[No. S-38013/2/76-HI]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110027
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110006, 1976.